मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से प्रकाशित: भोपाल • ग्वालियर • कटनी • बिलासपुर • जबलपुर • छिंदवाड़ा • बालाघाट

www.emsindia.com

भोपाल
शनिवार 03 मई 2025
■ वर्ष: 30 ■ अंक: 126
■ पेज: 8 ■ मूल्य: 1.50/- रुपए

निष्पक्ष एवं विश्वसनीय खबरों का लोकप्रिय समाचार पत्र

एक्सप्रेस न्यूज

हार्वर्ड पर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा एक्शन...

यूनिवर्सिटी को अब नहीं मिलेगी टैक्स छूट

वॉशिंगटन, ईएमएस। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का टैक्स छूट का दर्जा समाप्त कर दिया है। ट्रंप ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी घोषणा की। उनका यह कदम हार्वर्ड जैसी प्रतिष्ठित संस्था पर सरकार की कड़ी निगरानी और नीतिगत बदलावों की ओर इशारा कर सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने 2 मई 2025 को ऐलान किया कि उनका प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का टैक्स-छूट का दर्जा समाप्त करने जा रहा है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि हम हार्वर्ड का टैक्स-छूट दर्जा समाप्त करने जा रहे हैं। वो इसी लायक हैं।

चुपके-चुपके

नियामक आयोग के अध्यक्ष की कुर्सी की दौड़ हुई तेज

मप्र में विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष की कुर्सी काफी समय से खाली है। इस कुर्सी पर बैठने के लिए कई आईएएस अफसर हाथ पैर मार रहे हैं। खुबरची का कहना है कि 1989 बैच के एक पूर्व आईएएस अधिकारी दौड़ में सबसे आगे निकल गए हैं। साहब करीब दो माह पहले रिटायर हुए हैं। साहब की राह रोकने के लिए उनके खिलाफ ईओडब्ल्यू और पीएमओ तक में शिकायत की गई थी। इस कारण उनको अभी तक विद्युत नियामक आयोग की बड़ी कुर्सी नहीं मिल पाई थी। लेकिन सूत्रों का कहना है कि साहब को कुर्सी तक पहुंचाने के लिए प्रयास शुरू हो चुके हैं। इसी कड़ी में उन्हें विजिलेंस क्लीयरेंस मिल गया है। क्योंकि उनके खिलाफ कोई एफआईआर या चालान नहीं लगा था। अब देखना है साहब की लॉटरी कब लगती है।

-खबरची

सीडब्ल्यूसी की बैठक में बोले मल्लिकार्जुन खड़गे...

पहलगाम हमले पर मोदी सरकार की नीति स्पष्ट नहीं

नई दिल्ली, ईएमएस। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अध्यक्षता में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक शुक्रवार को दिल्ली में हुई। बैठक में पहलगाम आतंकी हमले और केंद्र सरकार की ओर से किए गए जाति जनगणना के एलान पर चर्चा की गई। बैठक में खड़गे ने कहा है कि पहलगाम हमले पर मोदी सरकार की नीति स्पष्ट नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक, सीडब्ल्यूसी की इस बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए जा सकते हैं। पहले प्रस्ताव में पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की जा सकती है। दूसरे प्रस्ताव में जल्द जाति जनगणना के लिए धन आवंटन की मांग की जा सकती है। बैठक में यह भी मांग उठाई जा सकती है कि संविधान में संशोधन करके आरक्षण पर लगी 50 फीसदी की सीमा को हटाया जाए। साथ ही सरकार से यह अपील भी की जा सकती है कि अनुच्छेद 15(5) को लागू किया जाए, जो निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान करता है। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की। इसमें पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और कोषाध्यक्ष अजय माकन समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है, जब केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि अगली जनगणना में जाति के आंकड़ों को भी शामिल किया जाएगा। ऐसा देश की आजादी के बाद पहली बार होगा।

डॉ. मोहन यादव की जिलों के अफसरों के साथ बड़ी बैठक, कलेक्टर-एसपी से मांगा जवाब

जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना की सराहना

भोपाल, ईएमएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार दोपहर मंत्रालय पहुंचकर समाधान ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों, कमिश्नरों और आईजी के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में सीएम जिलों में जनशिकायतों के समाधान की स्थिति की समीक्षा की। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मुख्यमंत्री ने जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना द्वारा तैयार किए गए आधुनिक रिकार्ड रूम की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की योजनाएं प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और प्रभावी कार्यवाही को सुनिश्चित करती हैं। साथ ही मुख्यमंत्री ने धार कलेक्टर के कार्यों की भी सराहना की।

साथ ही सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की प्रगति भी जांची जाएगी। बैठक में पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा पर विशेष चर्चा की गई। यह योजना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, लेकिन अब तक केवल 61 मरीजों को ही इसका लाभ मिल पाया है। सीएम यादव ने पिछले माह ही स्वास्थ्य विभाग की बैठक में इसे जनोपयोगी बनाने के निर्देश दिए थे।

सरकार की प्राथमिकताओं पर चर्चा

सीएम ने जल गंगा संवर्धन अभियान की जिलावार रिपोर्ट ली और राज्य सरकार की प्राथमिकताओं- जैसे पीएम श्री एयर एम्बुलेंस और निवेश संवर्धन पर भी चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को इन प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना तैयार करने के लिए कहा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव अनुराग जैन ने जिलों में शिकायतों के समाधान में हुई लापरवाही पर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों से त्वरित कार्यवाही की रिपोर्ट ली। समाधान ऑनलाइन के दौरान पांढुर्णा जिले के कपिलधारा कूप मामले पर भी चर्चा हुई। यहां मस्टर में गलत जानकारी फीड किए जाने के मामले में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री को घटनाक्रम की जानकारी दी।

फटाफट खबरें

माइक वाल्ट्ज बने संयुक्त राष्ट्र राजदूत

वॉशिंगटन, ईएमएस। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया कि वह माइक वाल्ट्ज को अमेरिका का नया संयुक्त राष्ट्र राजदूत बना रहे हैं। माइक वाल्ट्ज अभी तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। इसके साथ ही ट्रम्प ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद की भी जिम्मेदारी दे दी है। माइक वाल्ट्ज जल्दी ही अपनी पोस्ट छोड़ने वाले थे। यह ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद पहला बड़ा बदलाव है। एक सूत्र ने बताया कि इस हफ्ते की शुरुआत में वाल्ट्ज को साफ कह दिया गया था कि अब उनका समय खत्म हो गया है।

सीरियाई राष्ट्रपति के घर के पास हमला

दमिश्क, ईएमएस। इजराइल ने शुक्रवार तड़के सीरिया की राजधानी दमिश्क में राष्ट्रपति अल जुलानी के घर के पास हवाई हमले किए। इजराइली सेना के मुताबिक ये हमले सीरिया में द्रूज अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हो रही हिंसा के जवाब में किए गए। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान जारी कर कहा कि यह सीरियाई शासन के लिए एक साफ संदेश है। हम दमिश्क के दक्षिण में किसी भी बल की तैनाती या द्रूज समुदाय के लिए किसी भी खतरे को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सांसद रामजीलाल सुमन हाउस अरेस्ट

आगरा, ईएमएस। आगरा में सपा सांसद रामजीलाल सुमन को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया है। उनके घर के बाहर कई थानों की फोर्स और पीएसी तैनात है। पुलिस ने रामजीलाल सुमन के घर के आसपास सीमेंट के ब्लॉकेज बैरियर लगा रखे हैं। रामजीलाल सुमन अलीगढ़ में जय भीम बोलने पर पीटे गए युवकों से मिलने जा रहे थे। वहीं, इससे आक्रोशित रामजीलाल सुमन अपने घर के सामने धरने पर बैठ गए हैं। सपा सांसद का कहना है कि वह अलीगढ़ जाएंगे। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उनके घर पहुंच रहे हैं।

आज का कार्टून

पहलगाम जांच रिपोर्ट में एनआईए का खुलासा... हमले से पहले आतंकियों ने आईएसआई से किया था कॉन्टैक्ट...लश्कर-ए-तैयबा पाकिस्तान के इशारों पर कर रहा था काम

पाक ने ही कराई टारगेट कीलिंग

● श्रीनगर, ईएमएस

- सुरक्षा एजेंसियां हमले में शामिल आतंकियों को जिंदा पकड़ने की कोशिश कर रही
- पाकिस्तान आतंकियों को सुरक्षित कश्मीर से निकालना चाहता है

पहलगाम नरसंहार के षड्यंत्र और इसमें पाकिस्तान की भूमिका को पूरी तरह उजागर करने के लिए सुरक्षा व जांच एजेंसियां हमले में लिप्त आतंकियों को यथासंभव जिंदा पकड़ने पर जोर दे रही हैं। इस बीच, एनआईए ने अभी तक मिले सबूतों और नरसंहार के प्रत्यक्षदर्शियों के दर्ज बयानों व संदिग्ध एवं पकड़े गए ओवरग्राउंड वर्करों से पूछताछ में मिली जानकारी का आकलन शुरू कर दिया है। अभी तक जुटाई गई जानकारी के आधार पर कहा जा रहा है कि नरसंहार से पहले और बाद में आतंकियों ने पाकिस्तान में बैठे अपने हैंडलरों के साथ संपर्क किया है।

आतंकियों द्वारा इस्तेमाल किए गए सैटेलाइट फोन का ब्यौरा जुटाने के लिए विदेशी विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह हमला लश्कर-ए-तैयबा ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर ही किया है।

आतंकी कश्मीर में ही छिपे...

पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों के अभी कश्मीर में ही छिपे होने की संभावना है। इंटेलिजेंस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि आतंकी अभी भी दक्षिण कश्मीर के जंगलों में छिपे हैं। उनके पास राशन-पानी है, ऐसे में ये इन पहाड़ी इलाकों में लंबे समय तक रह सकते हैं। इस बीच, अमेरिका की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी प्रधानमंत्री मोदी को पूरा समर्थन देने की बात कही है। गौरतलब है कि भारत-पाक सीमा के फॉरवर्ड पोस्ट्स पर पाकिस्तान ने सेना तैनात कर दी हैं। इसमें चीन से मिली तोपें भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका से अपील की है कि वह भारत पर जिम्मेदारी से पेश आने और बयानबाजी कम करने का दबाव बनाए। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से शरीफ ने यह भी कहा कि भारत के उकसाने वाले रवैया से क्षेत्रीय हालात बिगड़ सकते हैं।

बिलावल ने आतंकियों से साठ-गांठ कबूली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की बौखलाहट जगजाहिर हो गई है। आए दिन उसके नेता कोई न कोई बड़बोलापन दिखा रहे हैं। पहले उनके रक्षा मंत्री और अब उनके पूर्व विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के आतंक का पनाहगार होने की बात कबूल ली है। पहलगाम हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की निर्मत हत्या कर दी थी। पाकिस्तान की ओर से पोषित आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा ने इस हमले की साजिश रची थी। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने खुद कबूल कर लिया है कि उनके मुल्क के आतंकी समूहों के साथ संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अतीत रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान के दहशर्तगर्दों के साथ संबंध रहे हैं। यह कबूलनामा उनके रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की आतंकवादी समूहों को समर्थन और वित्त पोषण में पाकिस्तान की संलिप्तता को स्वीकार करने के बाद सामने आया है। बिलावल ने आतंकवाद के साथ पाकिस्तान के इतिहास को स्वीकार करते हुए दावा किया कि इसका देश को नुकसान उठाना पड़ा है।

भारत के खौफ से पीओके में इमरजेंसी जैसे हालात

पाक अधिकृत कश्मीर में भारत की संभावित सैन्य कार्रवाई की आशंका के बीच हडकंप मचा हुआ है। पीओके के प्रधानमंत्री चौधरी अनवर-उल-हक ने संकेत दिए कि यदि हालात बिगड़े तो क्षेत्र में आपातकाल लागू किया जा सकता है। सुरक्षा स्थिति को देखते हुए नीलम घाटी और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के निकटवर्ती संवेदनशील इलाकों में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। वहीं, धार्मिक मदरसों को 10 दिन के लिए बंद करने का आदेश दिया गया है। पीओके सरकार ने दावा किया है कि भारत की आक्रामकता की स्थिति में भोजन, दवाओं और अन्य जरूरी चीजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने की पूरी तैयारी कर ली गई है। आपातकालीन फंड में एक अरब रुपये ट्रांसफर कर दिए गए हैं। साथ ही, होटल, गेस्टहाउस और शादी हॉल के मालिकों ने अपनी संपत्तियां सेना को देने की पेशकश की है। अधिकारियों ने नीलम घाटी और एलओसी के पास अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी।

मप्र में फिर भर्ती घोटाला: 97 पर्सेंटाइल वाले बेरोजगार, 51 वाले को मिली नौकरी

जबलपुर, ईएमएस। मध्यप्रदेश में एक बार फिर प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं। व्यापमं के बदले नाम से पहचाने जा रहे मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 के बाद जो चयन सूची जारी की, उसने मेधावी अभ्यर्थियों को हिला कर रख दिया है। आरोप है कि 97 पर्सेंटाइल जैसे उच्च अंक लाने वाले उम्मीदवारों को न तो मेरिट में जगह मिली और न ही नियुक्ति, जबकि महज 51 पर्सेंटाइल लाने वाले संविदा कर्मियों को नियुक्त कर लिया गया। इस धांधली की आग जबलपुर से उठी, जहां की छात्रा नंदिनी नामदेव ने 97.17 पर्सेंटाइल अंक लाकर भी डायलिसिस अटेंडेंट पद पर नियुक्ति से वंचित रह गईं। चौंकाने वाली बात ये है कि नंदिनी का नाम मेरिट सूची तक में नहीं है।

संविदा वाले ही चाहिए थे तो परीक्षा क्यों करवाई?

नंदिनी ही नहीं, हजारों अभ्यर्थी इस बात को लेकर आक्रोशित हैं कि यदि नियुक्ति केवल संविदा कर्मचारियों को ही देनी थी, तो ऐसी परीक्षा आयोजित कर लाखों युवाओं के समय, मेहनत और पैसों से खिलवाड़ क्यों किया गया? परीक्षा शुल्क से लेकर तैयारी तक में युवाओं ने महीनों झोंक दिए, और अब उन्हें खुद को ठगा महसूस हो रहा है।

पद सीमित, प्रतियोगी लाखों - फिर भी पारदर्शिता गायब

ईएसबी द्वारा आयोजित इस परीक्षा में नर्सिंग ऑफिसर, स्टाफ नर्स के 55, फार्मासिस्ट ग्रेड 2 के 103, लैब टेक्नीशियन के 323, रेडियोग्राफर के 76, ओटी टेक्नीशियन के 144, ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट के 5, ऑप्टोमेट्रिस्ट के 11, प्रोस्थेटिक एंड ऑर्थोटिक टेक्नीशियन के 3, स्पीच थेरेपिस्ट के 4, रेडियोथेरेपी टेक्नीशियन के 3, ऐनेस्थिसिया टेक्नीशियन के 7, ईईजी टेक्नीशियन के 1, सीएसएसडी टेक्नीशियन के 6 और लैब अटेंडेंट के 129 पद थे। इन पदों के लिए 26 नवंबर 2024 को आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई जिसकी अंतिम तिथि 10 दिसंबर 2024 थी। अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों से 500 रुपए, एवं अन्य अभ्यर्थियों से 250 रुपए का शुल्क लिया गया। परीक्षा 10 जनवरी 2025 को दो पालियों में आयोजित हुई थी। इन पदों पर चयन के लिए मेरिट और योग्यता का दावा करने वाला विभाग अब सवालों के घेरे में है, क्योंकि वास्तविक टॉपर बाहर हैं और कम अंक वालों को नियुक्त किया गया है - वो भी केवल इस आधार पर कि वे पहले से संविदा पर कार्यरत थे।

घोटाला

क्या ईएसबी बन रहा व्यापमं-2.0?

व्यापमं घोटाले की कालिख आज भी प्रदेश की राजनीति और प्रशासन से पूरी तरह धुली नहीं है। ऐसे में अब ईएसबी पर भी पैटर्न वही, नाम नया वाला आरोप लगने लगा है। भर्ती में अपारदर्शिता, मेरिट की अनदेखी और चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाने जैसे आरोप फिर से उभर आए हैं।

अब क्या करेंगे अभ्यर्थी?

कई छात्रों ने आरटीआई लगाने, कोर्ट में याचिका दायर करने और आंदोलन छेड़ने की तैयारी कर ली है। वे चाहते हैं कि पूरा चयन प्रोसेस सार्वजनिक किया जाए, मेरिट सूची स्पष्ट हो और हर पद के चयन का आधार बताया जाए।

साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की जमानत के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट बोला...

आगे विचार की जरूरत नहीं... एनआईए मई में सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली, ईएमएस। भाजपा की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की जमानत के खिलाफ याचिका पर सुनवाई रुक गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि, ट्रायल कोर्ट में फैसला आने वाला है और आगे विचार की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने नोट किया कि एनआईए कोर्ट ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में फैसला सुरक्षित रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को निसार अहमद हाजी सईद बिलाल, विस्फोट पीड़ितों में से एक के पिता द्वारा 2017 में दायर एक विशेष अनुमति याचिका का निपटारा किया है। याचिका में 2008 के मालेगांव विस्फोटों में आरोपी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को जमानत देने वाले बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई की। वरिष्ठ अधिवक्ता एजाज मजबूल (निसार के लिए) ने बताया कि साध्वी को 25 अप्रैल, 2017 को हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत को रद्द करने की मांग करते हुए एसएलपी दायर की गई थी, जिसमें कहा गया था कि मामले में उनके खिलाफ कोई प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता है। वकील ने सुझाव दिया कि, एनआईए कोर्ट ने मालेगांव धमाकों में लगभग 16 साल की अवधि के बाद अब सुनवाई पूरी कर ली है, इसलिए कोर्ट इस मामले का निपटारा कर सकता है।

2017 में प्रज्ञा समेत सातों आरोपियों को जमानत मिली

अप्रैल 2017 बॉम्बे हाईकोर्ट ने सातों आरोपियों को जमानत दे दी थी। इस दौरान प्रज्ञा को पांच लाख रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दी गई थी। तब कोर्ट ने कहा था कि साध्वी के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता। कोर्ट ने यह भी कहा था कि साध्वी प्रज्ञा एक महिला हैं और आठ साल से ज्यादा समय से जेल में हैं। उन्हें ब्रेस्ट कैंसर है और वो कमजोर हो गई हैं, बिना सहारे चलने में भी लाचार हैं।

8 मई को फैसला हो सकता है

प्रज्ञा ठाकुर की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि 8 मई को फैसला सुनाया जा सकता है और सभी आरोपियों को कोर्ट में मौजूद रहने को कहा गया है। इस बीच, जिस जज ए.के. लाहोटी की बेंच में यह मामला चल रहा है, उनका तबादला प्रस्तावित है, लेकिन हाईकोर्ट ने उन्हें 31 अगस्त तक वहीं बने रहने की अनुमति दी है, ताकि वे फैसला सुना सकें।

मालेगांव ब्लास्ट केस में आरोपी हैं प्रज्ञा

भोपाल की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर 2008 के मालेगांव ब्लास्ट केस में आरोपी हैं। 29 सितंबर, 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव में हुए बम विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत

नई दिल्ली, ईएमएस। देशभर में मौसम ने करवट ली है। दिल्ली-एनसीआर, यूपी और छत्तीसगढ़ में गुरुवार रात आंधी-बारिश और बिजली-पेड़ गिरने की घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश में 4-4 और छत्तीसगढ़ में 2 लोगों ने जान गंवाई है। दिल्ली-एनसीआर से अभी भी तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चल रही है। यहां निचले इलाकों में जलभराव हो गया है। दिल्ली एयरपोर्ट से 100 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले हो गई हैं। 3 को डायवर्ट भी करना पड़ा। साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में ओले-बारिश का दौर जारी है। पिछले 6 दिन प्रदेश के आधे हिस्से में मौसम बदला हुआ है। कहीं तेज आंधी-बारिश हो रही है तो कहीं ओले भी गिर रहे हैं। ग्वालियर में भिंड में शुक्रवार सुबह से तेज हवा के साथ बारिश हुई।

मप्र में अगले 4 दिन बारिश, ओले भी गिरेंगे

डॉक्टर डेथ को अब छग पुलिस ले गई

पूर्व विधानसभा स्पीकर मौत मामले में भी फर्जी हार्ट स्पेशलिस्ट नरेंद्र यादव अरेस्ट

भोपाल, ईएमएस। छत्तीसगढ़ पुलिस ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ला की मौत के मामले में मप्र की जेल से फर्जी हृदय रोग विशेषज्ञ नरेंद्र यादव उर्फ नरेंद्र जॉन कैम को गिरफ्तार किया है। यादव ने 2006 में बिलासपुर के एक बड़े प्राइवेट अस्पताल में शुक्ला का ऑपरेशन किया था, जिसके बाद पूर्व अध्यक्ष की मृत्यु हो गई थी। फर्जी हृदय रोग विशेषज्ञ को इससे पहले दमोह के एक अस्पताल में सर्जरी के बाद सात मरीजों की मौत के मामले में गिरफ्तार किया गया था। वह वहां की जेल में बंद था।

बिलासपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने बताया कि नरेंद्र यादव उर्फ नरेंद्र जॉन कैम को गुरुवार को दमोह जिला जेल से हिरासत में लिया गया था और दोनों राज्यों की अदालतों से आवश्यक आदेश प्राप्त करने के बाद शुक्रवार बिलासपुर ले जाया गया। बता दें कि कोटा विधानसभा क्षेत्र से तत्कालीन कांग्रेस विधायक शुक्ला की अगस्त 2006 में बिलासपुर के एक बड़े प्राइवेट अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। उन्होंने 2000 से 2003 तक छत्तीसगढ़ विधानसभा के पहले अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था, जब मध्य प्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ राज्य बना था। पूर्व अध्यक्ष के बेटे प्रदीप शुक्ला ने हाल ही में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि जब उनके पिता को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तब यादव उस अस्पताल से जुड़े थे।

केदारनाथ धाम के कपाट खुले

देहरादून, ईएमएस। केदारनाथ धाम के कपाट शुक्रवार को खोल दिए गए। कपाट खुलते ही भक्तों ने मंदिर के अंदर जलती अखंड ज्योति के दर्शन किए। इसके बाद रुद्राभिषेक, शिवाष्टक, शिव तांडव स्तोत्र और केदाराष्टक के मंत्रों का जाप किया गया। मंदिर में सबसे पहले कर्नाटक के वीरशैव लिंगायत समुदाय के मुख्य रावल भीमशंकर पहुंचे। इसके बाद बाबा पर 6 महीने पहले चढ़ाया गया भीष्म शृंगार हटाया गया। मंदिर को 54 किस्म के 108 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। इसमें नेपाल, थाईलैंड और श्रीलंका जैसे विभिन्न देशों से लाए गए गुलाब और गेंदा के फूल शामिल हैं।

इंटरनेशनल एनजीओ रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की रिपोर्ट में खुलासा

प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भारत 151वीं रैंकिंग पर...

● पेरिस, ईएमएस

पेरिस स्थित इंटरनेशनल एनजीओ रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की 2025 के वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भारत को 180 देशों में 151वीं रैंकिंग पर रखा गया है। इस लिस्ट में पिछले साल भारत की रैंकिंग 159 थी। इंडेक्स में इरीट्रिया सबसे निचले पायदान पर और नॉर्वे पहले पायदान पर है। भूटान, पाकिस्तान, तुर्किये, फिलिस्तीन, चीन, रूस, अफगानिस्तान, सीरिया और उत्तर कोरिया को भारत से नीचे रखा गया है।

इंटरनेशनल एनजीओ रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स के आज तक के इतिहास में इकोनॉमिक इंडिकेटर अपने सबसे निचले स्तर पर है। दुनिया भर का मीडिया फंडिंग की कटौती से जूझ रहा है। इंफर्मेशन के संसाधनों पर गूगल, एपल, फेसबुक, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी टेक कंपनियों के दबदबे की वजह से मीडिया को और ज्यादा आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पहले जो विज्ञापन मीडिया आउटलेट्स को मिलते थे अब उनका एक बड़ा हिस्सा इन टेक प्लेटफॉर्म्स को मिल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई देशों में मीडिया पर पॉलिटिकल नेताओं का कंट्रोल है। लेबनान, भारत, आर्मेनिया और बुल्गारिया जैसे देशों में मीडिया आउटलेट्स नेताओं और बिजनेसमैन से मिलने वाली सशर्त फंडिंग की वजह से अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं।

अमेरिका की रैंकिंग 2 पायदान फिसली

रिपोर्ट में कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद अमेरिका में प्रेस की स्थिति में गिरावट आई है। इंडेक्स में अमेरिका 57वें पायदान पर है, जबकि पिछले साल उसकी रैंकिंग 55 थी। वो 42 देश, जहां दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी रहती है वहां प्रेस की स्थिति बहुत गंभीर है। इन देशों में प्रेस को लगभग न के बराबर आजादी है। यहां पत्रकारिता करना खतरे से खाली नहीं है।

गाजा जंग में 200 से ज्यादा पत्रकारों की मौत...

रिपोर्ट में करीब 18 महीने से जंग से जूझ रहे फिलिस्तीन को 163वें पायदान पर रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा में इजराइली सेना ने कई न्यूजरूम को पूरी तरह तबाह कर दिया है। 2023 में लड़ाई शुरू होने के बाद से अब तक गाजा में 200 से ज्यादा पत्रकार मारे जा चुके हैं। दूसरी तरफ चीन और वियतनाम जैसे देशों में मीडिया पर सरकार का या फिर सरकार के जुड़े संगठनों का कंट्रोल है। जो लोग स्वतंत्र पत्रकारिता करते हैं उन्हें लगातार खतरे का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ विदेशी मीडिया संस्थानों को किसी भी समय ब्लैकलिस्ट कर दिया जाता है।

पाक रेडियो पर भारतीय गानों को नहीं बजाने का आदेश

मुंबई, ईएमएस। पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में पाकिस्तान के खिलाफ रोष फूट पड़ा है। भारत सरकार ने हमले की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। भारत के इस एक्शन से पाकिस्तान तिलमिला उठा है और तनाव के बीच पाकिस्तान ने अपने रेडियो स्टेशनों से भारतीय गानों को पूरी तरह हटाने का फैसला किया है।

इंडोनेशिया का इस्लाम आतंकी हमलों की शिक्षा नहीं देता

जकार्ता, ईएमएस। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पूरी दुनिया निंदा कर रही है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने यहां तक कह दिया कि हमारे यहां का इस्लाम आतंकी हमलों की शिक्षा कतई नहीं देता। उन्होंने कहा कि हम इस आतंकी हमले से निपटने में भारत के साथ हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी तरह के आतंकवाद से कोई नतीजा नहीं निकल सकता है।

फटाफट खबरें

ईरानी विदेश मंत्री अगले हफ्ते भारत दौरे पर

नई दिल्ली, ईएमएस। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची अगले सप्ताह भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। इस संभावित दौरे को भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक अराघची 8 मई को नई दिल्ली पहुंच सकते हैं, हालांकि इस दौरे की आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं की गई है। नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि अराघची की विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक प्रस्तावित है। इसमें पहलगाम हमले के अलावा क्षेत्रीय सुरक्षा, आपसी सहयोग और पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों पर चर्चा की जाएगी।

नीरो ने ट्रांसजेंडर बेटी का किया समर्थन

वॉशिंगटन डीसी, ईएमएस। हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रॉबर्ट डी नीरो ने अपनी बेटी एयरिन डी नीरो के ट्रांसजेंडर के रूप में सामने आने पर प्रेम और समर्थन व्यक्त करते हुए एक भावनात्मक बयान जारी किया है। डी नीरो ने कहा, मैं ऐरन को अपने बेटे के रूप में प्यार करता था और अब एयरिन को अपनी बेटी के रूप में उतना ही प्यार करता हूं। मुझे नहीं समझ आता कि इसमें इतनी बड़ी बात क्या है। एक बातचीत के दौरान हॉलीवुड अभिनेता रॉबर्ट डी नीरो ने यह भी कहा, कि मैं अपने सभी बच्चों से प्यार करता हूं। डी नीरो के कुल सात बच्चे हैं, जिनमें एयरिन भी शामिल हैं।

मजदूरों पर गिरी बिजली, दो की मौत

फिरोजाबाद, ईएमएस। यूपी के फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद नानेमऊ रोड पर शुक्रवार सुबह मनरेगा के तहत कार्य कर रहे तीन मजदूरों के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गई जिससे दो की मौके पर मौत हो गई। बिजली गिरने से घायल मजदूर को अस्पताल में भर्ती कराया है। सिरसागंज पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह सड़क के किनारे काम कर रहे 35 वर्षीय सतेंद्र (35), विष्णु (25) और देवेंद्र कुमार सिंह (30) के ऊपर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। सत्येंद्र और विष्णु की मौके पर ही मौत हो गई और देवेंद्र घायल हो गया उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एनसीआर में गर्मी से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, ईएमएस। दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत रहेगी और मौसम खुशनुमा रह सकता है। लेकिन दिल्ली में बारिश से जलभराव और तेज हवा की वजह से पेड़-खंभे आदि उखड़ने के कारण मुश्किलों का भी सामना करना पड़ सकता है। शु वार के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है, तब आने वाले कुछ दिनों में आसमान में बादलों का डेरा रहेगा। कम से कम 8 मई तक तक मौसम गीला-गीला ही रहेगा है। भारतीय मौसम विभाग ने तेज बारिश और 50 की स्पीड से हवा चलने की आशंका जाहिर की है, इसकी शुरुआत सुबह से हुई।

दमिश्क में सीरियाई सुरक्षाकर्मी वहां प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच करते हुए। (फोटो-ईएमएस)

4 मई को फिट इंडिया संडे ऑन साइकल कार्यक्रम में शामिल होंगे डॉ. मनसुख मांडविया...

नई दिल्ली, ईएमएस। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 4 मई को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में आयोजित होने वाले फिट इंडिया संडे ऑन साइकल के विशेष संस्करण साइकलिंग विद टीचर्स में हिस्सा लेने वाले है। यह आयोजन देश भर के शिक्षकों, कोचों और शैक्षणिक मार्गदर्शकों के साथ किया जा रहा है, जो ÷फाइट ओबेसिटी÷ अभियान का हिस्सा है।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत चल रही यह पहल मोटापे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और फिटनेस महत्व देने में अहम भूमिका निभा रही है। दिसंबर 2024 से शुरू हुई राष्ट्रव्यापी साइकलिंग मुहिम में अब तक 5,000 से अधिक स्थानों पर दो लाख से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले चुके हैं। इस पहल की सराहना हाल ही में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी की। सात्विक ने कहा, आजकल लोग ज्यादा मोटरसाइकिल चलाते हैं, साइकल नहीं। ऐसे में यह मूवमेंट बहुत जरूरी है। मैं हाल ही में हैदराबाद गया और एक बच्चे की साइकल लेकर घूमने चला गया ! इस रविवार सुबह 7 बजे से शुरू होने वाले आयोजन में सांसद और लोकप्रिय भोजपुरी अभिनेता-गायक मनोज तिवारी भी उपस्थित रहने वाले है। इसके अलावा हाल ही में केवल 12 दिनों में माउंट अन्नपूर्णा (8,091 मीटर) फतह करने वाले पर्वतारोही नरेंद्र कुमार भी आयोजन की शोभा बढ़ाएंगे। मोटापे के बढ़ते संकट को भांपते हुए खेल मंत्रालय अपने फिट इंडिया अभियान को जन आंदोलन बनाने की कोशिश कर रहा है। इसके तहत मंत्रालय ने संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम शुरू किया है। इसमें लगातार युवा और लोग जुड़ रहे हैं। खेल मंत्री मनसुख मंडाविया भी खुद हर रविवार को इस साइकिल अभियान का हिस्सा बनते हैं। इस कार्यक्रम के तहत नागरिक समाज, खिलाड़ियों और प्रमुख सार्वजनिक हस्तियां और प्रमुख समूह रविवार को सुबह साइकिल चलाने के लिए भारत भर में विभिन्न स्थानों पर एकत्रित होते हैं और साइकिल चलाते हैं।

पीएम मोदी के साथ शशि थरुर और केरल सीएम आए नजर, प्रधानमंत्री बोले...

यह कार्यक्रम कई लोगों की नींद उड़ाने वाला...

विझिनजाम इंटरनेशनल डीप सी-वॉटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट का उद्घाटन किया

● तिरुवनंतपुरम, ईएमएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में ?8,900 करोड़ की लागत से बने विझिनजाम इंटरनेशनल डीप सी-वॉटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी मंच पर मौजूद रहे।

मंच साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक कटाक्ष करते हुए कहा, कि मुख्यमंत्री इंडिया गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं और शशि थरूर भी यहां हैं। यह कार्यक्रम कई लोगों की नींद उड़ाने वाला है। जहां मैसेज जाना था, वह चला गया है। प्रधानमंत्री ने इस पोर्ट को भारत की आर्थिक और समुद्री शक्ति का नया अध्याय बताया और कहा कि इससे देश में ट्रांस-शिपमेंट की क्षमता तीन गुना बढ़ेगी। मोदी ने बताया कि इस पोर्ट से बड़े कंटेनर जहाज अब सीधे भारत आ सकेंगे, जिससे व्यापार और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

विकास के नए द्वार खोल रहा भारत

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने बंदरगाहों और जल परिवहन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। सागरमाला और गति शक्ति जैसी योजनाओं के तहत हमने बंदरगाहों को आधुनिक बनाया है। अब भारत में सड़क, रेल, जल और हवाई मार्गों को जोड़ा जा रहा है। इससे निवेश बढ़ा है और व्यापार सुगम हुआ है।

केरल की ऐतिहासिक भूमिका

पीएम मोदी ने कहा कि केरल न केवल शांति और सहिष्णुता की भूमि है, बल्कि भारत के समुद्री वैभव का भी केंद्र रहा है। उन्होंने सेंट थॉमस चर्च और पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में भारत के राष्ट्रपति की मौजूदगी का उल्लेख करते हुए राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को नमन किया।

अमरावती में भी विकास की बयार

केरल से रवाना होकर पीएम मोदी शुक्रवार को ही आंध्र प्रदेश के अमरावती पहुंचे, जहां उन्होंने ?58,000 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने अमरावती कैपिटल सिटी प्रोजेक्ट के निर्माण कार्यों की दोबारा शुरुआत की।

शशि थरूर, बोले- अच्छा हुआ समय पर आ गया

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करने दिल्ली से केरल पहुंच गए। यहां पहुंच उन्होंने खुशी जाहिर की और कहा, कि अच्छा हुआ समय पर आ गया। दरअसल सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, दिल्ली एयरपोर्ट पर देरी के बावजूद मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर उनका स्वागत करने के लिए समय पर तिरुवनंतपुरम में उतरने में सफल रहा। मैं विझिनजाम बंदरगाह के आधिकारिक रूप से चालू होने का इंतजार कर रहा हूं। यह एक ऐसी परियोजना है जिसमें शुरू से ही शामिल होने पर मुझे गर्व है। एयरपोर्ट पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

सीएम विजयन ने बताया आधुनिक युग की शुरुआत

विझिनजाम बंदरगाह के उद्घाटन समारोह के दौरान केरल के सीएम विजयन ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि इस बंदरगाह का चालू होना आधुनिक युग की शुरुआत का प्रतीक है। केरल के लोगों की ओर से, मैं फिर प्रधानमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस ऐतिहासिक परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए हमारे राज्य का दौरा किया।

जम्मू-कश्मीर के पूर्वसीएम फारुख अब्दुल्ला ने केंद्र से कहा...

पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश मानवता के खिलाफ

जम्मू, ईएमएस। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दे दिया था। अब केंद्र के आदेश पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता फारुख अब्दुल्ला ने आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने केंद्र के फैसले की आलोचना कर अमानवीय और मानवता के खिलाफ बताया है, खासतौर पर उन लोगों के लिए, जिसमें लोग दशकों से भारत में शांति पूर्ण तरीके से रह रहे हैं।

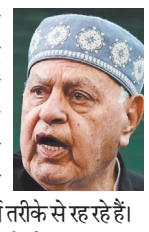

पूर्व सीएम ने दशकों से भारत में निवासरत नागरिकों के प्रति अपनी सहानुभूति जाहिर की। उन्होंने कहा, केंद्र द्वारा की गई यह कार्रवाई अच्छी नहीं है। यह मानवता के खिलाफ है। कई लोग हैं जो यहां पर 70 या 25 सालों से रह रहे हैं.. उनके बच्चे यहां पर ही हैं.. उन्होंने कभी भारत को नुकसान नहीं पहुंचाया.. हमेशा एक अच्छे नागरिक बनकर रहे हैं, उन्होंने खुद ही अपने आप को भारत के हवाले किया है, इसतरह के नागरिकों को वापस भेजना सही नहीं है। सीएम अब्दुल्ला ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि कल क्या होगा। आज, दो देश लड़ाई करने के लिए तैयार हो रहे हैं।

भारत पर हुए 10 लाख से ज्यादा साइबर अटैक

मुंबई, ईएमएस। पहलगाम आतंकी हमले के बाद महाराष्ट्र साइबर ने पाकिस्तान समेत कई देशों के हैकिंग गैंग की ओर से भारतीय सिस्टम पर 10 लाख से ज्यादा साइबर हमले दर्ज किए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि राज्य पुलिस की साइबर शाखा महाराष्ट्र साइबर ने पाया कि कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद डिजिटल हमले की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। महाराष्ट्र साइबर विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यशस्वी यादव ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत पर 10 लाख से ज्यादा साइबर हमले हुए।

नौशेरा और अखनूर में लगातार फायरिंग कर रहा पाक

जम्मू, ईएमएस। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान लगातार एलओसी पर फायरिंग कर रहा है। भारत भी कम नहीं है वो एक गोली चलाते हैं इधर से 10 गोलियां दागने में भारत पीछे नहीं रहता है। बीती रात भी पाकिस्तानी सेना ने सीजफायर उल्लंघन किया और फायरिंग कर दी, जिसका भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया। पाकिस्तान सेना ने एक बार फिर नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्षविराम का उल्लंघन करते हुए 1 मई की रात को जम्मू-कश्मीर के कई क्षेत्रों में छोटे हथियारों से गोलीबारी शुरू की। यह घटना कुपवाड़ा, बारामूला, पूंछ, नौशेरा और अखनूर क्षेत्रों में हुई, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। यह लगातार आठवीं रात थी जब पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम का उल्लंघन किया। इससे पहले 24 अप्रैल की रात से शुरू हुई इस तरह की घटनाओं में कुपवाड़ा और बारामूला से लेकर पूंछ, अखनूर, सुंदरबनी, नौशेरा और जम्मू के परगवाल सेक्टर तक गोलीबारी की खबरें आई हैं। भारतीय सेना के एक प्रवक्ता ने बताया, 1-2 मई की रात को पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने कुपवाड़ा, बारामूला, पूंछ, नौशेरा और अखनूर के सामने नियंत्रण रेखा के पार से बिना किसी उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी शुरू की। भारतीय सेना के जवानों ने भी तुरंत और माकूल जवाब दिया। इस गोलीबारी में तत्काल किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। इस बीच, भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच मंगलवार को हॉटलाइन पर बातचीत हुई, जिसमें भारतीय पक्ष ने पाकिस्तान को अकारण गोलीबारी के खिलाफ चेतावनी दी। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना को इन उकसावों के लिए सख्त चेतावनी दी गई है। नियंत्रण रेखा पर तनाव के बीच, कश्मीर घाटी में आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज कर दिया गया है। अनंतनाग, पुलवामा और शोपियां के इलाकों में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया है। सीमा क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है और नजदीकी कस्बों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने मोदी सरकार और बीजेपी पर बोला हमला

बीजेपी-संघ पहले गाली देंगे फिर हमारे ही एजेंडे को अपना मास्टरस्ट्रोक बताएंगे

पटना, ईएमएस। जातीय जनगणना के केंद्र सरकार के ऐलान के बाद इसका श्रय लेने की होड़ मच गई है। इस बीच बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव ने मोदी सरकार और बीजेपी पर हमला बोला है। सोशल मीडिया पोस्ट में तेजस्वी यादव ने लिखा- आरक्षण का मास्टरप्लान भी जारी कर दिया है।

उन्होंने कहा है कि आरएसएस और बीजेपी के लोग इस पर भी पहले गाली देंगे और फिर हमारे ही एजेंडे को अपना मास्टरस्ट्रोक बताने में जरा भी संकोच नहीं करेंगे। इससे पहले राजद के युवराज ने जातीय जनगणना के केंद्र सरकार के ऐलान को समाजवादियों खासकर लालू प्रसाद यादव की जीत करार दिया था। तेजस्वी ने आगे लिखा कि जातिगत जनगणना तो शुरुआत है, पिक्चर अभी बाकी है। इस बहाने उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए आरक्षण का अपना मास्टर प्लान भी सार्वजनिक कर दिया है। पिछड़ों/अति पिछड़ों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र बनाया जाएगा। पिछड़े, दलित और कमजोर वर्ग के लिए निजी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था, ठेकेदारी में कमजोर समाज के लोगों को आरक्षण, न्यायपालिका में आरक्षण का प्रावधान, मंडल कमीशन की शेष सिफारिशों को लागू करना, जातीय जनगणना की रिपोर्ट के आधार पर आबादी के अनुपात में आरक्षण की व्यवस्था की जाएगी। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाया जाएगा और राज्य को विशेष पैकेज दिलाया जाएगा। तेजस्वी ने केंद्र सरकार के साथ बीजेपी और आरएसएस को निशाना पर लिया और कहा कि उच्च मानसिकता के समता विरोधी संकीर्ण व नकारात्मक संघी, भाजपाई इस पर भी हमें गाली देंगे लेकिन बाद में हमारे ही एजेंडे को अपना मास्टर स्ट्रोक कहेंगे।

कचरा बीनने वाले को मिली व्हेल मछली की उल्टी, बेचने की कोशिश में धराया

यह दुर्लभ और बहुमूल्य पदार्थ, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 2.90 करोड़

अहमदाबाद, ईएमएस। अहमदाबाद सिटी क्राइम ब्रांच ने स्पर्म व्हेल की उल्टी यानी एम्बरग्रीस के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दुर्लभ और बहुमूल्य पदार्थ की मात्रा 2.904 किलोग्राम है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 2.90 करोड़ रुपए है। कचरा बीनते समय हनीफ को यह उल्टी मिली थी। भारत के वन्यजीव संरक्षण के तहत शुक्राणु व्हेल को संरक्षित प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है और उनका व्यापार अवैध है।

क्राइम ब्रांच ने सूचना के आधार पर आमिर शेख को सूरत से गिरफ्तार किया। उसके मोबाइल फोन पर स्पर्म व्हेल की उल्टी (एम्बरग्रीस) का वीडियो मिला था। क्राइम ब्रांच ने जांच की तो पता चला कि दमन के रहने वाले सहादत अली और सूरत के उस्मान शेख ने कमीशन के जरिए आमिर और उसके साथियों से एम्बरग्रीस बेचने की बात कही थी। इस आधार पर वे एक गिरोह के जरिए एम्बरग्रीस बेचने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने सूरत के उस्मान के घर की तलाशी ली और 2.904 किलोग्राम स्पर्म व्हेल की उल्टी जब्त की। बता दें व्हेल की उल्टी (एम्बरग्रीस) फ्रेंच शब्द एम्बर और ग्रीस से मिलकर बना है, जिसका मतलब होता है ग्रे एम्बर। इसे व्हेल की उल्टी कहा जाता है। यह कठोर मोम की तरह होता है, जो स्पर्म व्हेल के पाचन तंत्र में मौजूद आंतों में बनती है। एम्बरग्रीस अक्सर समुद्र में तैरते हुए पाया जाता है। कई बार यह समुद्र तटों पर लहरों के साथ बहकर भी आता है। इसके साथ ही ये मरी हुई व्हेल के पेट में भी पाया जाता है। इसे समुद्र का खजाना या फ्लोटिंग गोल्ड भी कहते हैं। यह चीन, जापान, अफ्रीका और अमेरिका के समुद्र तटों और बहामास जैसे ट्रॉपिकल आइलैंड्स पर सबसे ज्यादा मिलता है।

इजराइल ने सीरिया के राष्ट्रपति भवन के पास किया हमला, पहले दी थी चेतावनी

दमिश्क, ईएमएस। इजराइल की वायु सेना ने शुक्रवार को सीरिया के राष्ट्रपति भवन के पास मिसाइल दागे। इससे कुछ घंटे पहले सीरियाई अधिकारियों को चेतावनी दी गई थी कि वे दक्षिणी सीरिया में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के गांवों की ओर न जाएं। यह हमला दमिश्क के पास सीरियाई सरकार समर्थक बंदूकधारियों और ड्रूज अल्पसंख्यक समुदाय के लड़ाकों के बीच कई दिनों तक चली झड़पों के बाद हुआ। इन झड़पों में दर्जनों लोग मारे गए जा चुके हैं और कई घायल हुए हैं। शुक्रवार सुबह किया गया हमला इस सप्ताह इजराइल द्वारा सीरिया पर किया गया दूसरा हमला है। गुरुवार को सीरिया के ड्रूज़ आध्यात्मिक नेता शेख हिकमत अल-हिजरी ने अल्पसंख्यक समुदाय पर अनुचित नरसंहारक हमला कहकर सीरिया सरकार की कड़ी आलोचना की थी। इजराइली सेना ने कहा है कि लड़ाकू विमानों ने दमिश्क में राष्ट्रपति हुसैन अल-शरा के महल के क्षेत्र के पास यह हमला किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने किया अर्जेंट सुनवाई से इनकार, कहा- क्या कोर्ट केवल अमीरों के लिए रह गई?

नई दिल्ली, ईएमएस। गुजरात की एक रीयल एस्टेट और प्राइवेट रिजोर्ट मैनेजमेंट कंपनी की अर्जेंट सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि क्या कोर्ट केवल अमीरों के लिए रह गया है? जस्टिस दीपांकर दत्ता और मनमोहन ने इस मामले को अगस्त 2025 के लिए लिस्ट कर दिया है। वाइल्डवूड्स रिजोर्ट ऐंड रियल्टीज की तरफ से पेश हुए सीनियर वकील मुकुल रोहतगी से कोर्ट ने कहा कि क्या इस मामले की सुनवाई की कोई जल्दी है। बेंच ने कहा कि गुजरात हाईकोर्ट ने दिसंबर 2024 में ही इस मामले में अपना फैसला सुना दिया था। वहीं कंपनी ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इसके बाद भी वह अर्जेंट सुनवाई की मांग कर रही है। यह मुद्दा उतना अहम नहीं है जितना दिखाने की कोशिश की जा रही है। जस्टिस दत्ता ने कहा कि आपने सीजेआई के सामने जिस एजेंसी की बात की थी वह क्या थी? 11 दिसंबर को ही हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया था और आपने अप्रैल में एसएलपी फाइल की।

याचिका में यह नहीं बताया गया कि सुनवाई की जल्दी क्यों है। ऐसे में लगता है कि जैसे सुप्रीम कोर्ट अमीरों के लिए ही बचा है? आपका केस तो जनवरी 2026 में लिस्ट होना चाहिए। रोहतगी ने कोर्ट से कहा कि जुलाई में ही मामले की सुनवाई कर ली जाए हालांकि बेंच ने उनके इस निवेदन को अस्वीकार कर दिया। बाद में बेंच ने मामले की सुनवाई अगस्त 2025 में करने का फैसला किया है। बता दें वाइल्डवूड्स नेशनल पार्क के पास में एक रिजॉर्ट बनाना चाहता है। स्टेट बोर्ड ऑफ वाइल्डलाइफ ने यहां रिजॉर्ट बनाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद कंपनी हाईकोर्ट पहुंची थी। कंपनी ने हाईकोर्ट में कहा कि 2009 में ही उसने सरकार के साथ समझौता किया था। सरकार ने उसे इस प्रोजेक्ट के लिए मदद देने का आश्वासन दिया था।

उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा प्रमोशन हुआ, मीडिया इसे बर्खास्तगी के रुप में पेश कर रहा

राष्ट्रपति ट्रंप ने वॉल्ट्ज को सुरक्षा सलाहकार पद से हटाया

● वाशिंगटन, ईएमएस

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज को पद से हटाने और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत पद पर चुने जाने को प्रमोशन के रूप में पेश किया है। उन्होंने मीडिया पर आरोप लगाया है कि वह शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा पद से उनके हटने को बर्खास्तगी के रूप में पेश कर रहा है। वेंस ने कहा कि उन्हें संयुक्त राष्ट्र में राजदूत बनाया जा रहा है, जिसे निश्चित तौर पर सीनेट ने कंफर्म किया है।

उन्होंने कहा कि मीडिया इसे बर्खास्तगी के रूप में दिखा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने बहुत से लोगों को निकाला है, लेकिन वह उन्हें बाद में सीनेट द्वारा कंफर्म की गई नियुक्तियां नहीं देते हैं। उन्हें लगता है कि माइक वाल्ट्ज उस भूमिका में प्रशासन की बेहतर सेवा कर सकते हैं। वेंस ने कहा कि रक्षा सचिव पीट हेगसेथ की नौकरी सुरक्षित है, जब उनसे पूछा गया कि क्या राष्ट्रपति के वरिष्ठ अधिकारियों के पद पर और बदलाव होने वाले हैं तो उन्होंने कहा कि हमें पीट पर पूरा भरोसा है और इस बात पर जोर देने पर कि क्या यह कदम ट्रंप प्रशासन के शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ सिग्नल चैट में वाल्ट्ज की कार्रवाइयों का प्रत्यक्ष परिणाम था। वेंस ने कहा कि ऐसा नहीं है उन्होंने वाल्ट्ज राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में जाना एक तरह से हमारी प्रशासनिक शुरुआत थी, उन लोगों को निकाल दिया गया जो निष्ठाहीन थे और वास्तव में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को क्रियाशील बनाने के लिए सही लोगों का समूह लाए।

वेंस ने कहा कि हम अपने सभी नियुक्त किए गए लोगों के लिए लड़ते हैं। जब पूछा गया कि क्या ट्रंप सीनेट की पुष्टि प्रक्रिया के दौरान वाल्ट्ज के लिए लड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने इस संभावना से इनकार किया कि वाल्ट्ज के खिलाफ हाल ही में उठाया गया कदम सिग्नल-गेट में उनकी संलिप्तता से जुड़ा हो सकता है। आरोप है कि पूर्व एनएसए ने यमन में हूती विद्रोहियों पर ट्रंप की हमले की योजनाओं पर चर्चा करने वाले उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के चैट समूह में एक पत्रिका के संपादक को जोड़ा था। सिग्नल-गेट में यमन पर अमेरिकी हमले को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आई थी और इससे प्रशासन को शर्मिंदा होना पड़ा था। इसके बाद वाल्ट्ज जांच के दायरे में आ गए। पूर्व एनएसए ने कहा था कि वह इस प्रकरण की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। व्हाइट हाउस ने इस प्रकरण को एक गलती बताया, लेकिन उनका बचाव करते हुए कहा कि इस खुलासे से अमेरिकियों को कोई नुकसान नहीं हुआ। पेंटागन के महानिरीक्षक सिग्नल के उपयोग की जांच कर रहे हैं, और उन्हें डेमोक्रेट और कुछ रिपब्लिकन की आलोचना का सामना करना पड़ा है। वाल्ट्ज के लिए एक नई भूमिका की घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो अंतरिम भूमिका में वाल्ट्ज के कर्तव्यों को संभालेंगे और उन्होंने अमेरिका और दुनिया को फिर से सुरक्षित बनाने के लिए अथक संघर्ष करने की कसम खाई है।

एम्स भोपाल ने किया नेत्रदान जागरूकता अभियान का आयोजन

भोपाल (ईएमएस)। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में नेत्र रोग विभाग के अंतर्गत नेत्र बैंक ने दो दिवसीय नेत्रदान जागरूकता अभियान आयोजित किया। यह अभियान अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, ताकि नर्सिंग स्टाफ को नेत्रदान के महत्व के बारे में बताया जा सके। एम्स भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पखवाड़े के रूप में मनायी जा रही है।

राजधानी लोकल

योग का मूल संदेश है, वसुधैव कुटुंबकम् : आयुष मंत्री परमार

भोपाल (ईएमएस)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने जर्मनी के शांतिपूर्ण वातावरण में स्थित बाइड माइनबर्ग के योग विद्या आश्रम में आयोजित पांचवे यूरोपीय योग सम्मेलन एवं तीसरे विश्व योग महासम्मेलन के मंच यूरोपियन एवं वर्ल्ड योग कांग्रेस-2025 में वर्चुअली सहभागिता की। मंत्री श्री परमार ने महासम्मेलन में सहभागी योग एवं आध्यात्म नेतृत्वकर्ताओं, योग साधकों एवं उपस्थित जर्मनी के नागरिकों को वर्चुअली संबोधित किया।

फटाफट खबरें

बदमाश ने युवक पर तलवार से किया हमला

भोपाल (ईएमएस)। कमलानगर थाना इलाके में बदमाश असद, दादू, गौरव ने फरियादी दक्ष बुंदेला (18) पिता संजय बुंदेला पर शराब पीने के लिये पैसै देने की अड़ीबाजी की। युवक ने जब उनका विरोध किया तब बदमाशो ने उसके साथ मारपीट करनी शुरु कर दी। मारपीट के दौरान ही एक बदमाश ने उस पर तलवार से वार कर दिया। युवक ने तलवार के वार से बचने के लिये अपना हाथ आगे किया जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट आई है। हंगामा होता देख आसपास के लोगो को आता देख आरोपी उसे धमकी देते हुए वहॉ से फरार हो गए। बाद मं थाने पहुचें घायल की शिकायत पर बपुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया की आरोपी असद कमलानगर इलाके का निगरानी बदमाश है। उसके खिलाफ सात आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

फरार बदमाश और जुआरी अरशद अरेस्ट

भोपाल (ईएमएस)। टीलाजमालपुरा थाना पुलिस ने दो थानो से करीब तीन महीने से फरार कुख्यात बदमाश और जुआरी अरशद बब्बा के घर पर रेड मारते हुए उसे दबोच लिया है। उसकी टीला और हनुमानगंज पुलिस को तलाश थी। टीला थाना टीआई डी.पी.सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की अपराधो पर अकुंश लगाने और फरार वारंटियो की धडपकड को लेकर अभियान चलाया जा रहा है । इसी दौरान शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली कि फरार बदामाश अरशद उर्फ बब्बा अपने घर के पास कांग्रेसनगर मे जुआ खिला रहा है। खबर मिलते ही टीम ने मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी। कार्यवाही के दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर कई जुआरी वहॉ से भाग निकले। टीम ने जुआ खिला रहे कुख्यात बदमाश अरशद उर्फ बब्बा पिता इरशाद (36) निवासी कांग्रेसनगर थाना टीला जमालपुरा को घेराबंदी कर दबोच लिया। पुलिस ने बताया की बदमाश अरशद उर्फ बब्बा के खिलाफ थाना टीलाजमालपुरा में दर्ज महिला संबंधी मामले मे फरार होने के चलते गिरफ्तारी वारंट जारी।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल (ईएमएस)। अशोका गार्डन थाना इलाके में स्थित गौतम नगर झुग्गी में रहने वाले एक युवक ने बीती रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल कारणो का खुलासा नहीं हो सका है, जिसकी जॉच की जा रही है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार महामाई का बाग ऐशबाग में रहने वाले राजेंद्र भिलवाले पिता किशन लाल भिलवाले ने बताया की उनका छोटा भाई रोहित भिलवाले (30) गौतम नगर झुग्गी में रहते हुए निजी काम करता था। उसके पड़ोसी बबलू गिरी नामक युवक ने बीती रात करीब साढ़े 9 बजे राजेंद्र को फोन कर भाई रोहित के झुग्गी में फांसी लगाने की सूचना दी थी। खबर मिलने पर राजेंद्र फौरन ही गौतम नगर पहुंचे इसके बाद और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुचीं पुलिस ने शुरुआती कार्यवाही के बाद मामला कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

सर्जरी के बाद युवती की सदिंग्ध मौत

भोपाल (ईएमएस)। अयोध्या नगर इलाके में बायपास पर स्थित जिंदल अस्पताल में भर्ती एक युवती की बीती रात संदिग्ध हालत में मौत हो गई। गुरुवार को ही उसके घुटने की सर्जरी की गई थी, इसके बाद देर रात उसे दर्द की शिकातय होने पर जो इलाज किया गया उसके बाद ही अचानक उसकी मौत हो गई। परिवार वालो का आरोप है कि दो-तीन घंटे तक उन्हें अपने मरीज के पास जाने भी नहीं दिया गया। बाद में जब अस्पताल की ओर से युवती की मौत की खबर दी गई तब गुस्साये परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हांगामा कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए परिवार वालो को समझाइश दी। बाद में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मोबाइल लैपटॉप की जांच के बाद हो सकते हैं और खुलासे

टीआईटी कॉलेज दुष्कर्म मामला, 5 आरोपी गिरफ्तार, छठवें पर 10 हजार का इनाम

भोपाल(ईएमएस)।

भोपाल में टीआईटी कॉलेज छात्राओं से रेप कर उनके वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के मामले में आशोका गार्डन पुलिस ने मामले के पांचवे फरार आरोपी बिहार निवासी नबील खॉन को गिरफ्तार कर 6 दिनो के रिमांड पर लिया है। आरोपी एफआईआर दर्ज होने की भनक लगने के बाद पहले बिहार भाग गया था। लेकिन वह वहॉ नहीं रुका और पुलिस को चकमा देने के लिये दूसरे शहर निकल गया।

उसकी तलाश में जुटी टीम ने उसकी लास्ट लोकेशन मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) में ट्रेस की थी। नबील की गिरफ्तारी के बाद मामले के पांच आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। इनमें फरहान, साद, अली और साहिल शामिल हैं। वहीं, छठे आरोपी अबरार की तलाश में पुलिस की एक टीम बिहार में डेरा डाले हुए है, उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम भी घोषित किया गया है। सूत्रो के अनुसार अबरार की तलाश में पुलिस करीब दर्जन भर ठिकानों पर दबिश देने के साथ ही उसके कई रिश्तेदारों और दोस्तों से पूछताछ कर चुकी है। लगातार ठिकाने बदल रहे अबरार की लास्ट लोकेशन मुर्शिदाबाद में ट्रेस की गई थी। पकड़ाया गये आरोपी नबील को 5 मई तक रिमांड पर लेकर पुलिस पूछताछ के साथ ही उससे जप्त मोबाइल और लैपटॉप की जॉच भी करा रही है। गिरोह का मुख्य आरोपी फरहान नबील के कमरे का इस्तेमाल छात्राओं से रेप करने के लिए करता था। पुलिस फरहान को जेल भेज चुकी है। सोमवार को वकीलों के हमले के बाद उसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया था। पकड़ाया गया आरोपी नबील पुलिस को चकमा देने के लिये बंगाल से भोपाल आकर रह रहा था। उसे उम्मीद थी कि पुलिस उसकी तलाश बिहार और बंगाल में करेगी। लेकिन पुलिस को उसके भोपाल में छिपने की बात ध्यान में ही नहीं आयेगी।

दूसरी मंजिल से कूदने वाले युवक ने चार दिन बाद तोड़ा दम

भोपाल(ईएमएस)। पुराने शहर के शाहजहांनाबाद थाना इलाके में स्थित वाजपेयी नगर में जान देने के लिये दूसरी मंजिल से कूदने वाले युवक की चार दिन चले इलाज के बाद अस्पताल में मौत हो गई। बताया गया है की मृतक फोन पर किसी से बात कर रहा था, इसी दौरान गुस्से में आकर उसने जमीन पर पटककर फोन तोड़ा और भागकर छत पर पहुंचकर छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद आसपास के लोगों और उसके दोस्तों ने उसे बचाने की काफी कोशिशे की लेकिन वह उसे पकड़ नहीं सके। मामला दर्ज कर पुलिस आगे की जांच कर रही है। मृतक के परिचितों के अनुसार 21 वर्षीय महेश पिता अनिल 27 अप्रैल की रात करीब 12:30 बजे वाजपेयी नगर में ही दोस्तो के साथ था, गर्मी के दिनो में रात को उसके दोस्त क्रिकेट खेल रहे थे, जबकि पास में ही बैठा महेश किसी से फोन पर बात कर रहा था। बात करने के दौरान अचानक गुस्से में आकर उसने अपना मोबाइल जमीन पर फेंक दिया। फोन तोड़ने के बाद वह सीढ़ियों से भागते हुए दूसरी मंजिल की बालकनी पर पहुंचा और वहां से नीचे कूद गया।

भेल ठेका श्रमिक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल(ईएमएस)। शहर के गोविंदपुरा थाना इलाके में एक भेल ठेका श्रमिक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें शराब पीने की बुरी लत के चलते घर में पारिवारिक कलह की बात सामने आ रही है। मामला दर्ज कर पुलिस आगे की जांच कर रही है। थाना पुलिस के अनुसार गोविंदपुरा स्थित ई-सेक्टर में रहने वाला मृतक रोहित उर्फ सोनू खेरा पिता (42) पिता भरत नंदन खेरा भेल में ठेकेदारी में मजदूरी करता था। उसके परिवार में पत्नी सहित उसकी दो बेटियां भी है। बीती सुबह पिता को रोहित के फांसी लगाने की सूचना मिली जिसके बाद उन्होंने पुलिस को खबर दी। पिता ने पुलिस को बताया की वह भी पहले भेल में ठेका श्रमिक थे, वहां से वे रिटायर होने के बाद उन्होंने बेटे रोहित को वहां लगा दिया था। रोहित की शराब पीने की लत के कारण उसका घर में आये दिन विवाद होता रहता था। 18 अप्रैल को भी उसका माता-पिता और पत्नी के साथ विवाद हुआ। इसके बाद गुस्से में आकर पूरा परिवार बरखेड़ा पठानी में रहने वाले उसके साढू भाई के यहां चला गया था। आत्महत्या से एक दिन पहले रोहित पिता के पास गया और उनसे मोबाइल लेकर घर आ गया था। वही मोबाइल लेने जब उसके पिता घर पहुंचे तो उन्हें दरवाजा अंदर से बंद था।

चाबी बनाने के दौरान घर में घुसकर चोरी कर लिए सोने के जेवरात

भोपाल(ईएमएस)।

पिपलानी इलाके में स्थित भरत नगर में गाड़ी की चाबी बनाने के लिये घर में घुसे बदमाशों ने काम के दौरान फरियादी से पीने के लिए पानी मांगा और मौका लगने पर भीतर घुसकर अलमारी में रखे सोने के जेवरात चोरी कर चंपत हो गए। पुलिस के अनुसार भरत नगर पिपलानी में रहने वाले भूपेन्द्र चौहान (57) ने अपनी शिकायत में बताया की वह प्राइवेट काम करते थे, लेकिन एक एक्सीडेंट के बाद से वह अधिकतर घर पर ही रहते हैं।

उनकी पत्नी प्राइवेट काम करती हैं। 30 अप्रैल को उनकी पत्नी काम पर गई थीं। सुबह करीब 12 बजे भूपेन्द्र को बाहर से चाबी बनाने वाले की आवाज आई। बाहर जाकर उन्होंने चाबी बनाने वाले वृद्ध और उसके साथ मौजूद युवक को बुलाया। दोनों सिर पर पगड़ी बांधे हुए थे। भूपेन्द्र ने उन्हें अपनी स्कूटर की चाबी बनाने के लिए बातचीत की। सौदा तय होने पर वह चाबी बनाने लगे। इसी बीच एक आरोपी ने पीने के लिए पानी मांगा। भूपेन्द्र पानी लेने अंदर चले गए। उसी दौरान एक बदमाश भीतर घुसा और अलमारी में रखे सोने के जेवरात पार कर दिए। माल चोरी करने के बाद जालसाजों ने फरियादी के वाहन की चाबी बनाकर उन्हें दे दी। चाबी ठीक न बनने की बात कहने पर उन्होनें भूपेन्द्र से कहा की अभी उनके पास दूसरी चाबी नहीं है, वह इसे रख लें कल दूसरी चाबी लेकर आएंगे और एक और चाबी बना देंगे। बाद में भूपेन्द्र की पत्नी घर लौटी तो उन्होंने अलमारी खोलने का प्रयास किया। लेकिन अलमारी खुल नहीं रही थी। किसी तरह दंपति ने अलमारी खोली तो पता चला कि उसमें रखे जेवर गायब हैं। पत्नी ने जब भूपेन्द्र से पूछा तब पता चला कि चाबी बनाने वालों को घर में बुलाया था। अपने साथ ठगी का अहसास होने पर दंपति थाने पहुंचे शिकायत मिलने पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज पुलिस हुलिये के आधार पर उनकी तलाश कर रही है।

रंगदारी जमाने के लिए बदमाशों ने ऑटो चालक पर चाकू से किया हमला

भोपाल(ईएमएस)। जहांगीराबाद इलाके में रायसेन रोड स्थित सज्जाद पेट्रोल पंप के पास करोंद के एक बदमाश ने ऑटो चालक पर चाकू से जानलेवा हमला कर उसे घायल कर दिया। चाकू का वार से बचने की कोशिश में फरियादी के हाथ में दो-तीन जगह गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार बाग दिलकुशा में रहने वाला जावेद खान (35) ऑटो चलाता है। इससे पहले वह 80 फिट रोड पर चाय की दुकान का संचालन करता था। दो दिन पहले शाम करीब 7.30 बजे वह अपने ऑटो में पेट्रोल भरवाने रायसेन रोड स्थित सज्जाद पेट्रोल पंप पहुंचा था। साथ में उसका दोस्त सलमान भी था। बताया गया है की उसी समय दूसरे ऑटो में अपने साथियों के साथ करोंद का बदमाश अरबाज नाड़ा उर्फ बच्चा वहां आ धमका और गाली-गलौज करते हुए जावेद के साथ मारपीट करनी शुरु कर दी। विरोध करने पर बदमाश ने चाकू निकालकर उसके चेहरे और सिर पर वार किए।

लेकिन फरियादी ने अपने हाथ से चाकू के वार रोके जिससे उसका हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया। बाद में बदमाश उसे धमकी देते हुए फरार हो गये। इसके बाद जावेद इलाज के लिए अस्पताल और उपचार के बाद जहांगीराबाद थाने पहुंचा। पुलिस ने अरबाज नाड़ा और उसके साथी के खिलाफ चाकूबाजी का मामला दर्ज कर उनकी धरपकड़ के प्रयास शुरु कर दिये है।

मीडियाकर्मी से मारपीट कर लूट का प्रयास, बदमाश ने चाकू मारा

भोपाल (ईएमएस)। पिपलानी इलाके में स्थित गोपालनगर दीप मोहनी कॉलोनी के सामने एक मीडियाकर्मी के साथ देर रात बदमाशो ने मारपीट कर लूट का प्रयास किया गया। युवक ने साहस दिखाते हुए बदमाशों का मुकाबला किया इस बीच आरोपियों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। इससे उसे हाथ और सिर में चोट आई है। घायल का एम्स में इलाज चल रहा है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज लिया है। पुलिस के अनुसार, संजीव श्रीवास्तव एक निजी मीडिया संस्थान में पत्रकार हैं। 29 अप्रैल की देर रात 1.30 बजे वह काम के बाद घर जा रहे थे। जैसै ही वह गोपालनगर दीप मोहनी कॉलोनी के सामने पुलिया पर पहुंच, तभी मोपेड सवार दो बदमाशों ने उन्हें

अकेला देखकर रोक लिया। बदमाशो ने संदीप के साथ मारपीट कर उन्हें लूटने की कोशिश की। संदीप बदमाशों ने भिड़ गए। एक बदमाश ने चाकू निकालकर संदीप के पेट पर वार किया। संदीप ने हाथ से चाकू पकड़ लिया। इससे उनके हाथ में चोट आई। बदमाश ने फिर से चाकू से उनके सिर पर वार कर दिया जिससे उनके सिर से खून निकल आया। उन्हें लहूलुहान हालत में देख आरोपी वहॉ से भाग निकले। बाद में गंभीर रूप से घायल संदीप को इलाज के लिये एम्स में भर्ती कराया गया।

असली अपवित्रता हमारे मन, वाणी और व्यव्हार की अशुद्धि है: मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज

भोपाल (ईएमएस)। बाहर की अपवित्रता हमें नजर आती है, लेकिन असली अपवित्रता हमारे मन वाणी और व्यव्हार की अशुद्धि है,बाहर से हम कितने ही पूजा पाठ,वृत उपवास करलें, यदि हमारे अंदर काम, क्रोध, लोभ, मोह की दुरप्रवत्तियां पनप रही है, तो वंहा भावनाओं की सड़ांध होगी,और जंहा भावनाओं सड़ांध होगी वंहा हम स्वस्थ नही रह सकते उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने अवधपुरी में चल रही प्रवचन श्रंखला में व्यक्त किये। मुनिसंघ प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया मुनि श्री के दिव्य बचन प्रतिदिन नकारात्मक शव्दों पर चल रहे है मुनि श्री ने अपवित्रता विषय पर दिव्य बचनों के माध्यम से कहा कि मन वाणी और व्यवहार की अपवित्रता को पहचान कर उसे दूर

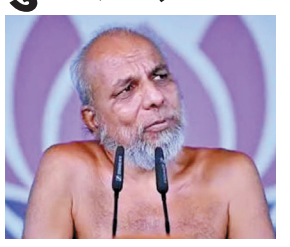

करने का पुरुषार्थ करना चाहिये, मुनि श्री ने कहा कि तन की अपवित्रता तो बाहर के जल से साफ हो सकती है, लेकिन मन की अपवित्रता को दूर करने के लिये पवित्र भावनायोग करना होगा जिससे मन में विद्वेष, वासना, लोभ, ईष्या, वैमनस्य, छल, कपट को नष्ट किया जा सके मुनि श्री ने कहा कि विक्रतियां हम पर हांवी रहेंगी तब तक हम स्वस्थ जीवन जीने के आधिकारी नहीं बन सकते,उन्होंने कहा कि मन की आसक्ति और लिप्सा को मिटाने के लिये हमें नियमित भावनायोग का अभ्यास करना चाहिये। उन्होंने कहा कि भावनायोग में जैसा हम चाहते हैतथा महसूस करते है बैसा ही हमारा जीवन वन जाता है मनोविज्ञान कहता है कि आपके द्वारा देखने,सुनने और महसूस करने वाली सभी घटनाएं और संस्कार हमारे अवचेतन मन में अंकित हो जाती है, और यही अवचेतन मन हमारे चेतन मन से प्रकट होकर हमारे व्यक्तित्व में ढल जाता है, उन्होंने कहा मन को अपवित्र करने वाले संसर्ग से बचिये। समस्या के कारण का निवारण हो जाऐगा तो समस्या भी हल हो जाऐगी। मुनि श्री ने कहा कि शरीर की अशुचिता और आत्मा की पवित्रता के भेद को समझना होगा,तव तक हमारी आत्मा अपवित्र रहेगी तबतक हमारे अंदर पवित्रता नहीं आ सकती।

53 जिलों को अब भी नल-जल योजना पूरी होने का इंतजार

दो साल में एक भी जिला नहीं बन सका नल- जल प्रमाणित

भोपाल,ईएमएस। प्रदेश में जल जीवन मिशन का काम गति नहीं पकड़ पा रहा है। इसकी वजह से लोगों को नल से जल नहीं मिल पा रहा है। ठेकेदार और अफसर मौज काट रहे हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों के लोग गर्मी के मौसम में पानी के लिए भटक रहे हैं। यह हाल उस योजना के हैं, जिसे छह साल पहले लागू किया गया था। हालत यह हैं कि इस योजना को इस साल के अंत तक पूरा करना है, लेकिन जिस तरह से काम हो रहा है, उससे लग रहा है कि अभी इसे पूरा होने में दो से तीन साल और लग सकते हैं। वैसे भी प्रदेश का रिकार्ड है कि नब्बे फीसदी काम तय समय से कई सालों बाद ही पूरे होते हैं। फिर यह काम राजधानी में ही क्यों न हो रहे हों। प्रदेश में यह ऐसी योजना है , जिसको लेकर सदन में सत्ता और विपक्ष दोनों के सदस्य एक साथ सरकार को घेर चुके हैं।

55 जिलों वाले मप्र में दो साल पहले दो जिलों को जल प्रमाणित जिला घोषित किया गया था, इसके बाद से एक भी जिला जल प्रमाणित घोषित नहीं हो सका है। जुलाई, 2022 में सबसे पहले बुरहानपुर को हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित किया गया। इसके 11 महीने बाद जून, 2023 में निवाड़ी प्रदेश का दूसरा हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित हुआ। निवाड़ी को हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित हुए इस माह दो साल पूरे हो जाएंगे।

केंद्रीय योजनाओं के संचालन के लिए मोदी सरकार ने खोला पिटारा

मप्र को विकास के लिए मिलेंगे 68519 करोड़

भोपाल,ईएमएस। मप्र में डबल इंजन की सरकार का असर दिख रहा है। प्रदेश में तेज गति से विकास हो रहा है। मप्र में केंद्रीय योजनाओं के संचालन के लिए बड़ी राशि मिलने वाली है। इसी कड़ी में केंद्रीय योजनाओं के संचालन के पीएम मोदी ने मप्र के लिए पिटारा खोला है। पीएम ने कुल 68519.05 करोड़ रुपए खर्च का फैसला किया है। केंद्र सरकार 44255.33 करोड़ रुपए देगी और 24263.71 करोड़ रुपए राज्य सरकार के अंश के शामिल होंगे। मोदी सरकार ने डॉ. मोहन सरकार को 28 अप्रैल तक की स्थिति में 283.46 करोड़ रुपए दे भी दिए है। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लिए मप्र को दी जाने वाली राशि के प्रावधानों की घोषणा कर दी है। चालू वित्त वर्ष में केंद्र ने मोहन यादव सरकार को करीब आठ हजार करोड़ रुपए अधिक देने का फैसला किया है। मप्र सरकार को अगले वर्ष 31 मार्च तक इसका भुगतान किया जाएगा। गौरतलब है कि वर्ष 2024-25 में मोदी सरकार ने केंद्रीय बजट में मप्र की मोहन सरकार को 37652 करोड़ रुपए देने का प्रावधान किया था। लेकिन तब 16155 करोड़ रुपए कम मिले थे और एमपी के हिस्से में 21497 करोड़ रुपए ही आए थे। अब चालू वित्त वर्ष में पिछले बजट से अधिक राशि की घोषणा के बाद मप्र में विकास कार्यों में और तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। 4 विभाग ऐसे हैं जिनके लिए शून्य बजट का प्रावधान किया गया है। ऐसे विभागों में पर्यटन, संस्कृति, वित्त और भोपाल गैस त्रासदी, राहत तथा पुनर्वास विभाग शामिल हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग को इस साल कोई बजट नहीं मिलेगा। पिछले वित्त वर्ष में मोहन सरकार ने लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग को मर्ज करने का फैसला लिया था।

जरूरतमंद किसानों को अब सरकार निजी तालाब बनाकर देगी

टेक्निकल सर्वे के साथ खर्चा भी उठाएगी 100 जमीनों पर शुरू हुआ निर्माण

भोपाल,ईएमएस। जलसंवर्धन के साथ-साथ अब मध्यप्रदेश सरकार जरूरतमंद किसानों के हित में एक नई पहल कर रही है। इंदौर जिले में 500 से अधिक किसानों को सरकार निजी तालाब बनाकर देगी। 100 से अधिक जमीनों के चिन्हांकन के साथ सैकड़ों तालाबों का निर्माण कार्य शुरू किया जा चुका है। अब किसान खुद के तालाब से ही अपना खेत सींच सकेगा।

तेजी से बढ़ते भूजल स्तर को बढ़ाने और फसलों की उर्वरता को बढ़ाने के लिए सरकार जरूरतमंद किसानों के खेतों में न केवल खुद तालाब खोदकर देगी, बल्कि इसकी टेक्निकल सर्वे के साथ आने वाले खर्चे का वहन भी करेगी। जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि नरेगा के अंतर्गत पूर्व मे बनाए गए बलराम तालाबों की तर्ज पर एक और पहल की जा रही है।

पश्चिम मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:- **(1) निविदा संख्या:** विद्युत-सा.-भो.-नि.-26-2025 **कार्य का नाम:** गंज बासौदा के माल शेड को बरेठ में स्थानांतरित करना। (विद्युत कार्य) **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 04 माह **अनुमानित लागत:** ₹ 6658627.42/- **अग्रिम राशि:** ₹ 133200/- **निविदा बंद होने की तिथि व समय:** 19.05.2025, 11.00 बजे **(2) निविदा संख्या:** विद्युत-सा.-भो.-नि.-27-2025 **कार्य का नाम:** निशातपुरा में प्रस्तावित ROB के कारण विद्युत आपूर्ति व्यवस्था एवं संबंधित कार्यों का प्रावधान। (विद्युत कार्य) **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 माह **अनुमानित लागत:** ₹ 5399304.83/- **अग्रिम राशि:** ₹ 108000/- **निविदा बंद होने की तिथि व समय:** 22.05.2025, 11.00 बजे. संपूर्ण निविदा प्रपत्र तथा निविदा से संबंधित पूर्ण जानकारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं निविदा सूचना अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है। निविदा/निविदाएं हेतु मैन्युअल ऑफर स्वीकार नहीं है तथा ऐसा कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उसे मान्य नहीं किया जाएगा। इस निविदा में आवश्यक संशोधन यदि लागू हो तो वेबसाइट पर लोड कर दिया जाएगा तथा ऐसे संशोधन कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी लगाएं जाएंगे जिसे निविदा बंद होने के समय तक देखा जा सकता है। यदि निविदा की लागत राशि 50 लाख रूपये से अधिक है, तब पात्रता मानदंड जीसीसी के पैरा 10 के अनुसार लागू होगा। निविदा में भाग लेने से पहले ठेकेदार इस शर्त को पढ़ लें। इसके लिए ठेकेदार द्वारा दस्तावेज आई आई पी एस वेबसाइट पर अपलोड किए जाने चाहिए। अपलोड किए गए दस्तावेजों को ही निविदा को अंतिम रूप देने के लिए विचार किया जाएगा। इसका संक्षिप्त विवरण भी निविदा के साथ संलग्न विशेष शर्त में दिया गया है।
वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य)
मं.रे.प्र. कार्यालय पश्चिम मध्य रेल, भोपाल
रानी कमलापति स्टेशन के समीप
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

तापमान में बहुत बढ़ोतरी और कमी दोनों ही आंखों के लिए खतरनाक

अस्पतालों में बढ़ रहे हैं आंखों में संक्रमण वाले मरीज

भोपाल,ईएमएस।

राजधानी भोपाल के कई अस्पतालों में पिछले कुछ दिनों से आंखों में संक्रमण, दर्द-जलन, चुभन और लालिमा जैसी समस्या वाले मरीजों की संख्या काफी तेजी से बढ़ी है। प्राप्त हो रही जानकारियों के मुताबिक बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उम्र के लोग इस तरह की दिक्कतों का शिकार देखे जा रहे हैं। हमीदिया और जेपी अस्पताल सहित शहर के अन्य अस्पतालों से मिल रही खबरों के मुताबिक आंखों की समस्या वाले रोगियों की संख्या में एक महीने में इजाफा हुआ है। डॉक्टर्स की मानें ते इसके लिए बढ़ती गर्मी एक वजह हो सकती है।

पिछले 20 दिनों में भोपाल में पारा काफी तेजी से चढ़ा है। ये 40 डिग्री को पार कर गया है, वहीं मौसम विभाग के पूर्वानुमानों के मुताबिक आने वाले दिनों में ये और भी बढ़ सकता है। 40 डिग्री और इससे अधिक के तापमान को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए गंभीर दुष्प्रभावों वाला माना जाता रहा है, इसका आपकी आंखों पर भी नकारात्मक असर हो सकता है। जानकारियों के मुताबिक मार्च से ही अस्पतालों

में पीड़ित लोग आंखों की समस्याओं के साथ पहुंचे, इनमें से ज्यादातर की उम्र 4 से 10 वर्ष की थी। तापमान में बढ़ोतरी के साथ अप्रैल-मई में आंखों में जलन और लालिमा की शिकायत के साथ बड़ी संख्या में मरीज अस्पतालों में पहुंच रहे है।

आंखों में खुजली-लालिमा के साथ आ रहे हैं रोगी

अस्पतालों से प्राप्त हो रही जानकारियों के मुताबिक बढ़ते तापमान के साथ आंखों में जलन-लालिमा और दर्द की शिकायत के साथ मरीजों के आने का सिलसिला जारी है।

ड्राई आइज सहित आंखों की कई समस्याएं बढ़ीं

नेत्र रोग विशेषज्ञ बताते हैं कि बढ़ते तापमान ने आंखों से संबंधित समस्याओं के जोखिम को काफी बढ़ा दिया है। तापमान में बहुत बढ़ोतरी और कमी दोनों ही आंखों की सेहत को प्रभावित करने वाली हो सकती है। 40 से अधिक तापमान और गर्मी के कारण ड्राई आइज की समस्या बढ़ जाती है। पराबैंगनी (यूवी) किरणों के संपर्क में आने से कॉर्निया को नुकसान पहुंच सकता है और संभावित रूप से फोटोकेराटाइटिस (सनबर्न ऑफ आइज) की दिक्कत हो सकती है।

आंखों की एलर्जी के शुरुआती लक्षण के दौरान आंखों में खुजली होना, आंखें लाल होना, पानी आना, ड्राइनेस होना (आंखों में कूड़ा पड़े होने जैसा महसूस होना), गंदगी आना और सूजन की समस्या होने लगती है। अगर इस तरह की समस्याओं को लेकर लापरवाही बरती जाती है, तो आंखों की मांपेशियों और तंत्रिकाओं को भी क्षति होने लगती है।

प्रदेश में आधार सेंटरों की हालत खराब, 4 से 6 घंटे की लाइन

भोपाल,ईएमएस। भारत में रहने और सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने का सबसे बड़ा हथियार आधार है। अब आधार के बिना स्कूल, कॉलेज में प्रवेश लेने से लेकर, वित्तीय संस्थाओं में खाते खुलवाने और सरकारी सुविधाएं लेना संभव नहीं है। इन दिनों प्रदेश में आधार केंद्रों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। जिसकी कोई एक वजह नहीं है, लेकिन मुख्य वजह आधार केंद्र और मशीनों की संख्या, जनसंख्या के अनुपात में कम होना है।

कोराना से पहले बैंक, पोस्ट ऑफिस समेत अन्य संस्थाओं में जो केंद्र खोले गए थे, वे धीरे-धीरे बंद हो गए। ग्रामीण क्षेत्र में आधार केंद्रों का ढांचा नहीं है। जिला मुख्यालयों पर ही ग्राहक सेवा केंद्र (सीएससी) के भरोसे ही आधार सेवा है। अधिक भीड़ होने की वजह से अवैध वसूली के मामले भी जिला प्रशासन तक पहुंच रहे हैं। राजधानी के आशिमा मॉल और एमपी नगर जोन एक स्थित आधार केंद्र यूआईडीएआई द्वारा संचालित हो रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

उमरिया, ईएमएस। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया मोहन डावर की अध्यक्षता में 1 मई 2025 को समय सायं 5 बजे अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय, शासकीय जिला चिकित्सालय उमरिया के नवीन निर्माधाधीन भवन में नालसा (असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिये विधिक सेवाएं योजना), 2015 के विषय पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का हुआ आयोजन, बालिकाओं को वितरित किए प्रमाण पत्र

शिवपुरी, ईएमएस। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत पूरे प्रदेश में 2 मई को लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया गया। जिला स्तर पर लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कम्युनिटी हॉल में मनाया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा संगीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी गई। लाड़ली लक्ष्मी क्लब एवं एक पेड़ लाडली के नाम वन स्टॉप सेंटर में लगाया गया।

संपादकीय

कमंडल के मुकाबले में अब मंडल की राजनीति का समय

वक्त के साथ सब कुछ बदलता है। 1989 में देश में मंडल और कमंडल की नई राजनीति की शुरुआत हुई थी। इस राजनीति ने कांग्रेस को काफी कमजोर कर दिया। भारतीय जनता पार्टी और क्षेत्रीय दलों का बड़े प्रभावी ढंग से उदय हुआ, लेकिन मंडल पर कमंडल भारी पड़ा। 1991 से लेकर 2024 तक की राजनीति कमंडल पर हुई। राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट की तर्ज पर भारतीय जनता पार्टी बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ती चली गई, लेकिन अब समय बदल रहा है। जिस तरह से जन्म-मृत्यु निर्वाद सत्य है उसी तरह राजनीति में भी समय बदलता है। समय के साथ भाग्य में भी बदलाव आता है। 2011 की जनगणना में जातियों की भी गणना की गई थी। 2011 की जनगणना में पहली बार भारत में 86 लाख जातियों का समावेश हुआ था। अंग्रेजों के जमाने में 1931 में जो जाति जनगणना हुई थी उसी समय 4000 जातियां और उपजातियों के आधार पर जनगणना के परिणाम आए थे। 2011 में यह स्थिति पूरी तरह से बदल गई। 2011 में जनगणना पंजीयक द्वारा सामाजिक, आर्थिक, जातीय जनगणना पर 4389 करोड रुपए खर्च किए गए थे। बड़े पैमाने पर जनगणना हुई थी। 2011 की जनगणना ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय के सहयोग से पूरी की गई थी। इस जनगणना मे जनगणना कर्मियों ने घर-घर जाकर सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा, आय, व्यवसाय, आवास की स्थिति, रहन-सहन का स्तर, वाहन से संबंधित जानकारी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनी उपकरण, खेती-किसानी का तौर तरीका और उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों, परिवार में नौकरी से संबंधित जानकारी, सरकारी सेवा में लोगों की जानकारी, सरकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी, जातीय तथा उपजाति के आधार पर सारी सूचनाएं एकत्रित की गईं थीं। भारत के 640 जिलों में 24 लाख ब्लॉक में यह जनगणना की गई थी। 2011 से यह जनगणना शुरू हुई थी जो 2016 में जाकर पूर्ण हुई थी। 2016 में जब जाति जनगणना के आंकड़े आए तो इसे तत्कालीन मोदी सरकार ने स्वीकार नहीं किया। जनगणना के आंकड़ों से इसे अलग कर दिया गया। 2011 की जनगणना में 40 लाख से अधिक जातियों की पहचान हुई थी। इनको पिछड़ा वर्ग, एसटी, एससी और सामान्य वर्ग में विभाजित करने को लेकर सरकार असमंजस में रही। 2016 में यदि जाति जनगणना के आंकड़े प्रकाशित होते तो यह देश की राजनीति को बदल सकते थे। इस डर को ध्यान में रखते हुए सरकार ने इसे उजागर नहीं किया। जातीय जनगणना को लेकर पिछले कुछ वर्षों में बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक ने अपने तरीके से जातीय सर्वेक्षण कराए हैं। उनके आंकड़े भी सामने आए है। भारत की सामाजिक व्यवस्था में धार्मिक एवं जाति आधार बहुत मजबूत हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा विविधता वाला देश है। यहां पर सभी धर्म के लोग रहते हैं। सबसे ज्यादा बोलियां हैं, सबसे ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं, सबसे ज्यादा धर्म जाति आधार पर देखने को मिलते हैं। भारत की एक बड़ी दलित और आदिवासी आबादी अपनी विभिन्न परंपराओं और विभिन्न आस्थाओं के कारण एक अलग पहचान बनाती है। उनकी मान्यताएं भी अलग-अलग होती हैं। 2016 में पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। उन्होंने 2016 में एक बार फिर मंडल और कमंडल की लड़ाई को तेज करने की कोशिश की थी। लालू यादव जेल गए, वहां उनका स्वास्थ्य खराब हो गया उसके बाद यह मांग कमजोर पड़ गई थी। लालू यादव चाहते थे कि 2011 की जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक किया जाए। मोदी सरकार इससे बचती रही। 2022 के बाद यह मुद्दा एक बार फिर जोर पकड़ा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना को लेकर एक आंदोलन चलाने की कोशिश की, जो सफल होती हुई दिख रही है। सरकार को भी 2025 में जनगणना के साथ जाति जनगणना करने के लिए विवस होना पड़ा है। भारत में स्वर्ण आबादी जनसंख्या के अनुपात में काफी कम है। अलग-अलग राज्यों में जाति समूह के आधार पर सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था जमीन से जुड़ी हुई है। बिहार विधानसभा चुनाव में जाति जनगणना सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्रित की गई थी। उसके आधार पर बड़े राजनीतिक परिवर्तन की संभावना के रूप में देखा जा रहा है। इसी दबाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी अभी तक जाति जनगणना का विरोध कर रही थी, लेकिन उसे भी अब जाति जनगणना के समर्थन में आना पड़ा है। मोदी सरकार के इस निर्णय का क्या असर भविष्य की राजनीति में पड़ेगा, इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी हैं। 2014 के बाद से अति हिंदूवाद ने कई जाति और समूहों के बीच में एक अलगाव की स्थिति लाकर खड़ी कर दी है। जिसके कारण दलित और आदिवासी एवं अन्य हिंदू वर्ग अपने आप को उपेक्षित पा रहा है। जिसके कारण राजनीतिक परिवर्तन की एक नई बयार बहने लगी है। कमंडल की राजनीति के मुकाबले सारे हिंदुओं को 80-20 के मुकाबले में एकजुट करने की कोशिश की गई थी, लेकिन यह कभी उस स्थिति में नहीं पहुंची जहां भाजपा पहुंचाना चाहती थी। भाजपा के 11 साल के शासनकाल में मुस्लिम और ईसाई विरोध के बाद जिस तरह से दलित और आदिवासियों को उपेक्षित किया गया है, उसने एक बार फिर जाति समीकरण में नई राजनीति की पृष्ठभूमि तैयार कर दी है। भाजपा समय-समय पर अपने नए-नए एजेंडा तैयार करती है। हवा के रुख को पहचान कर भाजपा तुरंत बदलाव कर लेती है। भारत में भाजपा का संगठन अब गांव तक पहुंच गया है। भाजपा एक बार फिर बदलती हुई नजर आ रही है। उनका संगठन जाति जनगणना के पक्ष में अभी से बड़े-बड़े दावे करने लगा है। उनका संगठन गांव-गांव तक सक्रिय हो गया है। ऐसी स्थिति में जनगणना को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जो तैयारी की थी इसका लाभ वह ले पाएंगे या नहीं। इसी तरह राज्यों में जो छोटे-छोटे राजनीतिक दल है। उसका फायदा उठा पाएंगे या नहीं कहना मुश्किल है। लेकिन इतना तय है कि अब कमंडल की राजनीति का स्थान मंडल लेने जा रहा है। यह लड़ाई पूंजीवाद के खिलाफ भी है। इसके क्या परिणाम होंगे अभी कहा जाना मुश्किल है। लेकिन जिस तरह से महंगाई, बेरोजगारी एवं कानून व्यवस्था की स्थिति में लोगों का जीवन मुश्किल होता जा रहा है, इससे राजनीतिक दलों की चुनौतियां बढ़ेंगी, इतना तय है।

– सनत जैन

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति

ललित गर्ग

जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा।

जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरुआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन् 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है।

जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका

श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गर्माया जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा।

निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फ़ीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफ़ी कम है। राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं।

भारत में जाति जनगणना आजादी के बाद रुकी, पर अब सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए इसकी जरूरत महसूस की जा रही है। पारदर्शिता और सावधानी से किया गया यह कदम समावेशी विकास का आधार बन सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जाति आधारित जनगणना को एक समतामूलक समाज निर्माण के दृष्टिकोण से समर्थन देने के संकेत दिए हैं। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि यह संवदेनशील मामला है और इसका इस्तेमाल राजनीतिक या चुनावी उद्देश्यों के लिए नहीं बल्कि पिछड़ रहे समुदाय और जातियों के कल्याण के लिए होना चाहिए। जाति जनगणना के आंकडे प्रस्तुत होने से राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों की हिस्सेदारी कितनी कम है, यह डर संभवतः भाजपा को सता रहा था। लेकिन भाजपा का यह डर या तो ख़त्म हो गया है, या फिर उसने बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में चुनावी लाभ लेने के लिए ये क़दम उठाया है। भाजपा इसके ख़िलाफ़ थी, उसने जातिगत जनगणना को देश को बांटने की कोशिश करने वाला बताया था। लेकिन एनडीए में शामिल भाजपा की ज्यादातर सहयोगी पार्टियां इसके पक्ष में हैं।

जातिगत जनगणना के आंकड़े 2026 या 2027 के अंत में आएंगे और तब तक बिहार और यूपी के चुनाव हो चुके होंगे। इसलिए इसका चुनावी लाभ लेने की बात सही नहीं है। वैसे भी भाजपा ने हाल के वर्षों में पिछड़ों और दलितों समुदाय को अपने साथ जोड़ने में कामयाबी हासिल की है। भाजपा इस जातिगत गणना से ये भी दिखाना चाहती है कि पिछड़ों के एक-आध समुदाय को छोड़ दें तो ओबीसी समुदाय का बड़ा हिस्सा उसके साथ है। वैसे तो विभिन्न राजनीतिक दल अमुक-अमुक जातियों का नेतृत्व करने के लिए केवल जाने ही नहीं जाते, बल्कि ऐसा दावा भी करते हैं। इसलिये जाति आधारित जनगणना का लाभ है तो हानि भी है। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जातिगत जनगणना वंचितों-पिछड़ों के उत्थान में सहायक बने, लेकिन यदि वह विभाजन को बल देती है और देश की एकजुटता प्रभावित करती है तो इससे दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं होगा। जनगणना के आंकड़े सरकार और जनता के लिए खुले और पारदर्शी होने चाहिए, ताकि सामाजिक संबंधों, आर्थिक अवसरों और राजनीतिक गतिशीलता की नई एवं समानतामूलक दिशाएं उद्घाटित हो सके और भारतीय समाज की विविधता की एक व्यापक सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत की जा सके। कोई भी आंकड़ा तभी सराहनीय है, जब उससे विकास तेज करने में मदद मिलती हो, एक समतामूलक एवं संतुलित समाज की संरचना को बल मिलता हो।

सुविचार

आकाश में उड़ने वाले पंछी को भी अपने घर की याद आती है।

– प्रेमचंद

ज्ञानं भारः क्रियां बिना। आचरण के बिना ज्ञान केवल भार होता है।

– हितोपदेश

प्रसंग

सेवा का रास्ता

ऑ स्ट्रिया में पैस्टोला नामक एक छात्र डॉक्टरी पढ़ रहा था। एक दिन जब वह कहीं जा रहा था, तो रास्ते में उसे एक बच्चा मिला। एक छोटे से बच्चे को अकेला देखकर पैस्टोला ने उसे अपने साथ ले लिया। उसने उसके अभिभावकों को खोजने के लिए पुलिस में सूचना दी काफी दिनों तक जब बच्चे के अभिभावकों का कुछ पता न चला तो पैस्टोला ने उसे एक अनाथालय में रखवा दिया। पर उसे उस बालक से बेहद लगाव हो गया था, इसलिए वह अक्सर उसे अनाथालय में देखने आता और उसके लिए कुछ उपहार भी लाता। धीरे-धीरे पैस्टोला ने नोट किया कि अनाथालय में बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था तो है, लेकिन वहां के कर्मचारियों में दयाभाव नहीं है। इसलिए बच्चे उन कर्मचारियों के संरक्षण में ढंग से विकसित नहीं हो पा रहे हैं। पैस्टोला ने अपनी पढ़ाई खत्म होते ही एक आंदोलन चलाया और निःसंतान तथा छोटी गृहस्थी वाले लोगों से अनुरोध किया कि वे अनाथ बच्चों को अपने परिवार में सम्मिलित कर लें और उन्हें लाड़-प्यार से पालें। ऐसा करने से बच्चों का समुचित विकास हो पाएगा और उन्हें जीने की राह मिल पाएगी। पैस्टोला के इस आंदोलन का लोगों पर सकारात्मक असर हुआ। अनेक उदार, धनी व शिक्षित लोगों ने ऐसे असहाय बच्चों को अपने परिवार में शामिल कर लिया। आत्मीयता एवं अपनत्व भरे माहौल में उन बच्चों का विकास होने लगा। पैस्टोला ने उन अनाथ बच्चों की देख-रेख में अपना जीवन लगा दिया। वह आजीवन अविवाहित रहा। पैस्टोला ने अनाथ बच्चों का पालन- पोषण करने के अलावा विधवाओं व वृद्धाओं की भी निःस्वार्थ मदद की।

जरा हटके

सोडा के सेवन से बढ़ सकता है प्यास का अहसास

नई दिल्ली (ईएमएस)।

कई लोग गर्मी में पानी की बजाय कुछ और लिक्विड का सेवन करते हैं, जो असल में शरीर को हाइड्रेट करने की बजाय उसे और भी डिहाइड्रेटेड बना सकते हैं। गर्मी में प्यास लगना स्वाभाविक है, और शरीर को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी होता है। जब हम घर से बाहर होते हैं, तो प्यास बुझाने के लिए कुछ खाद्य और पेय पदार्थों से बचना चाहिए, ताकि स्वास्थ्य पर बुरा असर न पड़े। पहले नंबर पर आता है सोडे वाली शिकंजी, जिसे कई लोग प्यास लगने पर पीते हैं। हालांकि, शिकंजी में अगर सोडा मिलाया गया हो, तो यह शरीर को हाइड्रेट करने की बजाय उसे और डिहाइड्रेट कर सकता है।

सोडा के सेवन से प्यास का अहसास बढ़ सकता है, जिससे शरीर की हालत और बिगड़ सकती है। इसके अलावा, फ्रूट जूस भी एक आम गलती है जिसे प्यास लगने पर पी लिया जाता है। फ्रूट जूस में शुगर और कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट करने के बजाय डिहाइड्रेशन की स्थिति पैदा कर सकती है। खासकर, बिना पानी के डाइल्यूट किए गए जूस से बचना चाहिए। मिठाई, बिस्कुट और अन्य मीठी चीजें भी प्यास लगने पर सेहत के लिए ठीक नहीं होतीं। इनमें मौजूद उच्च शुगर और आर्टीफिशियल स्वीटनर्स डिहाइड्रेशन को और बढ़ा सकते हैं, जिससे तबियत खराब होने का खतरा हो सकता है।

प्यास लगने पर चाय और कॉफी जैसे कैफीनयुक्त ड्रिंक्स से भी बचना चाहिए, क्योंकि ये शरीर को जल्दी डिहाइड्रेट करते हैं। इन सभी खाद्य और पेय पदार्थों से बचकर सिर्फ पानी, नारियल पानी या अन्य हाइड्रेटिंग विकल्पों का सेवन करना सबसे अच्छा होता है, ताकि शरीर को सही तरीके से हाइड्रेट किया जा सके और तबियत खराब होने से बची रहे।अंत में, तला हुआ खाना भी प्यास लगने पर नहीं खाना चाहिए। गर्मी में प्यास के कारण शरीर में पहले से ही अधिक गर्मी होती है, और तला हुआ खाना इस गर्मी को बढ़ा सकता है, जिससे मतली और उल्टी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

फोटो ऑफ द डे

अमेरिका के लॉस एजिल्स में अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग। (फोटो-ईएमएस)

राज काज

ट्रंप के निशाने पर अमेजन और जेफ बेजोस

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेजन के मालिक जेफ बेजोस के बीच टकराव और गहरा गया है। अमेजन की योजना थी कि वह अपनी वेबसाइट पर उत्पादों की कीमतों के साथ ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ की लागत को अलग से दर्शाएगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने इस कदम को राजनीतिक और शत्रुतापूर्ण बताते हुए ट्रंप को जानकारी दी, जिसके बाद ट्रंप ने इसे अमेरिका के खिलाफ साजिश करार दिया है। लेविट ने सवाल उठाया कि जब बाइडेन प्रशासन के दौरान महंगाई चरम पर थी, तब अमेजन ने ऐसा कदम क्यों नहीं उठाया। उन्होंने अमेजन पर चीन के प्रचार में साझेदारी करने और चीनी पुस्तकों की रेटिंग हटाने का भी आरोप लगाया। अमेजन ने इन सब विवादों के बीच सफाई दी कि वह केवल कुछ उत्पादों पर टैरिफ की लागत दिखाने पर विचार कर रहा था, लेकिन अब यह बदलाव लागू नहीं किया जाएगा। वैसे यह हकीकत है कि अमेजन और जेफ बेजोस तो अब ट्रंप के निशाने पर आ ही चुकी हैं।

पाकिस्तानियों की वतन वापसी फिर सीमा हैदर...

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की मोदी सरकार ने सख्ती दिखाते हुए वीजा पर आए पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया। इसके बाद सैकड़ों पाकिस्तानी वापस लौटाए जा चुके हैं, लेकिन सवाल सीमा हैदर को लेकर उठ रहा है, जिनका मामला अब भी अधर में है। बताया जा रहा है कि यूपी के गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने सीमा के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। सचिन के प्यार में पागल हो सीमा हैदर अवैध रूप से भारत में प्रवेश की थीं और अब इन हालात में जबकि बाहरी लोगों को देश से निकाला जा रहा भारतीय नागरिकता की मांग कर रही हैं। न विदेशी पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) से दस्तावेज़ सत्यापन रिपोर्ट आई, न चार्जशीट दाखिल हुई, न कोई अंतिम निर्णय लिया जा सका। इस पर भी पुलिस कह रही कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। वैसे सीमा यह जानती और कहती भी है कि उनकी जिंदगी सिर्फ और सिर्फ भारत में ही है।

व्यंग्य

मनीप्लांट

–सुधीर ओखदे

पत्नी की इच्छा थी कि घर में मनीप्लांट लगाया जाए। इच्छाएँ तो उसकी अनंत थीं, जैसे बंगला बनवाया जाए, कार ख़रीदी जाए, कुत्ता रखा जाए, बच्चों को पब्लिक स्कूल में भर्ती कराया जाए, अपने बाल कटाए जाएँ, पति के बाल बढ़वाएँ जाएँ। लेकिन जानती थी कि ये सभी बातें असंभव हैं। उसका पति न मंत्री है, न संत्री। न ही प्रवचन देने वाला धर्म गुरु। फिर भला उसकी इतनी इच्छाएँ क्यों कर पूरी होंगी!

उसने एक कुत्ता रखा था। देसी नस्ल का। जो किसी को रास नहीं आया। उसे भी नहीं। चाहती थी कि विदेशी नस्ल का कुत्ता रखे। पर कुत्ते की कीमत पति की महीने भर की पगार से भी ज़्यादा होने से उसने पति रखना ही उत्तम समझा। देसी कुत्ता कहीं भी मुँह मारता था। घर छोड़ कर भाग जाता था। बाद में खुद ही पूँछ हिलाता वापस आ जाता था। पत्नी ने कहा, बिलकुल तुम पर गया है। एक ही स्वभाव के दो लोगों को घर में नहीं रख सकती।

किसी ने पत्नी को बताया कि मनीप्लांट माँग कर या ख़रीद कर नहीं, चुरा कर लगाया जाए, तो फलता-फूलता है। मैंने सोचा पैसा भी चोरी से ही फलता-फूलता है। पत्नी ने आदेश दिया कि मनीप्लांट कहीं से भी चुरा लाओ। मैंने कहा, भागवान! यही आदत होती तो तुम्हारी अनंत इच्छाएँ पूरी नहीं कर देता। बंगला होता, कार होती, कुत्ता होता, तो मनीप्लांट भी आपने आप होता।

पत्नी बोली, मैं जानती थी कि तुम कहीं न कहीं रोड़ा ज़रूर अटकाओगे। अब चोरी करने भी क्या मैं जाऊँ? लाज-शरम तो जैसे बेच खाई है तुमने। संस्कार भी कोई चीज़ होती है। कहीं भले घर की औरतें चोरी करती हैं?

मैंने मन ही मन सोचा, ठीक कहा तुमने। औरतें खुद कहाँ कुछ करती हैं। ऐसे काम करवाने के लिए उनके पास पति नाम का बेवकूफ़ होता है न! रामायण, महाभारत से लेकर स्वतंत्र भारत तक औरतों ने कहाँ कुछ किया है!

मनीप्लांट तुम ही चुराओगे। बस! आगे मैं कुछ नहीं जानती। उस समय वह मुझे कैकयी, मंथरा और द्रौपदी की तरह दिखाई दी। कोपभवन में उसने अपने केश बिखरा दिए थे, जो मेरे मनीप्लांट चुराने के उपरांत ही पुनः सजने वाले थे। मैंने रामखिलावन से पूछा, तुम्हें चोरी का कोई तजुर्बा है? यदि हो तो बताओ?

रामखिलावन एक पुजारी के पड़ोस में रहता था। सो उसने इनकार नहीं किया। उसने कहा, चोरी वह होती है, जो पकड़ी जाए। तुम कैसी चोरी करना चाहते हो? बिजली की चोरी, सरकारी फ़ोन से कॉल की चोरी, कर की चोरी, ऑफ़िस स्टेशनरी की चोरी, सरकारी वाहन के दुरुपयोग की चोरी या पैसे की चोरी? पैसे की सीधी चोरी को छोड़ दिया जाए, तो बाकी की चोरियाँ, चोरी की श्रेणी में नहीं आतीं।

तुम्हारे घर के सामने कार्यालय का वाहन खड़ा रहे। तुम्हारे बीबी-बच्चों को निजी कामों के लिए सरकारी वाहन की सवारी प्राप्त हो, तो समाज में तुम्हारी प्रतिष्ठा बढ़ती है। तुम कैसी चोरी करना चाहते हो?

मैंने बताया कि मैं मनीप्लांट चुराना चाहता हूँ। उसने कहा, चुरा लो। कौन रोकता है तुम्हें।

मैं किसी मनीप्लांट चुराऊँ तो कोई मुझे कुछ नहीं कहेगा? व्यापारी अपने उत्पादन विज्ञापन का पैसा तुम से चुराता है तुम कुछ कहते हो उसे? नेता जातिवाद फैलाकर तुम्हारा वोट चुराता है, तब तुम कुछ कहते हो उसे? डॉक्टर ग्राहक संरक्षण नियम का हवाला दे कर जब तब तुम्हारा खून चूसता है तुम कुछ कहते हो उसे?

चिंतन-मनन

राजा की उदारता

राजा भोज के नगर में एक विद्वान ब्राह्मण रहते थे। एक दिन गरीबी से परेशान होकर उन्होंने राजभवन में चोरी करने का निश्चय किया। रात में वे वहां पहुंचे। सभी लोग सो रहे थे। सिपाहियों की नजरों से बचते हुए वह राजा के कक्ष तक पहुंच गए। स्वर्ण, रत्न, बहुमूल्य पात्र इधर-उधर पड़े थे। किंतु वे जो भी वस्तु उठाने का विचार करते, उनका शास्त्र ज्ञान उन्हें रोक देता।

ब्राह्मण ने जैसे ही स्वर्ण राशि उठाने का विचार किया, मन में स्थित शास्त्र ने कहा- स्वर्ण चोर नर्पगामी होता है। जो भी वे लेना चाहते, उसी की चोरी को पाप बताने वाले वाक्य उनकी स्मृति में जाग उठते। रात बीत गई पर वे चोरी नहीं कर पाए। सुबह पकड़े जाने के भय से ब्राह्मण राजा के पलंग के नीचे छिप गए। महाराज के जागने पर रानियां व दासियां उनके अभिवादन हेतु प्रस्तुत हुई। राजा भोज के मुंह से किसी श्लोक की तीन पंक्तियां निकली। फिर अचानक वे रुक गए। शायद चौथी पंक्ति उन्हें याद नहीं आ रही थी। विद्वान ब्राह्मण से रहा नहीं गया। चौथी पंक्ति उन्होंने पूर्ण की।

महाराज चौंके और ब्राह्मण को बाहर निकलने को कहा। जब ब्राह्मण से भोज ने चोरी न करने का कारण पूछा तो वे बोले- राजन्, मेरा शाप ज्ञान मुझे रोकता रहा। उसी ने मेरी धर्म रक्षा की। राजा बोले- सत्य है कि ज्ञान उचित-अनुचित का बोध कराता है, जिसका धर्म संकट के क्षणों में उपयोग कर उचित राह पाई जा सकती है। राजा ने ब्राह्मण को प्रचुर धन देकर सदा के लिए उनकी निर्धनता दूर की दी।

स्वास्थ्य

एक्सरसाइज है लंबी उम्र का असली सीक्रेटः 101 साल के डॉक्टर का अनुभव

लंदन (ईएमएस)। अक्सर कहा जाता है कि लंबी उम्र का राज हेल्दी भोजन, तनाव से दूरी और अच्छी नींद में छिपा होता है, लेकिन 101 साल के डॉ. जॉन स्कारफेनबर्ग इस पर आपनी अलग राय रखते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डॉ. जॉन ने अपने अनुभव के आधार पर बताया कि सौ साल से ज्यादा जीने का असली सीक्रेट कोई डाइट प्लान, रिलैक्सेशन तकनीक या स्ट्रेस कंट्रोल नहीं, बल्कि केवल शरीर को हर रोज एक्टिव रखना है। डॉ. जान का मानना है कि यदि आप सचमुच लंबी उम्र चाहते हैं तो आपको हर दिन अपने शरीर को मेहनत में लगाना होगा। डॉ. जॉन का कहना है कि इसके लिए जिम जाने की भी जरूरत नहीं है। बस जरूरी है कि आप किसी भी तरह से अपने शरीर को लगातार हरकत में रखें, चाहे दौड़ कर, वॉक कर के, जॉगिंग कर के, पुश-अप्स कर के या प्लैंक कर के। उनका संदेश साफ है- शरीर को थकने दीजिए, पसीना बहाइए, यही लंबी उम्र तक जीने का सबसे बड़ा रहस्य है। डॉ. जॉन के अनुसार एक्सरसाइज के मुकाबले बाकी सभी चीजें नगण्य हैं। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि यदि कोई व्यक्ति मोटा है लेकिन रोज एक्सरसाइज करता है, तो उसकी उम्र उस दुबले इंसान से भी लंबी हो सकती है जो शारीरिक रूप से निष्क्रिय है। यहां तक कि यदि किसी व्यक्ति को हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल है या वह धूम्रपान भी करता है, तब भी यदि वह नियमित रूप से एक्सरसाइज करता है, तो उसकी उम्र उस व्यक्ति से अधिक हो सकती है जो इन बीमारियों से मुक्त है।

दिशा समिति की बैठक अब 14 मई को

बडवानी, ईएमएस। सांसद श्री गजेन्द्रसिंह पटेल की अध्यक्षता में 03 मई को होने वाली जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। यह बैठक अब 14 मई को आयोजित की जायेगी।

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन, बालिकाओं को वितरित किए प्रमाण पत्र

शिवपुरी, ईएमएस। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत पूरे प्रदेश में 2 मई को लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया गया। जिला स्तर पर लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कम्युनिटी हॉल में मनाया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा संगीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी गई। लाड़ली लक्ष्मी क्लब एवं एक पेड़ लाडली के नाम वन स्टॉप सेंटर में लगाया गया।

▶ मामाला ग्राम पंचायत थूबौन का- एक साल में 7 बार शिकायत कर चुका ग्रामीण, नहीं हुई कार्रवाई

भ्रष्टाचार पर कार्रवाई तो दूर जांच तक नहीं कर रहे अधिकारी

अशोकनगर, ईएमएस।

जिले की जनपद पंचायत चन्देरी अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत थूबौन में हो रहे भ्रष्टचार की शिकायतें कई बार सामने आने के बाद भी अधिकारी कार्रवाई तो दूर जांच तक नहीं कर रहे हैं। जिसके चलते पंचायत के भ्रष्ट कर्मचारियों के हौंसले बुलंद हैं। ग्रामीण का आरोप है कि पंचायत में चाहे, सीसी सड़क निर्माण हो, तालाब निर्माण अथवा मनरेगा में मजदूरी का कार्य हो सभी में सरपंच, सचिव द्वारा भ्रष्टचार किया जा रहा है। निर्माण कार्य कराये बिना ही अधिकारियों से सांठ-गांठ कर राशि निकाल ली जाती है।

जिसे लेकर थूबौन निवासी बादाम सिंह पुत्र गोकुल सिंह अहिरवार पिछले करीब 1 वर्ष में जनसुनवाई में कलेक्टर को कई शिकायती आवेदन दे रहे हैं। लेकिन इतनी शिकायतों के बाद भी कार्रवाई तो दूर की बात है अधिकारी जांच तक नहीं कर रहे हैं। शिकायतकर्ता बादाम सिंह ने बताया कि उसके द्वारा 13 फरवरी 2024 से लगातार शिकायत की जा रही है, लेकिन अधिकारी ग्राम पंचायत में सरपंच, सचिव द्वारा मिलकर किए गए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई तो दूर की बात है, जांच तक नहीं कर रहे। उसने बताया कि 13 फरवरी, 20 फरवरी, 18 जून ,16 जुलाई, 6 अगस्त 2024 तथा 1 अप्रैल, 29 अप्रैल 2025 में जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन देकर ग्राम पंचायत थूबौन के सरपंच सचिव द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है। लेकिन अधिकारी कब जांचकर कार्रवाई करेंगे उसे इंतजार है। शिकायत कर्ता बादाम सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत की महिला सरपंच राजकुमारी पत्नी श्याम सिंह लोधी, सचिव भगवत सिंह बुंदेला द्वारा जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। उसने बताया कि गांव में तालाब निर्माण होना था जो नहीं हुआ तथा तालाब निर्माण की राशि सरपंच, सचिव द्वारा मिलकर निकाल ली। इसके पूर्व गांव में सीसी खड़ंजा निर्माण की राशि भी इन्होंने निकाल ली और सीसी सड़क का निर्माण नहीं कराया गया। यह निर्माण कार्य पाल मोहल्ला से माता मंदिर रोड तक होना था जो नहीं हुआ। इसी तरह पंचायत भवन परिसर में वर्ष 2021 में नलकूप लगना था। जो नहीं लगा। पाल मोहल्ला में प्रकाश पाल के मकान से जीवन पाल के मकान तक 3 लाख 24 हजार की राशि से सीसी खड़ंजा निर्माण होना था, जिसकी राशि निकाल ली, लेकिन धरातल पर निर्माण कार्य नहीं किया गया है।

इसी तरह थूबौन में लीलट नदी कुआं के पास नदी की दोनों धाराओं में सरपंच द्वारा बोल्डर चेक डैम बनाए हैं, बरसात में पानी का बहाव बढ़ने से बहुत तेज बाढ़ आती है, जिसके कारण चेक डैम बह जाएगा, शासन की राशि का नुकसान होगा। उसने बताया कि उसी रास्ते से ग्रामीणों के पशु मवेशी निकलते हैं, और बॉर्डर चेक डैम में बरसात के पानी से पशु जान माल को हानि होने का अंदेशा है। उसने बताया कि सरपंच, सचिव द्वारा मनरेगा में भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है, डाकघर तारई में मजदूरों के फर्जी खाते खुलवाए गए हैं, डाकघर में सरपंच राजकुमारी बाई के ससुर काम करते हैं। ग्रामीण ने कलेक्टर से ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव द्वारा किए गए भ्रष्टाचार और निर्माण कार्यों की जांच कराए जाने की मांग की है।

अंबेडकर की प्रतिमा पर कालिख पोतने वाला आरोपी गिरफ्तार

अशोकनगर, ईएमएस। बाबा साहब की प्रतिमा पर कालिख पोतने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान कचनार थाना क्षेत्र के छीपोन निवासी 60 वर्षीय धन्नालाल अहिरवार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया है और मामले में अतिरिक्त धाराएं भी जोड़ी गई हैं। बीते दिनों अंबेडकर पार्क स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा काला रंग लगाने का मामला सामने आया था। पुलिस ने शुक्रवार को इस मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह कई वर्षों से अशोकनगर में रह रहा है। वह रात में रेलवे स्टेशन पर रुकता है और दिन में पार्क के आसपास घूमता रहता है।

आरोपी ने स्वीकार किया जुर्म: एसडीओपी विवेक शर्मा के अनुसार, प्रतिमा वाले स्थान पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे। आसपास के लोगों से पूछताछ में धन्नालाल का नाम सामने आया। पकड़े जाने पर उसने स्वीकार किया कि उसने प्रतिमा पर हेयर डाई लगाई थी।

कलेक्टर ने सेवा सहकारी समिति ईसागढ़ अंतर्गत खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

अशोकनगर, ईएमएस।

सेवा सहकारी समिति मर्यादित ईसागढ़ अंतर्गत श्रीराम वेयर हाउस तथा बालाजी वेयर हाउस ग्राम कदवाया का शुक्रवार को कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सेवा सहकारी समिति पिपरेसरा के अंतर्गत गेंहू का उर्पाजन का भण्डारण बालाजी वेयर हाउस में किये जाने के संबंध में जानकारी ली।

साथ ही बारदानों में उपार्जित गेंहू की तौल कराई गई। तौल कराये जाने पर एक बोरी का वजन कम पाया गया। उन्होंने निर्देशित किया कि उपार्जन कार्य का समय-समय पर निरीक्षण नही करने पर ईसागढ एसडीएम, तहसीलदार तथा केन्द्र प्रभारी को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किये जाने संबंधी निर्देश दिये गए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एसडीएम से सेवा सहकारी समिति ईसागढ अंतर्गत दोनों वेयर हाउसों का निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिये। इस दौरान फसलों की तुलाई हेतु समिति में आने वाली उपज की ऑनलाईन एंट्री तथा ऑनलाईन पर्ची दिये जाने संबंधी कार्य में लापरवाही पाये जाने पर सर्वेयर के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एफएक्यू की गुणवत्ता की जांच के संबंध में सर्वेयर से तथा किसानों से उपार्जित की गई फसलो के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने केन्द्र पर उपस्थित कृषकों से उपार्जन के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

समिति प्रबंधक को निलंबित किए जाने के दिए निर्देश

श्रीराम वेयर हाउस में चना, मसूर, सरसों की खरीदी का रिकार्ड विधिवत संधारित नही पाये जाने तथा केन्द्र की व्यवस्थाओं में लापरवाही बरतने तथा स्टाक की उपलब्धता की जानकारी उपलब्ध न कराने पर समिति प्रबंधक उपेन्द्र शर्मा को निलबंन किये जाने संबंधी कार्यवाही किये जाने के निर्देश एसडीएम को दिये। साथ ही निरीक्षण के दौरान उन्होंने केन्द्र पर उपस्थित पटवारी बलवीर सिंह यादव को अपने कार्यो में लापरवाही बरतने पर तथा सही जानकारी न देने पर निलंबन की कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गए। उन्होंने फसल तुलाई की सम्पूर्ण प्रक्रिया की जांच कर पंचनामा बनवाए जाने के निर्देश तहसीलदार को दिए। उन्होंने वेयर हाउस में उपस्थित कृषकों से पेयजल, छाया, बैठने, फसल तुलाई तथा भुगतान के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ईसागढ इसरार खान, तहसीलदार कमल सिंह कोली एवं संबंधित अधिकारी एवं कृषक उपस्थित थे।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

हाथभट्टी से बनी 58 लीटर शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

अशोकनगर, ईएमएस।

कलेक्टर आदित्य सिंह के आदेश एवं जिला आबकारी अधिकारी जीपी केवट के मार्गदर्शन में जिला आबकारी विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बुधवार रात करीब 10 बजे वृत्त अशोकनगर की रोड गश्त के दौरान अशोकनगर-विदिशा वायपास रोड पर माधोगढ़ निवासी सलीम पारदी को 145 पाउच (कुल 58 लीटर) हाथभट्टी मदिरा के साथ पकड़ा गया।

आरोपी शराब को मोटरसाइकिल से परिवहन कर रहा था। जब्त की गई शराब का अनुमानित बाजार मूल्य 9 हजार रुपए बताया गया है। इस पर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई का नेतृत्व प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक सुरेश सिंह रघुवंशी ने किया, जिसमें आबकारी आरक्षक अजय सिंह तोमर एवं होमगार्ड सैनिक मनोहर सांसी का विशेष सहयोग रहा। आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

जल संवर्धन अभियान अंतर्गत चौपाल का हुआ आयोजन

अशोकनगर, ईएमएस। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद अशोकनगर विकासखंड की विकास ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति देवखेड़ी व नव अंकुर संस्था उन्नति जन कल्याण समिति के सहयोग से गुरूवार की शाम को ग्राम देवखेड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत जल बचाने के लिए चौपाल का अयोजन किया गया। ग्राम चौपाल में विकासखंड समन्वयक मनोज यादव ने ग्रामीणों को जल के समुचित उपयोग के बारे में बताया तथा शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान की उपयोगिता के साथ-साथ जल बचाने के छोटे-छोटे उपाय भी बताए गए। इस कार्यक्रम में प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष राजेश धाकड़, मेंटर्स बलवीर यादव, सहायक पंचायत सचिव मनीष धाकड़, समिति सदस्य रतीभान धाकड़,मनोज धाकड़ भगवान सिंह पटेल, सहित ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में जल संरक्षण के लिए जल-शपथ भी दिलाई गई।

पार्श्व जैन मिलन ने मनाया भारतीय जैन मिलन का 60वां स्थापना दिवस

अशोकनगर, ईएमएस।

पार्श्व जैन मिलन शाखा अशोकनगर द्वारा भारतीय जैन मिलन का 60वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सोनी कॉलोनी में भगवान का अभिषेक, शांतिधारा और पूजन के साथ हुआ।

भीषण गर्मी को देखते हुए मूक पशुओं के लिए जल की व्यवस्था करते हुए 20 जल टंकियां विभिन्न स्थानों पर रखी गईं। इन टंकियों का शुभारंभ भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर नरेश चंद्र जैन द्वारा किया गया। टंकियों में नियमित रूप से जल भरने की जिम्मेदारी लेने वाले सहयोगियों का शाखा की ओर से पीठ पट्टीका पहनाकर एवं तिलक लगाकर सम्मान किया गया। इसके अतिरिक्त पक्षियों के लिए सकोरे टांगे गए और गौरैया निवास का भी वितरण किया गया। जल टंकियां निम्न स्थानों पर स्थापित की गई।

कांग्रेस के समय जातिगत जनगणना नहीं योजनाओं का श्रेय लेने और झूठे वादे किए : मंत्री सारंग

खरगोन, ईएमएस।

प्रदेश सरकार के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण और जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग शुक्रवार को जिले के प्रवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

मंत्री ने सर्किट हाउस में मीडिया से पहलगांव हमले की निंदा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार इसका सख्त जवाब देगी, साथ ही कांग्रेस पर जातिगत जनगणना का श्रेय लेने पर झुठे वादे और श्रेय लेने की राजनीति करार दिया। मंत्री ने मंडी में आयोजित समारोह के दौरान जिले के 88 करोड़ 91 लाख 94 हजार रुपये की लागत के 56 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया। इस दौरान सांसद गजेंद्र पटेल, खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, विधायक बालकृष्ण पाटीदार, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य परसराम चौहान सहित पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर अधिकारी करें आम मंत्री सारंग ने कलेक्टर कार्यालय सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की प्रगति और योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की।

मंत्री ने सभी शासकीय स्कूलों में अगले 100 दिनों में शौचालय निर्माण कार्य पूर्ण करने के दिये निर्देश। सहकारिताए उद्योग, कृषि व उद्यानिकी विभाग को समन्वय कर जिले में रोजगार सृजन के लिये विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश भी दिए। .

पुरानी पेंशन बहाली, एक समान वेतनमान और कक्षावार नियमित शिक्षक की हो नियुक्ति

अभा राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से की मुलाकात

खरगोन, ईएमएस।

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ की राष्ट्रीय इकाई अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से नई दिल्ली में भेंट की।

इस दौरान विद्यालयीन शिक्षा में पुरानी पेंशन बहाली, देशभर में एक समान वेतनमान, कक्षावार नियमित शिक्षक की नियुक्ति सहित उच्च शिक्षा तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों से संबंधित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और तीन पृथक ज्ञापनों के माध्यम से उनके शीघ्र समाधान की मांग की। संघ के राष्ट्रीय आयाम सह प्रमुख लछीराम इंगले, प्रदेश उपाध्यक्ष रमेशचन्द्र पाटीदार ने बताया कि शिक्षा मंत्री प्रधान ने तीनों ज्ञापनों की विषयवस्तु को गंभीरतापूर्वक सुना और प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि समस्याओं और सुझावों पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में महासंघ के अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता, महामंत्री प्रो. गीता भट्ट, संगठन मंत्री महेन्द्र कपूर, सह संगठन मंत्री लक्ष्मण, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेन्द्र कुमार आदि शामिल थे।

कांग्रेस विधायक को जान से मारने की धमकी पर भड़का अल्पसंख्यक विभाग

बुरहानपुर, ईएमएस।

भोपाल मध्य से अल्पसंख्यक कांग्रेस नेता एवं विधायक आरिफ मसूद को गाली गलौज अभद्र टिप्पणी और जान से मारने की भाजपा नेताओं की धमकी का एक वीडियो वायरल होने से प्रदेश की राजनीति का तापमान बढ़ गया है इसके विरोध में कांग्रेस और अल्पसंख्यक विभाग हरकत में आ गया है।

जिसके चलते प्रदेश भर में कांग्रेस और अल्पसंख्यक विभाग राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर ऐसे नेताओं की गिरफ्तारी की मांग करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग कर रहा है इसी कड़ी में बुरहानपुर जिला कांग्रेस और अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष डॉक्टर इमरान खान डॉक्टर फरीद काजी नगर निगम पार्षद और कांग्रेस जनों ने एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम संबोधित एसडीएम बुरहानपुर पल्लवी पौराणिक को देकर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग करते हुए भाजपा नेताओं की निंदा की है भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को वायरल वीडियो में भाजपा नेताओं के द्वारा गाली गलौज देते और उन्हें जान से मारने की धमकी देते दिख रहा है इस वीडियो के वायरल होने पर प्रदेश भर में कांग्रेस हरकत में आ गई है तो राजनीति के तापमान में उछाल आ गया है बुरहानपुर में यह ज्ञापन अल्पसंख्यक नेता डॉक्टर फरीद काज़ी डॉक्टर इमरान के नेतृत्व में दिया गया इस अवसर पर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष के प्रतिनिधि अकील औलिया वरिष्ठ पार्षद स्माइल अंसारी पार्षद अहफाज मुज्जूमीर पार्षद प्रतिनिधि हमीद डायमंड पार्षद फहीम हाशमी सहित अन्य पार्षद और कांग्रेस नेता उपस्थित थे!

अपर कलेक्टर ने किया ग्राम मिड़ली में राजस्व कैम्प का निरीक्षण

नरसिंहपुर, (ईएमएस)।

अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह ने जिले की करेली तहसील के ग्राम मिड़ली में लगाये गये राजस्व कैम्प का निरीक्षण किया।

उन्होंने यहां फार्मर रजिस्ट्री तथा पीएम किसान ई- केवायसी के कार्य का जायजा लिया। इसी कड़ी में जिले के राजस्व अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र में आयोजित राजस्व कैम्प का निरीक्षण किया।उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार की एग्रीस्टेक परियोजना अंतर्गत जिले के किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री की शुरूआत की गई है। इसमें प्रत्येक किसान के लिए एक यूनिक फार्मर आईडी बनायी जा रही है। फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों का एक डाटावेस तैयार किया जा रहा है।

कलेक्टर को वरिष्ठ पत्रकार ने जन्मदिन पर मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए सौंपा चैक

नर्मदापुरम(ईएमएस)। नगर के वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंह अरोरा ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कलेक्टर सोनिया मीना को 5100 रुपए चेक के माध्यम से मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए राशि दी हैं। आपको बता दें कि पत्रकार श्री अरोरा हर वर्ष अपने जन्मदिन के अवसर पर मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए राशि देते आ रहे हैं और वह अपने जन्मदिन पर किसी प्रकार का समारोह या कार्यक्रम नहीं मनाते है। उनके इस सराहनीय योगदान के लिए वरिष्ठ पत्रकार राजीव अग्रवाल, डॉ. सीमा कैथवास, पंकज शुक्ला, मुकेश दुबे, योगेश राजपूत, अतुल तिवारी, विनोद केवट, ताज खान, रुबेज ख़ान, जाकिर खान, राजीव रोहर, गजेन्द्र राजपूत इत्यादि ने भी उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की है।

▶ लाड़ली लक्ष्मी उत्सव में कलेक्टर शामिल हुई

बेटियों को आगे बढ़ाने में माता-पिता की महत्पूर्ण भूमिका : कलेक्टर

शाजापुर, ईएमएस।

बेटियों को आगे बढ़ाने एवं सशक्त बनाने में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका हैं। माता-पिता बेटा और बेटी में भेद नहीं करें। बेटियों को आगे बढ़ाएं, उनके सपने साकार करें। यह बात कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज लाड़ली लक्ष्मी उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके माता-पिता ने कभी बेटी समझकर भेद नहीं किया, आगे बढ़ने का मौका दिया, जिससे आज वह इस पद पर पहुंची हैं। उन्होंने सभी माताओं से कहा कि बेटियों का सम्मान करें और उनके बेहतर भविष्य के लिए प्रतिबद्धता के साथ करें। बेटियों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, अच्छे से शिक्षा अर्जित करें और इंटरनेट पर उपलब्ध शैक्षणिक सामग्रियों का उपयोग कर अपने ज्ञान में वृद्धि करें। इस अवसर पर बेटियों ने लाठी, तलवार चलाने का प्रदर्शन किया। साथ ही 10 लाडली लक्ष्मी बालिकाओ को 1 लाख 43 हजार रूपए का आश्वासन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम को प्रभारी जिला कार्यकक्रम अधिकारी सुश्री नीलम चौहान, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष श्री नवीन वर्मा, सदस्य श्रीमती सविता शर्मा, परियोजना अधिकारी श्री पंकज कुमार दवे, प्रशासक वन स्टॉप सेंटर नेहा जायसवाल ने संबोधित करते हुए बालिकाओ को शिक्षा एवं सुरक्षा का अधिकार, किसी प्रकार की हिंसा से पीड़ित बालिकाओ व महिलाओ को प्रदाय की जाने वाली सुविधा आश्रय, चिकित्सा, विधिक सहायता व परामर्श, बालिकाओ को शिक्षा व अन्य क्षेत्र में कैरीयर की उपलब्धता एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का संचालन हेमकांता मालवीय ने किया तथा परियोंजना अधिकारी सुश्री नेहा चौहान ने उपस्थित अतिथियों एवं महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान ब्लाक समन्वयक श्री नरेन्द्र गहलोत, श्री अभिषेक शर्मा, श्री देवेन्द्र गोठी उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत तिलरी में लाड़ली उत्सव मनाया गया

मंडला, ईएमएस। प्रशासक वन स्टॉप सेंटर ने बताया कि लाड़ली लक्ष्मी उत्सव ग्राम पंचायत तिलरी सेक्टर मोचा परियोजना बिछिया पंचायत सदस्य, वार्ड पंच दुर्गेशनी सल्लाम, अनिल कुमार ग्राम रोजगार सचिव, मोबिलाईजर पूनम कार्तिकेय, सीएचओ दीपिका धिंगना, एएनएम रामकली मरकाम एएनएम मल्टी धुर्वे सुपरवाइजर जेएन पंढ्रो, महिला बाल विकास पर्यवेक्षक मधुलिका उपाध्याय की उपस्थिति में लाड़ली उत्सव मनाया गया। सर्व प्रथम कन्यापूजन किया गया। लाड़ली बालिका ममता यादव द्वारा मंच संचालन किया गया। लाड़ली बालिका द्वारा नृत्य का प्रदर्शन किया गया। लाड़ली बालिकाओं के बीएमआई की जांच की गई। लाड़ली बालिका आरवी को लाडली प्रोत्साहन प्रमाण पत्र दिया गया। रोशनी उईके बालिका के नाम से बालिका, उसकी माता, जनप्रतिनिधि द्वारा वृक्षारोपण कराया गया।

17 वर्षीय किशोर के साथ मिलकर की थी चोरी, दोनों गिरफ्तार

मंदिर से चुराया था चांदी का मुकुट, खेत से पानी की मोटर और कॉलोनी से बाईक

खरगोन, ईएमएस। जिले के कसरावद में सिलसिलेवार हो रही चोरियों के बीच मंदिर से मुकुट चोरी, खेत से मोटर पंप और कॉलोनी से चोरी हुई बाईक मामले में पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने इन चोरियों के चोरी मामले में एक 17 वर्षीय किशोर के साथ युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई बाईक, पानी की मोटर, मंदिर से चोरी किया चांदी का मुकुट बरामद किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 2 अप्रैल को श्रीनगर कालोनी कसरावद के निवासी ने अपनी पुरानी बाइक क्रमांक एमपी 04एनक्यू 8106 चोरी कर ले जाने की सूचना दी थी। थाना क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए संभावित रास्तों के सीसीटीव्ही कैमरे खंगाले गए, जिसमें घटना स्थल पर कुछ संदिग्धों को चिन्हित किया गया। परिणामस्वरूप वार्ड क्र. 05 के 17 वर्षीय विधिविरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लेकर मनोवैज्ञानिक तरीके व बारीकी से पूछताछ की गई, जिसमें अपने साथी राहुल पिता गिरधर के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। सूचना के आधार पर तत्काल दबिश देकर राहुल को भी अभिरक्षा में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने गत वर्ष नवंबर में मन्दिर से चांदी का मूकुट व शाहवाद मोहल्ला कसरावद में खेत के कुएं से पानी की मोटरे चुराना भी स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई बाईक, पानी की मोटर कीमती और मंदिर चोरी किया चांदी का मुकुट विधिवत जप्त कर आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया है।

जिला स्तर पर मनाया गया लाड़ली लक्ष्मी उत्सव

गुना, ईएमएस। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में आज लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष गुना मे आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती बबीता राजेश साहू पार्षद वार्ड-03 के उपस्थित रही। श्रीमती गिरिजा जाटव प्रशासक वन स्टॉप सेन्टर द्वारा लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई।

प्रदेश आसपास

बड़ी माई मंदिर में मनाया गया परशुराम जन्मोत्सव

मैहर, ईएमएस। विप्र समाज द्वारा बड़ी माई प्रांगण वल्लभनगर मैहर में परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। युवा ब्राह्मण समाज द्वारा सिविल हॉस्पिटल मैहर में फल एवं वृद्धा आश्रम में मिष्ठान वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से दीपक मिश्रा, गौरव तिवारी गोलू, प्रकाश तिवारी, राजा भइया द्विवेदी, सतीश पांडेय, राजेश पांडेय, बृजेश मिश्रा, प्रदीप शुक्ला, आदित्य मिश्रा, दीपू पयासी, भूपेंद्र तिवारी एवं मोहित परौहा आदि उपस्थित रहे।

वार्षिक वेतन वृद्धि लागू करने की मांग को लेकर

आशा, आशा सहयोगिनी श्रमिक संघ ने सौंपा ज्ञापन

देवास, ईएमएस।

आशा, आशा सहयोगिनी श्रमिक संघ जिला इकाई देवास के बैनर तले जिलाध्यक्ष सुनीता चौहान के नेतृत्व में आशा एवं पर्यवेक्षकों के द्वारा रैली निकालकर कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर वार्षिक वेतन वृद्धि शीघ्र लागू करने की मांग उठाई गई है। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया है कि आशा एवं पर्यवेक्षकों के लिए भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री द्वारा 29 जुलाई 2023 में घोषित वार्षिक वेतन वृद्धि का अभी तक भुगतान नहीं किए जाने से प्रदेश की आशा कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षक शासन एवं विभाग के इस भेदभावपूर्ण रवैए से आक्रोशित हैं। 20 अप्रैल 2025 को आशा कार्यक्रम के 20 वर्ष सफलतापूर्वक मनाया गया है। आशा एवं पर्यवेक्षक पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से काम करती हैं। इसके बावजूद उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। आगे बताया कि एक ओर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को घोषणा अनुसार 1000 रुपये वार्षिक वेतन वृद्धि का भुगतान 01 अप्रैल 2024 से किया जा रहा है। लाडली बहनों को 1250 रुपए प्रतिमाह भुगतान किया जा रहा है। राज्य कर्मचारियों के डीए में वृद्धि कर केंद्रीय कर्मचारियों के बराबर किया गया है लेकिन आशा कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों के साथ लगातार भेदभाव किया जा रहा है। ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी दी गई है कि यदि 6 मई 2025 तक आशा एवं पर्यवेक्षकों की वार्षिक वेतन वृद्धि का 1 अप्रैल 2024 से एरियस सहित भुगतान नहीं किया गया तो संयुक्त मोर्चा के आव्हान पर प्रदेश भर की आशा एवं पर्यवेक्षक बहिनें आगामी 07 मई 2025 को भोपाल में धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हो जाएगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान गेना गौड, ममता, तारा सोनिया, अनुराधा, प्रीति वेद्य, सरिता पोरवाल, एलम मालवीय, नीतू राठौड़, सम्पत कर्मा, राधा नागर, कमला सोलंकी सहित लगभग सैकड़ा की संख्या मे आशा एवं आशा पर्यवेक्षक बहनें शामिल रहीं।

श्री गुजराती रामी माली समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन, 33 नव युगल बंधे परिणय सूत्र में

देवास, ईएमएस। अक्षय तृतीया पर श्री गुजराती रामी माली समाज द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन सादगी पूर्वक हर्षोल्लास और पारम्परिक रूप से सम्पन्न हुआ। सम्मेलन मे 33 नवयुगल जोड़े परिणय सूत्र मे बंधे। समिति अध्यक्ष दिलीप बारोड, कोषाध्यक्ष कैलाश पडियार, सह-कोषाध्यक्ष रामेश्वर चौहान, समाज अध्यक्ष मुकेश गोयल ने पुरे सम्मेलन की व्यवस्था देखी। सम्मेलन मे विशेष आकर्षण के रूप में वरमाला के लिए अलग से एक सुंदर मंच (स्टेज) तैयार किया गया था, जिसे पारंपरिक सजावट से भव्य रूप से सजाया गया। साथ ही पायरो की व्यवस्था भी की गई। मंच पर अलग-अलग क्रमबद्ध तरिके से वर-वधू ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। समाज की एकता, सहयोग और परंपरा को दर्शाने वाला यह आयोजन न सिर्फ नवविवाहित जोड़ों के लिए वरदान साबित हुआ, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत भी बना। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, सामाजिक कार्यकर्ता, एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद भविष्य की कामना की गई। विवाह समारोह में संस्था युवा देवास दर्शन द्वारा जलपान एवं महादेव ऑप्टिकल के सहयोग से नेत्र परीक्षण शिविर की विशेष व्यवस्था की गई। सम्पूर्ण वैवाहिक कार्यक्रम आचार्य श्री पवन जी पंडित द्वारा विधि विधान से सम्पन्न करवाया गया। इस समारोह मे प्रदेशभर से बड़ी संख्या मे समाजजन शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में संपूर्ण कार्यकारिणी एवं समाज के सभी साथियों सहित दानदाताओं का विशेष सहयोग रहा।

फटाफट खबरें

अस्मिता पेंचक सिलाट वूमेंस लीग के लिए टीम रवाना

देवास, ईएमएस। नवी मुंबई में आयोजित अस्मिता पेंचक सिलाट नेशनल जूनियर वूमेंस लीग दिनांक 1 से 4 मई 2025 को क्रिस्ट अकादमी नवी मुंबई में आयोजित हो रही है जिसमें मध्य प्रदेश टीम की बालिका भाग लेगी। टीम के जाने के पूर्व पेंचक सिलाट एसोसिएशन मध्य प्रदेश के अध्यक्ष अबरार अहमद शेख, दीपेश कानूनगो पार्षद, मध्य प्रदेश के महासचिव अभय श्रीवास ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु वैष्णवी झाला, वैष्णवी सूर्यवंशी, महिमा पटेल, जान्हवी सरकार, खुशी कौशल, हर्षिल पटेरिया, सारिका देवड़ा, प्रतिज्ञा अग्रीरवाल, स्नेहा ठाकुर, सभी देवास, पूर्वशी विरहे इंदौर, सलोनी पांछे बालाघाट आदि रवाना हुए। सभी खिलाड़ी अपने-अपने वर्ग समूह में भाग लेंगे।

श्री जिझौतिया ब्राह्मण समाज के 8 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

देवास, ईएमएस। श्री जिझोतिया ब्राह्मण समाज मालवा निमाड महाल देवास इकाई द्वारा इस वर्ष अक्षय तृतीया पर सामूहिक विवाह का आयोजन कलश गार्डन में किया गया। समाज के मीडिया प्रभारी गजेन्द्र तिवारी ने बताया कि इस सम्मेलन में 8 जोड़ो का विवाह संपन्न हुआ। मुख्य पंडित अजय चौबे एवं अन्य पंडितों ने सामाजिक रीति रिवाज एवं मंत्रोच्चार के द्वारा जोड़ों का विवाह संपन्न कराया। कार्य म के मुख्य अतिथि विधायक गायत्री राजे पवार, विशेष अतिथि पूर्व महापौर जयसिंह ठाकुर, कांग्रेस नेता प्रदीप चौधरी, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष संजय शुक्ला, पार्षद पं. दीपेश कानूनगो, पं. रितेश शर्मा, नयन कानूनगो, आदि थे। सम्मेलन में महू निवासी गजेन्द्र कुमार शर्मा, आशा शर्मा की फर्म ज्वेलर्स भागीरथ बढ़ीलाल कामरेड की ओर से दो दिनों तक संपूर्ण समाज को स्वादिष्ट व्यंजन परोसकर अपना संकल्प पूरा किया। दो दिनों में लगभग 3000 लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

आईजा ने किया मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त

जैन साधु-साध्वी की सुरक्षा में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी : मुख्यमंत्री

सिरोंज, ईएमएस।

जैन साधु-साध्वी पर लगातार हो रहे हमले वाहन टक्कर व छेड़छाड की लगातार हो रही घटनाओं को लेकर उज्जैन के वरिष्ठ पत्रकार व आईजा के वरिष्ठ नेता अभय जैन भैया के साथ जैन समाज के एक प्रतिनिधि मण्डल ने विधायक के नेतृत्व ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मुलाकात की। जिसमें प्रतिनिधि मण्डल ने 5 मई को आयोजित धरना प्रदर्शन करने की बात कही थी। इस मामले को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा गंभीरता से लिया और उन्होने जैन समाज के साधु-साधवी की समस्याओं को लेकर प्रतिनिधि मण्डल को आश्वस्त किया। तो वही मुख्यमंत्री द्वारा आश्वस्त होने के बाद जैन समाज ने 5 मई को आयोजित धरना प्रदर्शन स्थगित कर दिया। इस अवसर उज्जैन के वरिष्ठ पत्रकार व आईजा के वरिष्ठ नेता अभय जैन एंव आईजा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव जैन सैनानी ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात के दौरान जैन समाज के प्रतिनिधि मण्डल ने जैन संतों की सुरक्षा के लिए अलग से कानून बनाए जाने की मांग की। मुख्यमंत्री ने सभी पहलुओं का अध्ययन कर संतों के पक्ष में उचित निर्णय लेने का आश्वासन देते हुए कहा कि संतों की सुरक्षा में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। कुछ दिन पहले जावद के समीप लुट के लिए आए बदमाशों ने जैन साधुओं के साथ मारपीट की। इस घटना के सात दिन ही बीते कि रतलाम से बदनावर मार्ग पर एक वाहन से आए बदमाशों ने पैदल विहार कर रही साध्वीजी को टक्कर मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। जिनका उपचार उज्जैन में जारी है। तीसरी घटना तीन दिन पहले उन्हेल से नागदा पैदल जा रही साध्वीजी ओर उनके साथ चल रहे दो सेवादार के साथ छेड़छाड़ ओर लुट की वारदात हो गई। एक पखवाड़े में तीन तीन घटना होने से जैन समाज में आक्रोश व्याप्त है। इसे लेकर समाज ने 5 मई को विशाल धरने की घोषणा की थी। तो वही मुख्यमंत्री के उज्जैन आगमन पर समाज के प्रतिनिधि मंडल ने विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से भेट की। संतोष जनक चर्चा होने पर 5 मई का घोषित धरना फिलहाल स्थगित कर दिया है। इस मौके पर प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से फार्मेसी कौंसिल के अध्यक्ष ओम जैन,संजय नाहर,अभय जैन भैया,महेंद्र सेठिया,विक्रांत जैन,सौरभ जैन,राजेश पटनी,संजय बाफना, डॉ संजीव जैन,संजय खलीवाला, सूर्या, सौरभ सिरोलिया,राजेंद्र सिरोलिया,यश जैन, अभिषेक सेठिया,राजेंद्र चेलावत,श्रीपाल रजावत, अमित भंसाली,धर्मेंद्र तरवेचा,पारस हरनिया, विशाल शेखावत आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

म.प्र राज्य अधिवक्ता परिषद में राजीव जैन सैनानी को अधिवक्ता के रूप में प्राप्त हुई सनद

सिरोंज, ईएमएस। मध्यप्रदेश आईजा के प्रदेश अध्यक्ष एंव वरिष्ठ पत्रकार राजीव जैन सैनानी को मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिशद से अधिवक्ता के रूप में सनद प्राप्त हुई। इस अवसर पर जस्टिस एन.के जैन,हाई कोर्ट एडवोकेट अमित जैन,यंग एडवोकेट्स काउंसिल के अध्यक्ष एडवोकेट राकेश सिंह भदौरिया,सिरोंज अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एडवोकेट कपिल त्यागी, वरिष्ठ अधिवक्ता सुभाष बोहत, एडवोकेट नरेन्द्र सिंह रघुवंशी, एडवोकेट अतुल वर्मा,डालचंद कोटिया, चेतन सक्सेना,जीवन सेन आदि अधिवक्ताओं ने श्री सैनानी को मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद से अधिवक्ता के रूप में सनद प्राप्त होने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

वही उन्होने कहा कि यह उपलब्धि राजीव जैन सैनानी के कठोर परिश्रम, अनुशासन, और विधि क्षेत्र के प्रति निष्ठा का प्रत्यक्ष प्रमाण है। वही अधिवक्ता साथियों ने विश्वास जताया है कि अधिवक्ता के रूप में राजीव जैन सैनानी का सहयोग न्याय की आस में आए नागरिकों को मिलेगा और वह उन्हें न्याय दिलाने में सक्षम साबित होंगे। इस मौके पर हाई कोर्ट एडवोकेट अमित जैन द्वारा राजीव जैन सैनानी को जैन अधिवक्ता संघ मध्य प्रदेश का सदस्य बनाया।

निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत की छत गिरी

चार मजदूर मलबे में दबे, घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया

शिवपुरी, ईएमएस।

शिवपुरी नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत ग्वालियर बायपास पर एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत की एक छत गिर जाने से उसमें चार मजदूर दब गए। चार मजदूर दब जाने के बाद घायल अवस्था में मजदूरों को पास में मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। मेडिकल कॉलेज में इन चारों घायलों का इलाज किया जा रहा है। ग्वालियर बायपास पर बहुमंजिला इमारत एक प्राइवेट बिल्डर द्वारा तैयार की जा रही है जिसका नाम संध्या लग्जरियस है इसमें एक मॉल सहित फ्लेटों का निर्माण किया जा रहा है।

छत डालते वक्त हुआ हादसा

निर्माणाधीन मॉल की तीसरी मंजिल की छत अचानक गिर जाने के बाद इस हादसे में चार मजदूर घायल हो गए। घायल मजदूरों में सब सिंह कृष्ण पटेलिया (42) मुड़ेरी बदरवास से, राकेश पटेलिया नगदा गुना से, कोक सिंह रूप सिंह पटेलिया आगरा बदरवास से और पप्पू पटेलिया शामिल हैं। सभी मजदूर छत डालने का काम कर रहे थे। सूचना मिलने के बाद बाद में कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

पाइप स्लिप होने से छत गिर गई

इस निर्माणधीन भवन की छत गिर जाने के बाद यहां से निकल रहे कुछ राहगीरों ने बताया कि इस बिल्डिंग का निर्माण महेंद्र गोयल करवा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दौरान भवन की तीसरी मंजिल की छत डालते समय यह हादसा हुआ। ठेकेदार दीपक गुप्ता के अनुसार निर्माण में पूरी सावधानी बरती जा रही थी। लकड़ी की जगह लोहे के मजबूत पाइप लगाए गए थे। छत डालने के बाद पाइप स्लिप होने से छत गिर गई। सभी घायलों को तुरंत मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है। शहर में बड़े हादसों होने के बाद मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ परमहंस भी घायल मरीजों का हाल जानने के लिए वार्ड में पहुंचे और तुरंत चिकित्सीय सेवाओं के लिए डॉक्टरों को निर्देशित किया।

बीएसआई मैदान पर टीम यामनी ने टीम प्रियांशी को सात विकेट से हराया

अंश यादव ने खेली 107 रन की विस्फोटक पारी

सीहोर, ईएमएस।

शहर के बीएसआई मैदान पर पीपीसीए के तत्वाधान में इंटर हाउस लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में शुक्रवार को एक मैच खेला गया। इसमें टीम यामनी ने टीम प्रियांशी को सात विकेट से हराया। इस मौके पर पीपीसीए अकादमी के कोच अतुल त्रिवेदी, चेतन मेवाड़ा और आदर्श राय ने टीम यामनी के विस्फोटक बल्लेबाज अंश यादव के मात्र 91 गेंद पर 107 रन की पारी के लिए मैन आफ द मैच प्रदान किया।

शुक्रवार की सुबह हुए इस मैच में टीम प्रियांशी ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। उन्होंने निर्धारित 40 ओवर में 10 विकेट खोकर 187 रन बनाए थे। इसमें विकास ने 22 रन, वरुण शुक्ला ने 77 गेंद पर 78 रन, अंशुल ने 12 रन और कुलदीप ने 13 रन की पारी खेली। इधर टीम यामनी की ओर से गेंदबाजी करते हुए निर्मल, तनिश्क, नैतिक गोहिया और जय जाटव ने दो-दो विकेट औ आशीष-केशव ने एक-एक विकेट हासिल किया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम यामनी ने 27.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। इसमें अंश यादव ने नाट आउट 91 गेंद पर 107 रन, आदर्श राय ने 25 रन की पारी खेली। इसके अलावा राजेन्द्र गौर ने दो विकेट और अभिजीत ने एक विकेट हासिल किया।

डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शनिवार की सुबह टीम यामीन और अंजली के मध्य मैच खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में चार टीम का चयन किया गया है।

वैज्ञानिक को मिला शोध के लिए सम्मान

सीहोर, ईएमएस।

राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान प्रोजेक्ट कृषि महाविद्यालय सीहोर में पदस्त मुख्य वैज्ञानिक मृदा विज्ञान एवं हेड पी जी अकादमिक डा आर सी जैन को उनके अंतराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित शोध एवं उनके कृषि अनुसंधान ,शिक्षा ,और प्रसार के क्षेत्र अंतराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट योगदान के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ स्कॉलर्स के चेयरमैन डॉ एन वैनजूर और अंतराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय मंच ने उन्हें उत्कृष्ट कार्यों के लिए रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2024 से वर्चुअली सम्मानित किया है और उन्हें उनके उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक बधाईयां मंगल शुभ कामनाएं दीं ।भारतीय वैज्ञानिक समूह एवं निदेशक अनुसंधान डा एस के शर्मा एवं मित्रों ने उनकी इस उपलब्धि पर भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए हर्षित बधाईयां दीं ।

प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में आज किया जाएगा घृताधिवास और नित्य पूजन हवन

शिव महापुराण एक दिव्य ग्रंथ है जो मानव जाति को सुख और आनंद प्रदान करता है : कथा वाचक पंडित चेतन उपाध्याय

सीहोर, ईएमएस।

शिव महापुराण में, ऋषि वेदव्यास ने भगवान शिव के स्वरूप को बताया है, जिसमें उनके कल्याणकारी स्वरूप, विभिन्न रूप, अवतार और ज्योतिर्लिंग शामिल हैं। शिव महापुराण एक दिव्य ग्रंथ है जो मानव जाति को सुख और आनंद प्रदान करता है। शिव-विवाह को जीवात्मा का परमात्मा, कामना का भावना और नदियों का सागर से मिलन है। उक्त विचार शहर के प्राचीन श्री हंसदास मठ, दशहरा बाग उमा शंकर धाम कालोनी के पास जारी सात दिवसीय संगीतमय श्री शिव महापुराण के तीसरे दिन कथा वाचक पंडित चेतन उपाध्याय ने कहे।

श्री हंसदास मठ में स्फटिक श्री रिद्धेश्वर महादेव प्राण-प्रतिष्ठा सिद्ध श्री हनुमान महाराज की स्थापना का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव का आयोजन महंत श्री हरिरामदास महाराज के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शिव महापुराण के अलावा शुक्रवार को ब्राह्मण बटुकों का वैदिक शास्त्रानुसार उपनयन संस्कार के अलावा प्रतिमाओं का पुष्पाधिवास, फलाधिवास, शर्कराधिवास और अग्नि स्थापना का आयोजन किया। महंत श्री ने बताया कि शनिवार को प्रतिमाओं घृताधिवास, मिष्ठानाधिवास, पत्राधिवास और नित्य पूजन हवन किया जाएगा।

पंडित श्री उपाध्याय ने कहाकि मन अगर पवित्र तो शिव आपके हृदय में विराजमान हो जायेंगे इसलिए शिव की भक्ति के लिए मन की पवित्रता प्रथम आवश्यकता है। मन की पवित्रता अच्छी संगत से आती है इसलिए संतो की संगत को श्रेष्ठ माना गया है। सब देवताओं की शक्ति जब एकाकार हुई तब शक्ति स्वरूपा दुर्गा का आविर्भाव हुआ भारतीय संस्कृति में महिलाओं को शक्ति स्वरूपा दुर्गा रूप में स्वीकार किया गया है वही धन ऐश्वर्य की प्राप्ति भी लक्ष्मी विद्या की प्राप्ति सरस्वती से होती है ये सब नारी का स्वरूप है परंतु पाश्चात संस्कृति के प्रभाव में नारी के सम्मान और चरित्र की हानि हुई है, अब हम सभी की जिम्मेदारी है कि राष्ट्र में भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना की आवश्यकता है। शुक्रवार को पंडित श्री उपाध्याय ने भगवान शिव और सती की कथा का विस्तार से वर्णन किया। शिव एवं सती के विवाह के बारे में बताया की भगवान शिव के विवाह के बारे में पुराणों में वर्णन मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव ने सबसे पहले सती से विवाह किया था। भगवान शिव का यह विवाह बड़ी जटिल परिस्थितियों में हुआ था। सती के पिता दक्ष भगवान शिव से अपने पुत्री का विवाह नहीं करना चाहते थे लेकिन ब्रह्मा जी के कहने पर यह विवाह सम्पन्न हो गया। एक दिन राजा दक्ष ने भगवान शिव का अपमान कर दिया जिससे नाराज होकर माता सती ने यज्ञ में समाहित हो गई। इसके बाद भगवान शिव तपस्या में लीन हो गए। उधर माता सती ने हिमवान के यहां पार्वती के रूप में जन्म लिया।

विवेकानंद महाविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन संपन्न

मैहर, ईएमएस। शासकीय विवेकानंद महाविद्यालय मैहर में पूर्व छात्रो का सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन प्राचार्य डॉ. राजेश सिंह के संरक्षण में आयोजित किया गया। महाविद्यालय के पूर्व छात्रो के बीच पदाधिकारीयो का चयन आपसी तालमेल से हुआ। पूर्व छात्र सम्मेलन में धर्मशे घई, संतोष सोनी, संदीप पांडेय, मनोज रजक, कमल सावनानी उपस्थित रहे। पूर्व छात्र सम्मेलन के पदाधिकारियों का स्वागत भाषण प्राचार्य डॉ. राजेश सिंह द्वारा दिया गया। पूर्व छात्र संगठन के नियमावली के बारे मे संयोजक डॉ. एके सिन्हा के द्वारा जानकारी प्रदान की गई। महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष संतोष पांडेय, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष दिलीप दुबे, वीरेंद्र सिंह, शैलेष तिवारी, अन्नपूर्णा बड़गइयां, श्रवण पांडेय आदि छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो.शैलेन्द्र प्रताप द्वारा एवं आभार प्रदर्शन डा. एसके पांडेय द्वारा व्यक्त किया गया।

श्रमिक सभा में बड़ी संख्या में श्रमिक शामिल हुए

मजदूर दिवस पर आयोजित की श्रमिक सभा

देवास, ईएमएस।

ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मोर्चा देवास द्वारा अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर सैयाजी पार्क मे श्रमिक सभा आयोजित की । श्रमिक सभा में बड़ी संख्या में श्रमिक शामिल हुए, इस अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुए AITUC (एटक) के कॉमरेड कैलाश सिंह राजपूत ने कहा कि आज संघर्ष से हासिल किए हुए श्रम अधिकारों को में लगातार कटौती की जा रही है।

सारी दुनिया को चलाने वाला मजदूर वर्ग का शोषण चरम पर है राज्य व केन्द्र सरकारों ने पूंजीपतियों से सांठ गांठ करके श्रमिक विरोधी जो क़ानून बना दिए हैं जिसके की कारण आज श्रमिकों का भयंकर आर्थिक शोषण हो रहा है. वे ठीक से दो जून की रोटी भी नहीं मिल पा रही हैं। ठेकेदारी प्रथा ने मजदूरों का शोषण में और वृद्धि की है। मजदूरों से 12 से 14 धंटो तक श्रम कराया जा रहा है. श्रमिकों को ऊंच -नीच, पाखंड, सम्प्रदाकता आदि में उलझा के रखा है. ना कोई ओवर टाइम, ना पेंशन, ना कोई सामाजिक सुरक्षा ना न्यूनतम वेतन पा रहा है इसलिए आज श्रमिक वर्ग को अपनी जायज मांगों लेकर जाति, धर्म से ऊँचा उठकर संगठित होकर आंदोलन करना होगा। कॉमरेड शैलेन्द्र शैल्की व कॉमरेड हरिद्वार सिंह की मजदूर दिवस पर सोसिअल मीडिया पर उपलब्ध बातचीत को सुनने व अधिक से अधिक साथियों को सुनाने की अपील की.मजदूरों, किसानों, मेहनतकशो की संघठित होकर सरकार बनाने की अपील की ताकि दुख की काली अंधयारी रात के बाद सुख, शांति, समृद्धि का सूर्य उदय हो सके.केंद्रीय ट्रेड यूनियन AIUTUC के जिला सचिव कॉमरेड राजुल श्रीवास्तव ने मई दिवस के इतिहास पर विस्तार से बात रखते हुए कहा कि पहले काम के घंटे निश्चित नहीं थे मजदूरों से सुबह सूरज उदय से पहले तथा शाम को सूर्य अस्त के बाद तक काम कराया जाता था, उन्हें इंसान नहीं समझा जाता था मालिक वर्ग मजदूरों को उत्पादन के लिए कच्चा माल की तरह ही समझता था तब मजदूरों ने सामूहिक संघर्ष चलाते हुए एकताबद्ध रूप संघर्ष किया । एक मई मजदूरों के खूनी संघर्ष के दिन रूप में दर्ज है जब मजदूरों ने 8 घंटे काम की मांग को लेकर 1 मई 1886 को अमेरिका के शिकागों शहर में हड़ताल की थी और शासक वर्ग ने आंदोलन को कुचलने के लिए पुलिस मिल्ट्री का सहारा लेकर लाठीचार्ज किया, गोली मारी जिससे कई मजदूर शहीद हुए उनकी कमीज का रंग जो सफेद था गोली लगने से खून के कारण लाल हो गया, तभी से मजदूरों का झंडा लाल रंग संघर्ष का प्रतीक है।

14 जुलाई 1889 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मलेन के दौरान महान ऐंगल्स के नेत्रृत्व मे 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक एकता दिवस के रूप में मनाने का जो निर्णय लिया गया, उसे ही दुनिया भर के मज़दूर आज पूरी शिद्दत से मनाते हैं।आज जब महंगाई बेरोजगारी के खिलाफ उठ रहे जनांदोलनों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए जहां एक तरफ साम्प्रदायिकता भड़काकर दंगे करवाये जा रहे हैं। लेकिन इतिहास ने दिखाया है कि इन सब साज़िशों के बावजूद जब मेहनतकशों और आम जनता को सही वर्ग दृष्टिकोण आधारित राजनैतिक सिद्धांत से लैस किया जाए, तो बड़ी से बड़ी निरंकुश सत्ता भी रेत के महल की तरह धराशाई हो जाती है।

मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन

बडवानी, ईएमएस। वित्तीय एवं वैचारिक स्वतंत्रता महिला सशक्ति करण के मुख्य आधार स्तंभ है। किसी भी महिला के जीवन में सबसे संतोषजनक स्थिति होती है। जब उनके हाथों में स्वयं का पैसा होता है, पैसा होने से उन्हे किसी पर निर्भर नही रहना पड़ता है। मध्यप्रदेश में 2007 से लागू लाड़ली लक्ष्मी योजना का उद्देश्य समाज में बालिका जन्म के प्रति सकारात्मक सोच, लिंग अनुपात में सुधार, बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर तथा स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार तथा उनके अच्छे भविष्य की आधारशीला रखना है। आप सभी इस योजनान्तर्गत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का सदुपयोग एवं मेहनत कर अपने जीवन को सफल बनाये। उक्त बाते नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी निक्कू चौहान एवं प्रभारी कलेक्टर सुश्री काजल जावला ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह में मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के दौरान कही। सर्वप्रथम कार्य म की शुरूआत कन्य पूजन के साथ की गई । इसके पश्चात् कलेक्टर कार्यालय के परिसर में ''बिटिया उद्यान'' का लोकार्पण कर ''एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम'' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। कलेक्ट्रेट सभागृह में हुआ लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन बड़वानी नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी निक्कू चौहान एवं प्रभारी कलेक्टर सुश्री काजल जावला की अध्यक्षता में शु वार को कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत ''लाड़ली लक्ष्मी उत्सव'' का आयोजन किया गया। कार्य म में जिला परियोजना अधिकारी एवं सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि वर्तमान में जिले में कुल 85230 बालिका लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत पंजीकृत है।

पहलगाम में शहीदों को दी श्रद्धांजलि निकाला कैंडल मार्च

मैहर, ईएमएस। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने पूर्व घोषित जंतर मंतर दिल्ली में राष्ट्रव्यापी विशाल धरना प्रदर्शन को देशहित में स्थगित करते हुए पहलगाम में शहीद नागरिकों को जिला स्तर पर मजदूर दिवस पर श्रद्धांजलि सभा व कैंडल मार्च निकालने का निर्णय लिया था।

निर्णय अनुसार एनएमओपीएस जिला मैहर द्वारा सायं 6 वजे चंडी देवी मंदिर मैहर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर सदस्य अशोक तिवारी ने आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में निर्दोष 27 नागरिकों की हत्या को कायराना हरकत बताते हुए फांसी की सजा की मांग की। संभागीय अध्यक्ष मनमोहन दुबे ने कहा कि हम शहीद नागरिकों को श्रद्धांजलि देते हुए देश के प्रधानमंत्री से आग्रह करते है कि आतंकवादियों को करारा जवाव दिया जाय। श्रद्धांजलि सभा उपरांत चंडीदेवी मंदिर से घंटाघर तक कैंडल मार्च निकालकर घंटाघर चैक में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मुंबई इंडियंस आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुम्बई इंडियंस की टीम राजस्थान रॉयल्स को 100 रनों से हराकर आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। मुंबई की यह 11 मैचों में 7वीं जीत है। वहीं अब तक नंबर एक पर चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। राजस्थान रॉयल्स की टीम मुम्बई से मिली हार के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई है।

अफरीदी की पिटाई का पुराना वीडियो सामने आया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी हमेशा ही अपने विवादास्पद बयानों के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने भारतीय सेना की आलोचना की थी जिसके बाद वह जमकर ट्रॉल हुए थे। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया है, इसमें लोग अफरीदी की पिटाई करते दिख रहे हैं। ये वीडियो अभी का नहीं बल्कि एक दशक से ज्यादा पुराना है।

आईपीएल में आज सीएसके को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी आरसीबी

शाम 7.30 बजे से होगा मुकाबला

बेंगलुरु (ईएमएस)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलेगी। आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। सीएसके ने इस सत्र में अबतक शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सात मैच जीते हैं जिससे उसके 14 अंक और वह अंकतालिका में दूसरे नंबर पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज शानदार फार्म में हैं। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के भी लय में होने से टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है।

वहीं दूसरी ओर सीएसके की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है और अब उसका लक्ष्य इस मैच में उन खिलाड़ियों की तलाश करने पर रहेगा जो अगले सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सके। ऐसे में टीम के युवा खिलाड़ियों को अधिक से अधिक अवसर देने की उम्मीद है। वहीं प्रशंसक इस मैच में सीएसके के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली को खेलते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आरसीबी अगर इस मैच में जीती तो उसके कुल 16 अंक हो जाएंगे और वह प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। आरसीबी को इसके बाद तीन और मुकाबले खेलने हैं और जिस तरह से उसने अब तक खेला है उसका लक्ष्य इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। टीम का प्रयास प्लेऑफ के लिए शीर्ष दो में पहुंचना रहेगा। दूसरी ओर सीएसके का लक्ष्य इस मैच में जीतकर आरसीबी की संभावनाओं को कम करना रहेगा। इस मैच में विराट के पास बड़ी पारी खेलकर ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले स्थान पर पहुंचना रहेगा। अभी वह तीसरे नंबर पर हैं।

इस मैच में आरसीबी की बल्लेबाज विराट के अलावा देवदत्त पडिक्कल और फिल साल्ट व कप्तान रजत पाटीदार पर आधारित रहेगी।

सीएसके के गेंदबाजों का इस सत्र में प्रदर्शन सामान्य रहा है। ऐसे में आरसीबी को शायद ही कोई परेशानी हो। सीएसके की गेंदबाजी तेज गेंदबाज खलील अहमद और स्पिनर नूर अहमद पर निर्भर है। आरसीबी के पास जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार, जैसे गेंदबाज हैं जिनके आगे रन बनान सीएसके के बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन रहेगा।

सीएसके की बल्लेबाजी सैम कुरेन, डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे के अलावा युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे,पर टिकी है। कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी निचले फिनिशर के तौर पर ही उतरेंगे हालांकि इस सत्र में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु = रजत पाटीदार (कप्तान) फिल साल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, कृणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा, लुंगी एनगिडी, लियाम लिविंगस्टोन, स्वप्निल सिंह, मनोज भांडागे, रसिख दार सलाम, नुवान तुषारा, जैकब बेथेल, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स = एमएस धोनी (कप्तान, विकेटकीपर), शेख रशीद, आयुष म्हात्रे, दीपक हुडा, सैम कुरेन, रवींद्र जडेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना, अंशुल कंबोज, आर अश्विन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, जेमी ओवरटन, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, श्रेयस गोपाल, डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस, सी आंद्रे सिद्धार्थ, वंश बेदी।

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम को 2-0 से हराया

पर्थ (ईएमएस)।

भारतीय महिला हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे में लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। कर्टनी शोनेल और ग्रेस स्टीवर्ट के एक-एक गोल से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारतीय टीम को 2-0 से हराया। शोनेल ने पहले क्वार्टर के नौवें मिनट में ही गोल कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद ग्रेस ने 52वें मिनट में एक गोल कर अपनी टीम की बढ़त 2-0 से कर दी। भारतीय टीम को इससे पहले भी दो अभ्यास मैचों में ऑस्ट्रेलिया 'ए के ??खिलाफ 3-5 और 2-3 से हार झेलनी पड़ी थी। इस मैच में मेजबान टीम शुरुआत से ही हावी रही पर इसका लाभ उसे नौवें मिनट में मिला जब शोनेल ने गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। वहीं दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने अच्छा प्रयास करते हुए दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पायी। दूसरे क्वार्टर में बेहतर प्रदर्शन के बाद भी भारतीय टीम 0-1 से पीछे रही। वहीं तीसरे क्वार्टर में दोनो ही टीमों ने प्रयास किये पर वे गोल नहीं कर पायीं। इसके बाद चौथे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलियाई टीम एक गोल करने में सफल रही जिससे उसे जीत मिली।

योगी आदित्यनाथ से मिले कपिल देव

लखनऊ (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की है। कपिल देव वर्तमान में पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के प्रमुख हैं। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, विख्यात क्रिकेट खिलाड़ी एवं 1983 की विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल से लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात हुई।

कपिल ने साल 1978 से 1994 तक भारतीय टीम से खेला है। वह विश्व के बेहतरीन ऑलराउंडरों में शामिल रहे हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह कोच, कमेंटेटर और हरियाणा के स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के चांसलर जैसे पदों पर रहे हैं। वहीं अक्टूबर 1999 से अगस्त 2000 तक वे भारतीय टीम के कोच भी रहे हैं। इसके बाद जून 2024 में वह पीजीटीआई अध्यक्ष बने। इससे पहले वह 2021 से 2023 तक पीजीटीआई के उपाध्यक्ष और संचालन समिति के सदस्य थे। उनके कार्यकाल में 'कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन इनविटेशनल' नामक गोल्फ टूर्नामेंट की शुरुआत हुई, जो डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में आयोजित किया गया। पिछले कुछ साल में कपिल कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में शामिल रहे हैं।

बल्लेबाजी असफल होने से हारे : रियान

अहमदाबाद (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स की टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हार के साथ ही आइपीएल प्लेऑफ की रैस से बाहर हो गयी। इसी को लेकर राजस्थान के कार्यवाहक कप्तान रियान पराग ने निराशा जतायी है। रियान ने कहा कि हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव के शानदार प्रदर्शन के कारण ही ये मैच हमारे हाथ से निकल गया। रियान ने कहा कि इस विकेट पर 190 से 200 के लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि जीत का श्रेय उन्हें देना ही होगा क्योंकि उन्होंने 10 रन प्रति ओवर के हिसाब से रन बनाये। वहीं हमारी बल्लेबाजी असफल रही। इस विकेट पर 190 से 200 का लक्ष्य आदर्श होता है पर हार्दिक और सूर्यकुमार ने अंत में मैच का नक्शा बदल दिया।

सूर्यकुमार ने नया रिकॉर्ड बनाया उथप्पा को पीछे छोड़ा

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई इंडियंस के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान एक अहम उपलब्धि हासिल की है। सूर्या अब लगातार 11 पारियों में 25 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में नंबर एक पर पहूंच गये हैं। इसी के साथ ही सूर्या ने पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का रिकार्ड तोड़ा है। उथप्पा ने 2014 आईपीएल में 10 बार यह रिकार्ड कायम किया था।

धवन और सोफी ने सोशल मीडिया पर की अपने रिश्ते की पुष्टि

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने आंखिरकार माना है कि वह आयरिश युवती सोफी शाइन के साथ रिलेशनशिप में हैं। पिछले कुछ समय से यह धवन और सोफी को कई जगह पर एक साथ देखा गया था। उसके बाद से ही इनके बीच अफेयर की चर्चाओं ने जोर पकड़ा। पिछले कुछ समय में दौरान सोशल मीडिया पर भी इनकी कई तस्वीरें आई हैं पर तब इन दोनो ने अपनी ओर से कोई बयान नहीं दिया था।

फटाफट खबरें

बीएफएसआई सेक्टर में फिर बढ़ी निवेशकों की दिलचस्पी

नई दिल्ली (ईएमएस)। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और बीमा (बीएफएसआई) सेक्टर में एक बार फिर निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से यह भारत का सबसे बड़ा लिस्टेड सेक्टर है और हाल की बाजार गिरावट के बावजूद मजबूत बना रहा। पिछले दो महीनों में इस सेक्टर ने 13.9 फीसदी की बढ़त दर्ज की है। बीएफएसआई कंपनियां मुख्य रूप से घरेलू बाजार पर आधारित होती हैं, इसलिए वे ग्लोबल टैरिफ वॉर से काफी हद तक प्रभावित नहीं होतीं। हालांकि कैपिटल मार्केट से जुड़ी कंपनियों में शॉर्ट टर्म में कमजोरी देखी जा सकती है। इसी वजह से निवेशकों ने इस सेक्टर को प्राथमिकता दी है। पिछले दो से तीन वर्षों में इस सेक्टर का रिटर्न व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर रहा है, जिससे अब इसके वैल्यूएशन अपेक्षाकृत आकर्षक हो गए हैं। बीएफएसआई सेक्टर में कई तरह की कंपनियां शामिल होती हैं। ऐक्टिवली मैनेज किए जाने वाले बीएफएसआई फंड अपने कुल एसेट का कम से कम 80 फीसदी हिस्सा इस सेक्टर की कंपनियों में निवेश करते हैं।

ग्रो ने शुरू किए नए सिल्वर ईटीएफ

नई दिल्ली (ईएमएस)। ग्रो म्युचुअल फंड (ने दो नए सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (सिल्वर ईटीएफ) लॉन्च किए हैं, जिनका नाम है ग्रो सिल्वर ईटीएफ और ग्रो ?सिल्वर ईटीएफ एफओएफ। इन नए निवेश स्कीमों में निवेश करने की शुरुआत 2 मई से है और इनमें पैसा लगाने की अंतिम तारीख 16 मई है। ग्रो सिल्वर ईटीएफ एक ओपन-एंडेड ट्रेडेड फंड है जो फिजिकल चांदी की कीमतों को ट्रैक करने के लिए डिजाइन किया गया है। यहाँ निवेशक मिनिमम 500 रुपए से निवेश कर सकते हैं और कोई लॉक इन या एग्जिट लोड नहीं है। ग्रो सिल्वर ईटीएफ एफओएफ एक फंड ऑफ फंड स्कीम है जो ग्रो सिल्वर ईटीएफ की यूनिट्स में निवेश करेगा।

सेंसेक्स 260 अंकों की तेजी के साथ ही 80,502 के स्तर पर बंद हुआ

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। आज के कारोबार में सेंसेक?स और निफ्टी दोनों में ही तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 260 अंकों की तेजी के साथ ही 80,502 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 13 अंकों की तेजी के साथ ही 24,347 के स्तर पर बंद हुआ। आज निफ्टी बैंक,वित्तीय और आईटी इंडेक्स लाभ के साथ बंद हुए जबकि वाहन, एफएमसीजी, मेटल, फार्मा और संपत्ति क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गयी। आज सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में अडानी पोर्ट , इंडसइंड बैंक, एसबीआई, टाटा मोटर्स आदि रहे वहीं सबसे अधिक नुकसान वाले शेयरों में एनटीपीसी, कोटक बैंक और टाइटन व पावर ग्रिड रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत हरे निशान के साथ हुई। सेंसेक्स 727.82 अंक की बढ़त के साथ 80,970 और निफ्टी 199 अंक की तेजी के साथ 24,528 पर कारोबार कर रहा था। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के मजबूत नतीजों के कारण अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। करीब 5 प्रतिशत की बढ़त के साथ यह सेंसेक्स का टॉप गेनर था। इसके अतिरिक्त सुबह के कारोबार में मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक, एमएंडएम, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल (जोमैटो), टीसीएस, टाटा स्टील और आईटीसी टॉप गेनर्स थे। आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 295 अंक की तेजी के साथ 54,420 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 96 अंक की बढ़त के साथ 16,545 पर कारोबार कर रहा था। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, मेटल और प्राइवेट बैंक के साथ करीब सभी इंडेक्सों में हरे निशान में कारोबार हो रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी के साथ कारोबार हुआ। टोक्यो, हांगकांग, सोल, जकार्ता और बैंकॉक हरे निशान में थे जबकि अमेरिकी बाजार भी गत दिवस तेजी के साथ बंद हुआ था।

पया 77 पैसे मजबूत होकर 83.77 डॉलर पर

मुंबई (ईएमएस)। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.98 पर खुला। फिर बढ़त के साथ 83.77 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 77 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.54 पर बंद हुआ था। महाराष्ट्र दिवस' के अवसर पर गुरुवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.97 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अप्रैल में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सर्वाधिक 2.37 लाख करोड़ रुपये रहा जो घरेलू मांग की बेहद स्थिति को दर्शाता है। इसके अलावा विदेशी पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख ने भी भावनाओं को और बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में कोई भी वृद्धि तेजी से लाभ को उलट सकती है और रुपये पर दबाव डाल सकती है जैसा कि पिछले भू-राजनीतिक प्रकरणों में हुआ था।

सोना 93000 के करीब पहुंचा, चांदी ने भी मारी छलांग, बाजार में दिखी तेजी

वैश्विक बाजार में भी सोने-चांदी के भाव में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)।

बीते कुछ दिनों से सोने-चांदी की कीमतों में आ रही गिरावट शुक्रवार को थम गई है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 92,850 रुपये, जबकि चांदी के भाव 95,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 496 रुपये की तेजी के साथ 92,835 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 92,339 रुपये था। इस समय यह 531 रुपये की तेजी के साथ 92,870 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही।

एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 460 रुपये की तेजी के साथ 95,189 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 94,729 रुपये था। इस समय यह 496 रुपये की तेजी के साथ 95,225 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,247.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,222.20 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.38 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 32.18 डॉलर था। इस समय यह 0.44 डॉलर की तेजी के साथ 32.62 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

तूफानी तेजी में उछला रेलटेल का शेयर

नवरत्न कंपनी के शेयर बने रॉकेट, 113 करोड़ रुपये से ज्यादा का हुआ है मुनाफा

नई दिल्ली (ईएमएस)। रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयरों में बाजार खुलते ही एक नई तूफानी तेजी नजर आ रही है। मल्टीबैगर रेल कंपनी के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 10 फीसदी से अधिक उछलकर 326.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस तेज उछाल की पीछे मार्च 2025 तिमाही के शानदार नतीजों का अहम योगदान है। जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में रेलटेल कॉरपोरेशन का मुनाफा 46.3 पर्सेंट बढ़कर 113.4 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 77.53 करोड़ रुपये था।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता पर चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत में सार्थक प्रगति के लिए आयात शुल्क के मुद्दों को सुलझाने के साथ ही व्यवसायों के समक्ष पेश होने वाली गैर-शुल्क बाधाओं का समाधान तलाशने पर समान रूप से गौर करने पर जोर दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच के बीच ब्रसेल्स में हुई बैठक के दौरान वार्ता की प्रगति पर चर्चा की गई। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारत ने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार वार्ता में सार्थक प्रगति के लिए शुल्क चर्चाओं के साथ-साथ गैर-शुल्क बाधाओं पर भी समान ध्यान देने की जरूरत है। इसके अलावा नियामक ढांचे को समावेशी, आनुपातिक होना चाहिए तथा व्यापार को प्रतिबंधित करने से बचना चाहिए। देश ने पहले भी कई अवसरों पर यूरोपीय संघ के बाजारों में घरेलू उद्योग के समक्ष उत्पन्न गैर-शुल्क बाधाओं का मुद्दा उठाया है और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए इस मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया है। उन्होंने मासिक वार्ता और निरंतर ऑनलाइन जुड़ाव के जरिये वार्ता की गति को बनाए रखने के महत्व पर भी बल दिया।

विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन में तेज गति से वृद्धि: सर्वेक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में एक सकारात्मक रुख नजर आ रहा है, जैसा कि एक नवीन मासिक सर्वेक्षण ने दर्शाया है। अप्रैल में जारी सर्वेक्षण के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन गतिविधियों में वृद्धि है और जून 2024 के बाद सबसे तेज गति से बढ़ रही है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक अप्रैल में बढ़कर 58.2 हो गया जो मार्च में 58.1 था। यह 10 महीने में इस क्षेत्र में सबसे मजबूत सुधार का संकेत है।प्रमुख कारक नए व्यवसायों में सक्रियता का विकास है जो उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विनिर्माण क्षेत्र की विस्तार दर को बेहतर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग से समर्थन मिल रहा है।

इनसाइडर ट्रेडिंग मामले में इंडसइंड बैंक को राहत

नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने इंडसइंड बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कथपलिया और डिप्टी सीईओ अरुण खुराना के खिलाफ चल रही इंसाइडर ट्रेडिंग की जांच को बंद कर दिया है। इनके सेशन के बाद कहा गया कि उनकी शेयर्स बेचने में कोई गड़बड़ी नहीं मिली। इस इस्तीफे के परिणाम स्वरूप, इंडसंड बैंक के शेयरों में मजबूती देखने को मिल रही है। संदीप पारिख, फिनसेक लॉ एडवाइजर्स के मैनेजिंग पार्टनर ने इस मुद्दे पर कहा कि इंसाइडर ट्रेडिंग को साबित करने के लिए विशिष्ट सबूतों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि यह आम अभियान है कि कंपनी के अधिकारियों को शेयरों को बेचने की अनुमति मिलती है, लेकिन जब यह साबित नहीं होता कि इन्फॉर्मेशन सार्वजनिक होने से पहले बड़ी मात्रा में शेयरों की विक्री की गई थी, तब इंसाइडर ट्रेडिंग सिद्ध होती है। सेबी ने कहा कि शेयर बिक्री कर्मचारी स्टॉक ओनरशिप प्लान के तहत वेस्ट होने के बाद की गई थी और सभी लेन-देन की सूची बाजार को समय पर बता दी गई थी, इसलिए इंसाइडर ट्रेडिंग का कोई सबूत नहीं मिला। लेखा घोटाले के संदर्भ में, बैंक ने वित्तीय नुकसान करने वाले गलत लेखांकन के लक्षण दिखाए और इसका पता अक्टूबर 2024 में चलते चलते चला गया।

एसबीआई के शेयर में गिरावट से निवेशक चिंतित

मुंबई (ईएमएस)। स्टेट बैंक आफ इं?डिया (एसबीआई) के शेयरों में बुधवार को 3 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली। यह बैंक शेयर पिछले 5 कारोबारी ?दिनों में 835 रुपये के उच्च स्तर से गिरकर 784 रुपये के स्तर को छू चुका है, और 788 रुपये पर बंद हुआ। ऐसे में निवेशकों को चिंता सताने लगी है कि जहां दूसरे प्राइवेट बैंक चढ़ रहे हैं तो फिर एसबीआई का शेयर क्यों गिर रहा है। दरअसल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में गिरावट की एक वजह फंड राइजिंग से जुड़ी है। बैंक मार्च 2026 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के दौरान फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ), राइट्स इश्यू या[ ]लिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) समेत विभिन्न विकल्पों के जरिए पैसा जुटाने पर विचार कर रहा है। इस प्रस्तावित पूंजी जुटाने की योजना पर अंतिम फैसला 3 मई को होने की उम्मीद है। इस दिन एसबीआई अपनी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा एसबीआई के इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति दिए जाने की संभावना है। एसबीआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बोर्ड इ[ ]टी के माध्यम से फंड जुटाने पर विचार करेगा। यह जानकारी बैंक ने 29 अप्रैल को बाजार बंद होने के बाद एक्सचेंज को दी।

इंदौर बाजार भाव

इन्दौर (ईएमएस)। लेवाली सामान्य रहने से शुक्रवार को खाद्य तेलों में सुस्ती रही। तिलहन बाजार बने रहे। दलहनों में चना नरमी की गिरफ्त में रहा। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में लेवाली सामान्य ही है। जिसके चलते भावों में नरमी का वातावरण है। तिलहनों में बाजार बने हुए है। दलहनों में चना पूछपरख के अभाव में घटाकर बोला गया। मसूर में बाजार सुस्ती पर रहे। किराना जिंसों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। शक्कर में बाजार सुर्ख रहे। भाव इस प्रकार रहे:-

सीएम डॉ. यादव ने 4 यात्रियों के निधन पर जताया शोक

भोपाल (ईएमएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विदिशा जिले के लटेरी तहसील में बस दुर्घटना में 4 यात्रियों की आकस्मिक मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। दुर्घटनाग्रस्त यात्री बस इन्दौर से सिरोंज जा रही थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजन के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

राजनीतिक प्रशासनिक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. सलूजा को दी श्रद्धांजलि

भोपाल (ईएमएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के रानी बाग़ स्थित निवास में स्व. नरेंद्र सलूजा के परिजनों से भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. सलूजा के शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और इस गहन दुख को सहन करने की ईश्व.र से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. सलूजा के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए बाबा महाकाल से प्रार्थना की।

एकात्म पर्व के समापन के अवसर पर सीएम डॉ. मोहन बोले...

भारत को शस्त्रों की परंपरा से भी सशक्त बनाना होगा

भोपाल,ईएमएस।

आदिगुरु शंकराचार्य की जयंती पर शुक्रवार को ओंकारेश्वर पहुंचे मुख्यमंत्री ने संत समागम में अपनी बात रखी। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत को केवल शास्त्रों से नहीं, शस्त्रों की परंपरा से भी सशक्त बनाना होगा। इस मौके पर 500 शंकरदूतों को दीक्षा दी गई। अद्वैत लोक निर्माण और धार्मिक नगरों में शराब मुक्ति जैसे मुद्दों पर भी उन्होंने सरकार की नीतियां गिनाईं। सीएम ने कहा कि आदिगुरु शंकराचार्य ने धर्म जागरण के लिए शक्ति की आराधना की। आज ज्ञान, वैराग्य, अध्यात्म के साथ शक्ति संपन्न भारत की जरूरत है। उन्होंने कहा कि धर्म जागरण के लिए शंकराचार्य ने दंडी स्वामी के रूप में शक्ति की आराधना की। आज शास्त्रों, ज्ञान, वैराग्य, अध्यात्म और उन सभी विधाओं

की जरूरत है। लेकिन भारत को शक्ति संपन्न बनाना है तो उसके लिए शस्त्रों की आवश्यकता है।

हर निकाय में गीता भवन

सीएम ने कहा कि सरकार जनता की मनोभावना में होती है। सभी सांस्कृतिक पर्वों को सरकार के साथ मनाने का प्रयास किया है। सभी नगरीय निकायों में एक गीता भवन बनाया जा रहा है। एक दिसंबर के दिन गीता जयंती मनाएंगे। गोवर्धन पूजा के साथ होली, दीवाली जैसे सभी त्योहार धूमधाम से मनाएंगे। सरकार समाज के साथ खड़ी है। गोशाला, गोपालन के लिए कामधेनु योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत दूध उत्पादन के मामले में हम देश में तीसरे नंबर पर हैं।

धर्म की स्थापना में नागा सन्यासियों ने दिए प्राण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंच से कहा कि इस देश में धर्म की स्थापना के लिए नागा सन्यासियों तक ने अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। हमारी सरकार भी धार्मिक कामों के लिए प्रतिबद्ध है। मैं पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रणाम करता हूं, जिन्होंने महाकाल लोक के साथ ओंकारेश्वर में अद्वैत लोक (एकात्म धाम) बनाने की परिकल्पना की। इस बार सरकार ने धार्मिक नगरों को शराब मुक्त करने का संकल्प लिया है।

मोहन जी को सीएम नर्मदा और क्षिप्रा ने बनाया

जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य ने एकात्मकता की बात की है। पूरे विश्व को जोडना है तो उसके लिए एकात्म दर्शन जरूरी है। उन्होंने पूरे विश्व की एकता की बात कही है। यह अद्वैत शंकर का दर्शन नहीं, बल्कि ईश्वरीय दर्शन है। शंकराचार्य तो केवल माध्यम हैं।

डायल 100 का टेंडर लेने तीन कंपनी में होड़

मौजूदा कंपनी को 15 अगस्त तक मिला एक्सटेंशन

भोपाल,ईएमएस। प्रदेश में डायल 100 के वाहन चलाने के लिए नए टेंडर जारी किए हैं। जिसमें तीन प्रमुख कंपनी भारत विकास ग्रुप (बीवीजी), जय अम्बे इमरजेंसी सर्विस और जीवीके ग्रुप ने टेंडर भरे हैं। इनमें से भारत विकास ग्रुप वर्तमान में डायल 100 के वाहनों का संचालन कर रही है। जबकि जय अंबे इमरजेंसी सर्विस स्वास्थ्य विभाग की 108 एंबुलेंस सेवा का संचालन कर रही है। छत्तीसगढ़ मूल की कंपनी जय अंबे इमरजेंसी सर्विस को लेकर विधानसभा के बजट सत्र में सवाल लगे थे। बताया गया कि डायल 100 के लिए सरकार ने टेंडर फाइनल कर दिए हैं और डायल 100 को 15 अगस्त तक अपने वाहन चलाने को कहा है। सूत्रों के अनुसार तीन कंपनियों के टेंडर में से दो फर्मों के टेंडर में कुछ तकनीकी दिक्कतें हैं। जिनके समाधान के लिए डायल 100 और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) से जुड़े अधिकारी बातचीत कर रहे हैं। कैबिनेट ने इस साल जनवरी में डायल 100 के माध्यम से दूसरे चरण में वाहन चलाने के लिए 1,565 करोड़ रुपये मंजूर किए। कंपनी को इस पैसे से 1,200 नए वाहन चलाने हैं। जो अभी तक वाहन नहीं खरीदे गए हैं। सरकार ने कंपनी को स्पष्ट रूप से कहा है कि उसे समय सीमा के भीतर निविदाएं जमा करनी होंगी और नए वाहन चलाने शुरू करने होंगे। डायल 100 सेवा के लिए भारत विकास ग्रुप (बीवीजी) के साथ अनुबंध का पहला चरण 31 मार्च, 2020 को समाप्त हो गया था। तब से कंपनी को वाहन चलाने के लिए लगातार समय-वृद्धि की जा रही है।

हुजूर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा..

लव जिहाद को कुचलना राजनीतिक नहीं दिलों का मुद्दा

ऐसा करने वालों को मारा भी जाएगा, कुचला भी जाएगा

भोपाल,ईएमएस । राजधानी की हुजूर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा है कि मुस्लिम धर्म में हिन्दू बेटियों को लव जिहाद में फंसा कर धर्म परिवर्तन कराने पर सवाब मिलता है। यह इस धर्म के लोगों ने स्वीकार किया है। तो अब उन्हें कुचला भी जाएगा और मारा भी जाएगा। अब ऐसा करने वालों को जन्नत भी नसीब होगी। शर्मा ने कहा कि यह राजनीतिक मुद्दा नहीं है। यह राजनीतिक दलों का नहीं दिलों का मुद्दा बन गया है। जिसके विरोध में सम्पूर्ण हिन्दू समाज सडक़ों पर है।

मीडिया को दिए बयान में विधायक शर्मा ने कहा है कि हर हिन्दू के मन में अपने हिन्दुस्तान में बेटियों को नहीं बचा पाने का आक्रोश है। इन्हें लव के नाम पर फंसाया जा रहा है। तो ऐसा करने वालों, अपने मुगालते ठीक कर लेना। ड्रग्स माफिया हो या कोई और सबको कुचला जाएगा। जो अपराधियों के साथ हैं, उन सबको कुचला जाएगा।

हर कॉलेज के एंट्री गेट पर लगे कैमरा

उन्होंने कहा कि वे पुलिस कमिश्नर से मांग करेंगे कि राजधानी के हर छोटे होटलों में कैमरे लगाएं और भोपाल पुलिस के कैमरे से कनेक्ट किया जाए। कैफे, छोटे होटलों में कैमरे लगाए जाएं ताकि आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। सभी कालेज प्राचार्य और मालिकों को चिट्ठी लिख रहा हूं कि वे अपने कालेज के एंट्री गेट के पास से कालेज भवन तक कैमरे लगाएं। इसे भी भोपाल पुलिस को बताना होगा। कालेज और स्कूल परिसर के आस पास कौन कौन घूम रहा है इसकी जानकारी भोपाल पुलिस के पास रहनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि हर हिन्दू में आक्रोश है कि अगर हम अपनी बेटी को नहीं बचा पाए तो हमारा जिन्दा रहना ही बेकार है।

अंशकालीन कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को खून से लिखा पोस्टकार्ड

भोपाल,ईएमएस।

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के नेतृत्व में अंशकालीन कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम खून पोस्टकार्ड लिखा है। खून से पोस्टकार्ड लिखने वालों में मंगल सिंह गंधवानी जिला धार, आदित्य सिसोदिया धर्मपुरी धार, चंपा वारटी बैतूल, जयंती उईके बैतूल, प्रमिला धुर्वे बैतूल, लीला चौहान, सीता नायक, राम प्रसाद राजगढ़ आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि प्रदेश के 50 हजार अंशकालीन कर्मचारियों को 10 साल की सेवा पूर्ण होने के बावजूद भी कलेक्टर दर का वेतन नहीं दिया जा रहा है। अंशकालीन कर्मचारियों को 8 घंटे सेवा करने के बाद भी मात्र 5000 रूपए वेतन प्रतिमाह दिया जा रहा है। अंशकालीन कर्मचारियों को पीएफ सुविधा, बीमा सुविधा, पेंशन सुविधा, अवकाश सुविधा का लाभ भी नहीं दिया जा रहा है। अंशकालीन कर्मचारी का नौकरशाही शोषण कर रही है और राज्य सरकार भी अंश कालीन कर्मचारियों की मांगों की उपेक्षा कर रही है। इस कारण हार थक के अंशकालीन कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को अपने खून से पोस्टकार्ड लिख कर मांग मंजूर करने की गुहार लगाई है।

बालाघाट अब नहीं रहा सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिला

केंद्र की समीक्षा में बदली श्रेणी...डिस्ट्रिक्ट ऑफ कंसर्न की श्रेणी में आया, कोर एरिया में सिर्फ 8-10 नक्सली बचे

भोपाल,ईएमएस। मप्र सरकार द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का असर दिखने लगा है। बालाघाट अब सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिला नहीं रहा। दरअसल, केंद्र सरकार की मार्च में की गई समीक्षा में मप्र का बालाघाट जिला सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों की सूची से बाहर हो गया है। अब यह डिस्ट्रिक्ट ऑफ कंसर्न की श्रेणी में आ गया है। पांच साल में नक्सलियों के खिलाफ की गई कार्रवाई का यह सकारात्मक परिणाम है। बालाघाट पुलिस ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में कैंप स्थापित किए। नक्सल उन्मूलन अभियान चलाए। साथ ही क्षेत्र में सरकारी योजनाओं से विकास कार्य भी हुए। पहले देश में 58 नक्सल प्रभावित जिले थे।

कोर जोन में अब केवल एक दलम सक्रिय

2020 से फरवरी 2025 के बीच बालाघाट पुलिस ने कई एनकाउंटर में करोड़ों रुपए के इनामी नक्सलियों को मार गिराया। इससे जिले के जंगलों को सुरक्षित आश्रय मानने वाले नक्सलियों में पुलिस का खौफ है। कोर जोन में अब केवल एक दलम सक्रिय है। एसपी नगेन्द्र सिंह के अनुसार, श्रेणी में बदलाव के बावजूद नक्सल उन्मूलन के लिए मिली सुरक्षा कंपनियों के बलों में कोई कमी नहीं होगी। पुलिस का लक्ष्य मार्च 2026 तक जिले से नक्सल गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करना है।

आयकर के रडार पर कई अफसर

खनन व रियल एस्टेट कारोबारी के यहां से मिले हैं निवेश के दस्तावेज

भोपाल,ईएमएस। विगत वर्ष दिसंबर में आयकर विभाग ने जब खनन व रियल एस्टेट कारोबारी राजेश शर्मा और राजकुमार सिकरवार के यहां छापे की कार्रवाई की थी तो वहां बड़ी संख्या में काली कमाई के निवेश के दस्तावेज मिले। इन दस्तावेजों की जांच में पता चला है कि प्रदेश के कई ब्यूरोक्रेट्स ने खनन व रियल एस्टेट में निवेश किया है।

सूत्रों का कहना है कि अब उन दस्तावेजों के आधार पर मप्र के कई अफसर आयकर विभाग के रडार पर हैं। जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग को हफ्ते तक चली छापेमारी कार्रवाई में कई बेनामी संपत्ति के दस्तावेज मिले थे। विभाग ने कुछ महीने पहले राजेश शर्मा की करीब 250 करोड़ की 24 प्रॉपर्टी अटैच कर ली थी। इसमें राजेश के नाम आठ, पत्नी राधिका के नाम 16 प्रॉपर्टी, सेवनिया गोंड व सरवर

में पांच एकड़ जमीन, सेंट्रल पार्क, पिपलिया जाहिरपीर, बरखेड़ा नाथू में पांच प्लॉट, कस्तूरबा नगर में राजेश शर्मा का मकान और उसके नाम पर विष्णु हाइटेक सिटी व सागर ग्रीन के बंगले शामिल थे।

अफसरों से लेन-देन के दस्तावेज मिले

खनन व रियल एस्टेट कारोबारी राजेश शर्मा और राजकुमार सिकरवार पर छापे की कार्रवाई के दौरान कई अफसरों से लेन-देन के दस्तावेज मिले थे। अब इन अधिकारियों को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट रडार पर ले रहा है। नोटिस जारी कर दफ्तर तलब किया जा रहा है। मौजूदा स्थिति में कुछ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। आईटी ने त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के संचालक राजेश शर्मा के कस्तूरबा नगर स्थित घर, नीलबड़, मेंडोरा, सूरज नगर, रातीबड़ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जमीन की खरीदी-बिक्री करने वाले एक व्यवसायी समेत ईशान ग्रुप, क्वालिटी ग्रुप और इनसे जुड़े लोगों ठिकानों पर छापा मारा था। यह कार्रवाई पिछले साल 18 दिसंबर को की गई थी। आईटी अधिकारियों को भदभदा रोड स्थित सेवनिया गोंड के सेंट्रल पार्क प्रोजेक्ट की कई रजिस्ट्रियां मिली थी। तब संभावना जताई गई थी कि इन रजिस्ट्रियों से कई बड़े नाम आयकर विभाग के रडार पर आ जाएंगे। अब यह सच साबित हो रही है।

अनुबंध समाप्त...72 हजार गुरुजी हुए बेरोजगार

10 मई को बड़े आंदोलन की तैयार करेंगे रूप रेखा

भोपाल,ईएमएस। मप्र के सरकारी स्कूलों में 18 साल पढ़ाने के बाद भी अतिथि शिक्षकों को उनका अधिकार मिलना तो दूर घोषणा के बाद भी एक साल के लिए अनुबंधित नहीं किया जा रहा है। जिससे हर साल हजारों अतिथि शिक्षक इससे बाहर हो जाते हैं। इस बार भी सरकारी स्कूलों में करीब 72 हजार अतिथि शिक्षक अध्यापन कार्य कर रहे थे। लेकिन 30 अप्रैल से उनका अनुबंध समाप्त हो गया है। ऐसे में 72 हजार अतिथि शिक्षक फिर से बेरोजगार हो गए हैं।

अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश सचिव रविकांत गुप्ता ने बताया कि संगठन लंबे समय से अतिथि शिक्षकों की सेवाएं स्थाई करने की मांग कर रहा है। ऐसे में अतिथि शिक्षकों को नियमित नहीं कर सकते तो उनके साथ 1 साल का अनुबंध तो किया जा सकता है। लेकिन हर बार अतिथि शिक्षक केवल स्कूलों में 8 से 10 महीने ही

सेवा दे पता है, जबकि बाकी समय वह बेरोजगार रहता है। ऐसे में अतिथि शिक्षकों को सरकार नियमित शिक्षकों की तरह सुविधाएं दे। रविकांत गुप्ता ने बताया कि इसके अलावा भी अतिथि शिक्षकों के साथ कई विसंगतियां हैं, जिसे सुधारने की जरूरत है। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने बताया कि सरकार अतिथि विद्वानों की भांति महिला अतिथि शिक्षकों को प्रसूति अवकाश, सीएल और ऐच्छिक अवकाश सहित कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा का लाभ देना चाहिए।

अजाक्स संघ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर बोला

सरकारी विभागों में आउटसोसिंग भर्तियां मानव तस्करी

भोपाल, ईएमएस । मप्र में सरकारी विभागों में आउटसोर्सिंग के जरिए कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर अजाक्स संघ ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि सरकार के पास पहले से स्वीकृत पद और तय वेतनमान मौजूद हैं, इसके बावजूद कर्मचारियों को प्राइवेट एजेंसियों के जरिए ठेके पर रखकर नियुक्त करना असंवैधानिक है। एजेंसी वाले कम वेतन देते हैं और कभी भी नौकरी से निकाल देते हैं। इन कर्मचारियों को कोई कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती। ये प्रक्रिया ह्यूमन ट्रैफिकिंग जैसी है यानी इंसानों को खरीदने-बेचने जैसा व्यवहार हो रहा। है। वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश में वर्तमान में लाखों कर्मचारी आउटसोर्सिंग के जरिए काम कर रहे हैं।

2 साल पहले लागू हुआ था नियम

मध्यप्रदेश सरकार के वित्त विभाग ने 31 मार्च 2023 को अधिसूचना जारी कर यह नियम लागू किया। इसके अनुसार, राज्य के सभी विभाग विशिष्ट कार्यों हेतु चतुर्थ श्रेणी यानी ड्राइवर, चपरासी, सफाईकर्मी जैसे पदों पर जरूरत पडऩे पर प्राइवेट एजेंसियों से कर्मचारी लिए जा सकते हैं। कर्मचारियों को जरूरत पड़ने पर प्राइवेट एजेंसियों से आउटसोर्स कर सकते हैं।

नेशनल हॉस्पिटल
PEOPLE WHO CARE
स्थान : 703, गोलबाजार, जबलपुर
फोन नं. 07561-2412612,2414612
C.G.H.S. C.S.M.A. E.S.I.C. एवं आयुष्मान द्वारा मान्यता प्राप्त
सुपर स्पेशिलिटी विभाग • हृदय रोग (एंजियोग्रॉफी, एंजियोप्लॉस्टी, पेसमेकर) • न्योरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी (लकवा, मिर्गी, मूवमेन्ट डिसआर्डर, स्पाईन सर्जरी, हेड इन्जरी, ब्रेन ट्यूमर) • यूरोलॉजी (मूत्र के सभी रोगो का इलाज एवं ऑपरेशन, प्रोस्टेड के ऑपरेशन लेज़र द्वारा किडनी की पथरी के ऑपरेशन) • शल्य चिकित्सा (हर्निया, अपेन्डिक्स, पाईल्स, फिस्टुला व आंतो में छेद एवं पेट के सभी ऑपरेशन) • हड्डी रोग (हिप एवं नी रिप्लेशमेन्ट) • छाती रोग • नेफ्रोलॉजी (डायलिसिस) • स्त्री रोग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) • नेत्र रोग • शिशु रोग
28 वर्षों से जहर, सर्पदंश, डेंगू, एक्सीडेंट, ट्रामा एवं अन्य एम.एल.सी. के मरीजों में सर्वाधिक जीवन रक्षा का कीर्तिमान

EMS ACADEMY OF JOURNALISM
(AFFILIATED BY BHARTIYA VIDYA BHAVAN, AHMEDABAD)
Become a Media professional
ADMISSION
OPEN FOR PG-DIPLOMA 2025
One Year Diploma Course
1. Journalism & Mass communication
2. Public Relation
3. Digital Media
4. Marketing & Sales management
APPLY NOW
Contact Us:
9302208608,9229226533
www.emsindia.com, Jabalpur express.com
ems_academy@rediffmail.com
यदि आप बनाना चाहते हैं मीडिया की दुनिया में अपनी पहचान तो जुड़िये मध्यप्रदेश की नंबर 1 मीडिया एकेडमी से
Academy premises: Bhopal Teaching mode: Offline
FACILITIES
• Well equipped media lab & TV Studio
• Writing exercise for print and web
• Guidance by Media Professionals
• Practical Training of conducting Interview, Tv Reporting Writing Article, Field reporting etc.
• Regular Field Visits
• Well Qualified Faculty
• Guaranteed Internship and Placement
ADDRESS : 7, COMMERCIAL CHITTOD COMPLEX ZONE 1 M.P. NAGAR, BHOPAL MADHYA PRADESH

आयुष्मान की अतिरिक्त सीईओ रहते सपना लांवशी पर लगे थे आरोप

10 लाख की घूस की आरोपी महिला अधिकारी की जांच रिपोर्ट गायब

भोपाल,ईएमएस।

ढाई साल पहले कार में 10 लाख की घूस लेने के चलते विवादों में आई राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सपना लोवंशी के खिलाफ की गई जांच रिपोर्ट मंत्रालय से गायब बताई जा रही है। सपना लोवंशी का इसी साल आईएएस अवॉर्ड होना है, जबकि सामान्य प्रशासन विभाग (कार्मिक) के पास सपना लोवंशी के खिलाफ तत्कालीन स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा की गई जांच रिपोर्ट पहुंची ही नहीं है।

सपना लोवंशी राज्य प्रशासनिक सेवा की 2007 बैच की अधिकारी हैं। वर्तमान में वे उपायुक्त इंदौर संभाग हैं। ढाई साल पहले जब वे आयुष्मान भारत मप्र की अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी थीं, तब दिसंबर 2022 में 10 लाख रुपए का लेनदेन करतेएक वीडियो वायरल हुआ था। अस्पताल संचालक से रुपए लेने वाला विमल सपना लोवंशी का देवर बताया गया था। वीडियो वायरल होने के बाद सरकार ने सपना लोवंशी को हटाकर इंदौर का अपर कलेक्टर बना

दिया था। हालांकि इससे पहले भी सपना लोवंशी एवं अन्य अधिकारियों के खिलाफ आयुष्मान भारत योजना में घोटाला करने की शिकायत शासन तक पहुंच रहीं थी। वीडियो वायरल होने के बाद सरकार ने आयुष्मान भारत के तत्कालीन सीईओ अनुराग चौधरी, सपना लोवंशी, लेखाधिकारी समेत अन्य को हटा दिया था। साथ ही पूरे मामले की जांच तत्कालीन स्वास्थ्य आयुक्त को सौंप दी थी। स्वास्थ्य आयुक्त जांच रिपोर्ट शासन को सौंप चुके थे, लेकिन अभी तक सरकार ने उस पर कोई निर्णय नहीं लिया है।

जीएडी में पहुंची ही नहीं रिपोर्ट

सामान्य प्रशासन विभाग के सूत्रों ने बताया कि सपना लोवंशी के खिलाफ 10 लाख की कथित घूस मामले की जांच रिपोर्ट विभाग में पहुंची ही नहीं, जबकि इसी साल उनका आईएएस अवॉर्ड होना है। यदि जांच रिपोर्ट जीएडी तक पहुंचता तो आईएएस अवॉर्ड में तकनीकी दिक्क त आ सकती है। सूत्रों ने बताया कि जांच रिपोर्ट कहां हैं, यह किसी के संज्ञान में नहीं है। बताया गया कि वीडियो वायरल होने के बाद सपना लोवंशी के खिलाफ तत्कालीन अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी के दबाव में कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। यही वजह थी कि 10 लाख की घूस मामले में पुलिस कार्रवाई की वजाए, स्वास्थ्य आयुक्त से जांच कराई थी। जिसमें घूस का तकनीकी पक्ष आया ही नहीं। जांच अधिकारी ने बयान के लिए भी सपना लोवंशी को बार-बार सूचना भेजी थी। सामान्यत: घूसखोरी के मामले में सरकार अधिकारियों को लूप लाइन में भेजती है। जांच में तथ्य सामने आने के बाद विभागीय जांच, निलंबन भी करती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सनत कुमार जैन के लिए सुपर प्रिन्टर्स, आर-11, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित कर हॉल नं. 07, चित्तौड़ कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : बलदेवराज गुप्त, एसोसियेट एडीटर : विनीत खरे, स्थानीय संपादक : सौरभ जैन*
फोन-0755-2572334, दिल्ली कार्यालय: ''ईएमएस हाउस'' यू-39-ए, शकरपुर, दिल्ली-110092. फोन नं.011-22022531 फैक्स नं. 011-22022535. ई-मेल: expressnews.advt@gmail.com (रजि नं. RNI 62831/95, डाक पंजीयन सं. म.प्र./भोपाल/402/2024-26) समाचार चयन के लिए *पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।